ऑपरेशन चाइनीज ड्रैगन

जेम्स बाण्ड 007

आपरेशन चायनीज ड्रैगन

----सुरेन्द्र मोहन पाठक

'तुम्हारी जानकारी के लिये चीनी अपना एटमबम उस बम के आधार पर बना रहे हैं जो अमेरिका ने होरोशिमा में गिराया था। ऐसे बम को फिशन बम कहते हैं । इसमें विस्फोट अणु के विघटन से होता है। अणु बम के विघटन के लिए एक दूसरी मशीन की जरूरत होती है, जिसे ट्रीगर कहते हैं। जब तक ट्रीगर बम के साथ फिट न किया जाए, बम फटता नहीं । इसका बजन पचास पौंड़ के करीब होता है और यह भी अपने आप में एक छोटा-मोटा एटमबम ही होता है। यह ट्रीगर हमने आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर में बड़ी सावधानी से छुपाया हुआ था । उस विशाल कम्प्यूटर में ट्रीगर छुपा देना कोई कठिन काम नहीं था।' मिस्टर 'एम' के इस कथन पर बाण्ड चौंक पड़ा ।

------- आपरेशन चायनीज ड्रैगन

सुरेन्द्र मोहन पाठक

नीलम पॉकेट बुक्स

३३-गांधी मार्ग, मेरठ-2

आपरेशन चायनीज ड्रैगन----

जेम्स बाण्ड ने ब्रिटिश इण्टैलीजेंस के ००७ विभाग के चीफ 'एम' के आफिस के बाहरी कमरे में कदम रखा ।

'एम' को सेक्रेट्री मिस मनीपेनी ने टाइप राइटर पर से दृष्टि उठाकर जेम्स बाण्ड को देखा और फिर उसकी आंखों में आशंका और सतर्कता के भाव तैर गये ।

'ही इज वेटिंग फार यू (वह तुम्हारा इन्तजार कर रहा है) ।' मनीपेनी बोली ।

'मुझे मालूम है, वह मेरा इन्तजार कर रहा है।' जेम्स बाण्ड अपने चेहरे पर गोल्डन जुबली मुस्कराहट लाता हुआ बोला- 'लेकिन स्वीट हार्ट, कभी यह भी कहोगी कि तुम मेरा इन्तजार कर रही हो !'

'कहूंगी। कहूंगी।'

'कब ?'

'सन् १९९५ की गर्मियों में ।'

'यानी कि जब तुम्हारे इस खूबसूरत जिस्म के नट-बोल्ड ढीले हो चुके होंगे, कमर झुक चुकी होगी, दो चार दांत गायब हो गये होंगे, आंखों से दिखाई देना कम हो गया होगा और बाल सफेद हो चुके होंगे...।'

'ओह, यू , बी क्वाइट । कैसी भयानक बातें करते हो ।'

'मैं हकीकत बयान कर रहा हूं। मैं तुम्हें यह समझाने की कोशिश कर रहा हूं कि मेरे इन्तजार के लिये इतनी लम्बी तारीख फिक्स करोगी तो घाटा तुम्हें ही होगा। जिन्दगी का सारा मजा खतम हो जाएगा और तुम पछताओगी ।

'मैं नहीं पछताऊंगी ।'

'तुम जरूर पछताओगी ।'

(६)

'तुम क्या समझते हो कि मुर्गा बांग नहीं देता तो सवेरा नहीं होता ।'

'यानी कि तुम्हारे और भी दोस्त हैं ?'

'जैसे तुम्हारी और कई सहेलियां नहीं हैं ।'

'कहीं तुम्हारे इतने दोस्त तो नहीं हैं कि तुम रोज एक को अपने घर पर बुलाओ तो सन् उन्नीस सौ पिच्चानबे की गर्मियों में मेरी बारी आयेगी !'

'हो सकता है।'

यानी कि है।'

'हो सकता है।'

'तुम मेरे साथ ज्यादती कर रही हो, मैडम । मेरे से ज्यादा बड़ा चाहने वाला तुम्हें चिराग लेकर ढूंढे नहीं मिलेगा ।'

यह सभी कहते हैं ।'

'और किसने कहा है यह ? मैं उस साले का खून कर हूँगा । यू नो, आई एम लाइसेंस्ड टू किल ।'

'मैं चीफ को बताती हूं कि तुम एक घण्टे से यहां खड़े वक्त बरबाद कर रहे हो लेकिन उसके आफिस में दाखिल नहीं हो रहे हो । ---मनीपेनी बोली और उसने कम्यूनिकेशन सैट के स्वीच की ओर हाथ बढ़ाया ।

'खबरदार।' जेम्स बाण्ड चेतावनीपूर्ण स्वर में बोला-'अगर तुमने उस सैंट का स्वीच दबाया तो मैं चीफ से तुम्हारी शिकायत कर दूंगा ।'

'क्या शिकायत करोगे?' मनीपेनी ठिठककर बोली ।

'कि तुम कमान्डर जेम्स बांड सीक्रेट एजेन्ट ००७ के साथ हम-बिस्तर होने से इंकार कर रही हो । कि तुम्हें लन्दन का हर घटिया, जलील और बेहूदा नौजवान पसन्द है, लेकिन जेम्स बाण्ड पसन्द नहीं ।"

मनीपेनी का चेहरा कानों तक लाल हो गया ।

'गालियां देने पर उतर आये हो ।' वह शिकायत भरे स्वर

(७)

में बोली ।

'कौन गाली दे रहा है ? मैं तो वही दोहरा रहा हूं जो कि अभी तुमने कहा था । तुम्हीं ने तो कहा था कि तुम्हारे पास सन् उन्नीस सौ पिच्चानबे की गर्मियों तक का आशिकों का कोटा है।'

'वह तो मैंने मजाक किया था ।'

'अच्छा ! मजाक किया था ! तो फिर एक छोटा सा चुम्बन हो जाये ।'

'नहीं।'

'जस्ट ए स्माल टीनी-वीनी किस ।'

'पाजिटिवली नाट ।'

'आर यू श्योर ?'

'आई मीन नाट हेयर ।'

तब तक जेम्स बाण्ड एकदम मनीपेनी के सिर पर पहुंच चुका था ।

मनीपेनी ने जल्दी से इन्टर कम्यूनिकेशन सैट का स्वीच दबाया और फिर हड़बड़ाये स्वर में बोली- 'मिस्टर बाण्ड इज हेयर, सर ।'

'मुझे मालूम है।' इन्टर कम्यूनिकेशन सैट से निकलता 'एम' का भारी स्वर वातावरण में गूज गया- 'और आज मैं देखना चाहता हूं कि अगर उसे रोका न जाये तो वह तुम्हारे साथ ज्यादा से ज्यादा कितना वक्त बरबाद कर सकता है।'

'सर मिस्टर बाण्ड सन् उन्नीस सौ पिच्चानबे की गर्मियों तक का प्रोग्राम तो तैयार कर चुके हैं ।' मनीपेनी जेम्स बाण्ड की ओर एक शरारतपूर्ण मुस्कराहट फेंकती हुई बोली ।

'यू सैंड दैट बास्टर्ड इन ।' 'एम' दहाड़ा- 'जेम्स बाण्ड भीतर आओ ।'

'राइट अवे, सर ।' जेम्स बाण्ड उच्च स्वर में बोला । वह कहर भरी निगाहों से मनीपेनी को घूरता हुआ भीतरी

(८)

कमरे के दरवाजे की ओर बढ़ा ।

मनीपेनी ने आगे बढ़कर बड़ी तत्परता से दरवाजा खोल दिया और मीठे स्वर में बोली- 'दिस वे, कमांडर जेम्स बांड ।'

'थैंक्यू !' जेम्स बाण्ड मीठे स्वर में बोला । जेम्स बाण्ड ने 'एम' के कमरे में कदम रखा ।

मनीपेनी ने उसके पीछे द्वार बन्द कर दिया ।

'एक्सक्यूज मी ए मिनट, सर !' जेम्स बाण्ड विशाल अर्धवृत्ताकार मेज के पीछे बैठे 'एम' से बोला और फुर्ती से दरवाजा खोलकर फिर बाहर निकल आया ।

मनीपेनी अपने डेस्क की ओर बढ़ रही थी ।

जेम्स बाण्ड लपककर उसके पीछे पहुंचा, उसके कन्धों पर अपने दोनों हाथ रखकर उसने फिरकनी की तरह उसे अपनी ओर घूमा लिया और

फिर इससे पहले कि मनीपेनी कुछ समझ पाती, वह जेम्स बाण्ड की बांहों में थी। मनीपेनी ने तीव्र विरोध-पूर्ण ढंग से मुह खोला लेकिन जेम्स बाण्ड ने तुरन्त उसके खुले होठों पर अपने होंठ रख दिये ।

मनीपेनी उसकी मजबूत गिरफ्त में छटपटाने लगी ।

फिर जेम्स बाण्ड ने मनीपेनी को बन्धन मुक्त कर दिया और फिर मीठे स्वर में बोला 'थैंक्यू थैंक्यू वेरी मच, फार दी ट्रेलर । यू आर सैन्सेशनल मिस मनीपेनी !'

'बास्टर्ड !' मनीपेनी बड़ी कठिनाई से अपने मुह से एक शब्द निकाल पाई।

'मे बी, बट लविंग बास्टर्ड !'

और जेम्स बाण्ड अपने पीछे हांफती हुई मनीपेनी को छोड़-कर फिर से 'एम' के आफिस में घुस गया ।

मनीपेनी लड़खड़ाती हुई अपने डेस्क की ओर बढ़ी और कुर्सी पर ढेर हो गई । कुछ क्षण वह कुर्सी पर बैठी हांफती। रही। फिर धीरे-धीरे उसने अपनी उखड़ी सांसों को व्यवस्थित किया, उसके चेहरे से उत्तेजना और उद्योग के भाव गायब हो

(६)

गये और उनका स्थान एक मीठी मुस्कराहट ने ले लिया ।

अपने दांये हाथ की पहली उगली से उसने धीरे से अपने होठों को छुआ ।

जेम्स बांड ने अपने पीछे दरवाजा मजबूती से बन्द किया और फिर लम्बे डग भरता हुआ 'एम के सामने पहुंचा ।

'गुड आफ्टर नून, सर !' जेम्स बाण्ड तत्पर स्वर से बोला ।

'एम' ने कहर भरी निगाहों से उसकी ओर देखा और बोला-'बैठो ।'

'थैंक्यू सर ! ' जेम्स बाण्ड बोला और 'एम' के समीप कुर्सी पर बैठ गया ।

'एम' उसे घूरने लगा ।

जेम्स बाण्ड ने बेचैनी से कुर्सी पर पहलू बदला ।

'एम' ने अपने कोट की ऊपर वाली जेब से रूमाल निकाला और उसे जेम्स बाण्ड की ओर बढ़ा दिया ।

'सर !' जेम्स बाण्ड उलझन पूर्ण स्वर से बोला ।

'अपने थोबड़े से लिपिस्टिक पोछो ।' 'एम' गुर्राया ।

जेम्स बांड हड़बड़ाया ।

'सॉरी सर सॉरी, सर ! वह बौखलाये स्वर से बोला ।

उसने जल्दी से अपना रुमाल निकाला और उसे अपने होठों पर फिराने लगा ।

'एम' ने अपना रुमाल वापिस अपनी जेब में ठूंस लिया ।

'मैं आज ही मिनिस्ट्री को लिखता हूं कि मिस मनीपेनी की जगह मुझे कोई पुरुष सैक्रेट्री दिया जाये। 'एम' क्रोधित स्वर से बोला ।

'बहुत बुरा करेंगे आप ।'

'क्या ?'

मैं मेरा मतलब है, बहुत अच्छा करेंगे आप ।'

'एम' चुप रहा ।

(१०)

'या आप मिस मनीपेनी पर यह प्रतिबन्ध लगा दीजिये कि वह दफ्तर के

समय में लिपिस्टिक का प्रयोग न किया करे।'

'कमाण्डर जेम्स बाण्ड !' 'एम' प्यार भरे स्वर से बोला ।

'सर'।' जेम्स बाण्ड तत्पर स्वर से बोला । 'विल यू कीप युअर ब्लडी माउथ शट !' 'एम' गला फाड़ कर चिल्लाया ।

'यस सर ! आफ कोर्स सर ! एनीथिग यू से सर।' जेम्स बाण्ड बोला और उसने यू अपना मुह बन्द किया, जैसे बन्दूक का ढक्कन बन्द कर रहा हो, लेकिन उसके भिचे हुये होठों की कोरों पर एक शरारत भरी मुस्कराहट विधमान थी ।

'मैं तुम्हारी पर्सनल फाइल में यह भी लिखवाता हूं कि सैक्स के मामले में तुम किसी जानवर से कम नहीं हो।' 'एम' बोला ।

'यह तो पहले ही लिखा हुआ है । जेम्स बाण्ड धीरे से बोला ।

'क्या पहले ही लिखा हुआ है ??

'कि सैक्स के मामले में मैं...।'

'तुम्हें कैसे मालूम ?'

'मैंने देखा था।'

'तुम्हें वह फाइल देखने की इजाजत नहीं । तुमने वह फाइल कैसे देख ली ?'

'आपने खुद दिखाई थी

मैंने ? ओहम्म हूँ अच्छा : लैट्स टाक बिजनेस नाउ।'

'गुड आइडिया सर !'

'एम' ने अपनी जेब से एक सिगार निकाल लिया ।

जेम्स बाण्ड ने भी अपना सिगगेट का पकेट निकाल लिया ।

(११)

'तुमने कम्युनिस्टों को एक चोरबाजारी का इलैक्ट्रानिक कम्प्यूटर बेचना है।' 'एम' सिगार का लम्बा कश लगाकर बोला ।

'जी !' जेम्स बाण्ड हैरानी से बोला ।

'सुनते जाओ..।' 'एम' बोला- 'प्राग में अगले सत्ताह से एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी लग रही है, जिसमें संसार के विभिन्न देश अपने यहां बने विभिन्न प्रकार के इलैक्ट्रानिक साजो-सा-मान का प्रदर्शन करेंगे। तुभ एक हमारे देश में बने और बाहर से आयात किये कम्प्यूटरों के डीलर हो । प्राग की प्रदर्शनी में तुम्हारा भी एक छोटा सा स्टाल है, जिस पर तुम विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटरों का प्रदर्शन करोगे । प्रदर्शनी में कोई चैक डीलर तुमसे आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर के बारे में पूछताछ करेगा । तुमको ब्लैक मार्केट के रेट पर एक आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर उसे बेच देना है ।'

'लेकिन इस सारे सिलसिले का मतलब क्या है ? इतना रहस्य किसलिए ? अगर वह अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी है तो वहां आई० बी० एम० का स्टाल भी होगा। और आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर का सौदा उसके बनाने बालों से ज्यादा सहू-लियत से किया जा सकता है।'

'नहीं किया जा सकता। अमेरिका और योरोप के समाज-वादी देशों ने महत्वपूर्ण इलैक्ट्रानिक मशीनें साम्यवादी देशों को बेचने पर पाबन्दी लगाई हुई है।'

'तो फिर एक साम्यवादी देश में वे ऐसे साजो-सामान की प्रदर्शनी क्यों लगा रहे हैं?

'साम्यवादियों को प्रभावित करने के लिये । उन पर यह रौव जमाने के लिए कि इलेक्ट्रानिक्स के मामले में उन्होंने साम्यवादी देशों के मुकाबले में कितनी ज्यादा तरक्की कर ली है। और फिर पाबन्दी सरकार द्वारा लगाई गई है। मशीनें

बनाने वाली कम्पनियों को साम्यवादियों के हाथ अपना माल बेचने में कोई एतराज नहीं है। वे अपने माल का प्राग में प्रदर्शन इसलिए कर रहे हैं कि माल से पाबन्दी हट जाये तो साम्यवादियों की जानकारी में प्रदर्शनी की वजह से आई हुई मशीनरी वे ज्यादा आसानी से बेच सकेंगे। और कहने की जरूरत नहीं कि इलैक्ट्रानिक्स के मामले में अधिकतर साम्यवादी देश इतने पिछड़े हुए है कि इंग्लैण्ड या अमेरिका की पांच साल पुरानी मशीन भी उनके लिए नये जैसी अहमियत रखती है।'

'आई सी ।'

'जिस कम्पनी के प्रतिनिधि के रूप में तुम प्रदर्शनी में भाग ले रहे हो उसकी साम्यवादी देशों को पहले से ही जानकारी है। वह कम्पनी पहले ही चैकोस्लोवाकिया, पोलेण्ड और हगरी जैसे साम्यवादी देशों को इलैक्ट्रानिक्स का समान बेच चुकी है।'

'पाबन्दी के बावजूद भी ?'

'पाबन्दी बड़ी मशीनरी पर है, छोटे-मोटे समान पर नहीं । छोटा-मोटा सामान साम्यवादी मुल्कों को बेचने की सरकार इजाजत दे देती है । हमें आशा है कि प्राग की प्रदर्शनी में कोई तुमसे आई० बी० एम० कम्प्यूटर के लिए बात करेगा । खरीदार भी यह जानता है कि यह कम्प्यूटर मैनूफैक्चरर से या किसी भी समाजवादी देश से सीधा नहीं खरीदा जा सकता इसलिए वह तुमसे प्रार्थना करेगा कि तुम किसी भी कीमत पर उसे आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर दिला दो। आई० बी० एम० की कम्पनी द्वारा निर्धारित कीमत दो लाख डालर है। लेकिन ब्लैक मार्केट के रेट में तुम्हें इससे दुगनी आमदनी मिल सकती है। तुम ऐसे किसी सौदे से पहले तो एकदम इन्कार कर दोगे' फिर भयभीत होने का अभिनय करोगे, फिर खरीदार को यह संकेत दोगे कि दौलत के लालच में तुम्हें फंसाया जा सकता

है । वह कम्प्यूटर की चोरबाजारी की भारी सी कीमत लगायेगा और फिर बड़ी अनिच्छा से 'तुम एक तगड़ी रकम पर उसे ब्लैक में कम्प्यूटर दिलाने के लिये हां कर दोगे ।'

'आप कहते हैं कि साम्यवादियों के हाथ ऐसा सामान बेचने की पाबन्दी है, अगर गवर्नमेंट को पता लग गया तो ?'

'कैसे पता लग जायेगा ! पाबन्दी के बारे में ब्लैक में कम्प्यूटर खरीदने वाला भी जानता है और बेचने वाला भी जानता है । दोनों में से कौन इस सौदे का ढिंढोरा पीटेगा ?'

'लेकिन आई० बी० एम० कम्पनी को तो पता लग ही जायेगा कि उनका कम्प्यूटर मार्केट से कहीं गायब हो गया है ?'

आई० बी० एम० कम्पनी को सभालना अमेरिका की सरकार का काम है और अमेरिका को इस सारे आपरेशन की पहले से ही जानकारी है।'

'यानी कि।'

'यानी कि एक बार फिर हम साम्यवादियों के खिलाफ अमेरिका से हाथ मिलाकर काम कर रहे हैं। यह अमेरिका और इग्लैण्ड का सयुक्त आपरेशन है । ब्लैक में बेचने के लिए कम्प्यूटर हमें अमेरिका देगा और उसे इच्छुक हाथों तक हम पहुंचायेंगे । हम अमेरिका के साथ मिलकर चीन के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा खड़ा कर रहें हैं।'

'उस कम्प्यूटर का खरीदार चीन है ?'

'वास्तविक खरीदार चीन है वास्तव में कम्प्यूटर की जरूरत चीन को है, लेकिन चीन मार्केट में अपने आप को प्रकट नहीं करना चाहता । प्राग में तुमसे कोई चैक ही कम्प्यूटर के बारे में बात करेगा । वह ब्लैक के रेट पर तुमसे कम्प्यूटर खरीदेगा और फिर उसे और भी महगी कीमत पर चीन की बेचेगा ।'

'चीन को कम्प्यूटर की इतनी सख्त जरूरत है ?,

(१४)

'बेहद सख्त जरूरत है। अपने न्यूक्लियर रिसर्च प्रोग्राम को सुचारु रूप से चलाने के लिये चीनियों को आधुनिक कम्प्यूटर की सख्त जरूरत है। एक लम्बे अरसे से वह सारे संसार में ऐसा कम्प्यूटर हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक हम उनके प्रयत्नों को विफल करते रहे थे । कम्प्यूटर न मिलता देखकर चीनियों ने यह भी चाहा था कि उन्हें उनके कल-पुर्जे ही मिल जायें, ताकि वे खुद कम्प्यूटर तैयार कर लें, लेकिन हमने उनकी पहुंच आई० बी० एम० १७५० के कल-पुर्जों तक भी नहीं होने दी थी ।

'और अब आप वहीं आधुनिक कम्प्यूटर चीनियों को प्लेट में रखकर पेश कर रहे हैं !'

'करैक्ट ।'

'क्यों ?'

'वजह जानने की तुम्हें जरूरत नहीं । तुम्हारा काम सिर्फ साम्यवादियों को कम्प्यूटर उपलब्ध कराना है और तुम्हारी ओर से यह ऑपरेशन समाप्त है। उस कम्प्यूटर के माध्यम से क्या खिचड़ी पकने वाली है, यह तुम्हें जानने की जरूरत नहीं ।'

'लेकिन अमेरिका के हमारे सहयोग से चीन के खिलाफ कोई कदम उठाने की बात मेरी समझ में नहीं आती । चीन की 'पिंग-पांग' राजनीति और राष्ट्रपति निक्सन का रुख तो यह जाहिर करता है कि अमेरिका चीन की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है।'

'किसी मुल्क से दोस्ती एक अलग मसला है और उस मुल्क से शक्ति संतुलन एक अलग मसला है। अमेरिका चीन की और दोस्ती और भाईचारे का हाथ तो बढ़ा सकता है, लेकिन वह यह कभी नही चाहेगा कि शक्ति संतुलन के मामले में चीन का पलड़ा उससे भारी हो जाये । चीन अजकल

अपनी अणु-शक्ति बढ़ाने के लिये जोरों-शोरों से कोशिश कर रहा है। यह अफवाह पहले ही आम है कि वह ऐटम बम तैयार कर चुका है।'
(१५)

'कमाल है ! फिर भी आप उसे आधुनिक कम्प्यूटर-यन्त्र उपलब्ध करा रहे हैं। आई० बी० एम० हासिल कर लेने के बाद तो अपनी अणु-शक्ति बढ़ाने की दिशा में उसके हाथ मजबूत हो जायेंगे ।'

'लगता ऐसा ही है, परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं होगा ।'

'वास्तव में क्या होगा ?'

'वह तुम्हें अभी नहीं बताया जा सकता ।'

'आप शायद कम्प्यूटर में कोई ऐसी गड़बड़ कर देंगे कि वह गलत जवाब देने लगेगा। और चीनी वैज्ञानिक अपने न्यूक्लियर रिसर्च प्रोग्राम में पिछड़ जायेंगे ।'

'चीनी मूर्ख नहीं हैं । वे बहुत जल्दी समझ जायेंगे कि कम्प्यूटर ठीक काम कर रहा है। और फिर, वे या तो उसे सुधार लेंगे और या फिर सप्लायर की गरदन पकड़ लेंगे ।'

'बहरहाल यह तो जाहिर है कि उनको ब्लैक में मिला कम्प्यूटर उनके न्यूक्लियर रिसर्च-प्रोग्राम को कोई नुकसान पहुं-चाने वाला है। क्या नुकसान पहुंचाने वाला है, आप मुझे नहीं बतायेंगे ।'

'करैक्ट । यह एक सीधा और सरल आपरेशन है। आपरेशन के बाद पेचीदीगियां उत्पन्न होंगी, लेकिन उनसे तुम्हारा कोई वास्ता नहीं होगा ।

जेम्स बाण्ड चुप रहा।

आपरेशन में तुम्हारा दखल केवल इतना है कि तुम इलै-क्ट्रानिक के साजो सामान के डीलर हो और प्राग में अगले सप्ताह से आरम्भ होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में तुम्हारा स्टाल है। चीनियों का प्राग में जेबरोस्की नाम का एक चैक एजेन्ट है, जो प्राग में तुमसे सम्पर्क स्थापित करेगा ।

ढ़ेर सारी हील-हुज्जत के बाद तुम उसको ब्लैक में आई० बी० एम०. १७५० कम्प्यूटर बेचना स्वीकार कर लोगे । सौदा खत्म और तुम्हारी छुट्टी ।'

(१६)

'कम्प्यूटर है कहां ?'

'कम्प्यूटर लन्दन के हीथरों एयरपोर्ट पर पड़ा है और वहीं पड़ा रहेगा । सौदा होने के बाद तुम उसको लन्दन से ही जहां जेबरोस्की के वहां भिजवा दोगे ।'

'मैं जेबरोस्की को पहचानूगा कैसे ?'

'तुम्हें जेबरोस्की को पहचानने की जरूरत नहीं। जरूरत-मन्द जेबरोस्की है, तुम नहीं। वह खुद अपने आपको तुम्हारी जानकारी में लायेगा ।'

'वैरी गुड़ ।'

'एक बात और । जेबरोस्की तुम्हारे दोस्त पावेल को जानता है।'

पावेल जेम्स बांड का पुराना दोस्त था। वह इलैक्ट्रानिक इन्जीनियर था और खुद इलैक्ट्रानिक का सामान बनाता और बेचता था ।

'जेबरोस्की ।' 'एम' फिर बोला- 'आई० बी० एम० १७५० हासिल करने के लिये पावेल से भी बात कर चुका है, लेकिन वहां उसे लाल झण्ड़ी ही दिखाई दी थी। अब हमारे कहने पर पावेल ने ही जेबरास्की को यह संकेत दिया है कि अगर वह ढ़ेर सारी दौलत बरबाद करने को तैयार हो तो पाल शेरमन उसे वह कम्प्यूटर दिलवा सकता है ।'

'पाल शेरमन कौन ?'

'तुम ! इस ऑपरेशन के दौरान तुम्हारा नाम-पाल शेरमन होगा। इस नाम से तुम्हारा पासपोर्ट और बाकी कागजात तैयार करवाये जा चुके है।'

'वैरी गुड !'

'प्राग की प्रदर्शनी में तुम्हारा स्टाफ तैयार है। वहां जैक नाम का हमारा एक एजेन्ट तुम्हारे असिस्टेंट के रूप में तैयार है। जैक खुद दक्ष इलैक्ट्रिक इन्जीनियर है। तुम्हारे स्टाल पर

(१७)

प्रदर्शित मशीनरी के बारे में यह पूरी जानकारी रखता है और दर्शकों के किसी भी तकनीकी या गैर तकनीकी प्रश्नों का उत्तर देने की पूरी क्षमता रखता है । जेबरोस्की से बात करने के अलावा वह सारा काम खुद सम्भाल लेगा, लेकिन फिर भी इलैक्ट्रानिक्स के बारे में तुम्हें थोड़ी बहुत जानकारी होनी जरुरी है, ताकि जेबरोस्की यह भांप न जाये कि वह किसी नकली आदमी से बात कर रहा है।'

'इलैक्ट्रानिक्स की जानकारी मुझे कैसे होगी ? '

'उसका भी इन्तजाम किया जा चुका है। अगले पांच दिन तुम लगातार पावेल की शागिर्दी करोगे और आई० बी० एम० १७५० के बारे में मोटी-मोटी बातें और उसका बेसिक ऑपरेशन जुबानी याद करने की कोशिश करोगे ।'

'राइट, सर !'

'एम' ने अपनी मेज की दराज से एक कपड़े की परत वाला सील किया हुआ लिफाफा निकाला ।

'इसे रख लो ।' वह बोला- 'इसमें तुम्हारा पाल शेरमन के नाम से पासपोर्ट, अन्य कागजात, हीथरो एयरपोर्ट पर पड़े कम्प्यूटर की डिलीवरी के कागजात वगैरह हैं।'

जेम्स बाण्ड ने लिफाफा ले लिया ।'

'तुमको और कुछ पूछना है ?'

'प्राग में जेबरोस्की से सम्पर्क स्थापित होने का मुझे कब तक इन्तजार करना पड़ेगा ?'

'जब तक प्रदर्शनी चलेगी, यानी कि दो महीनें ।'

'दो महीने !'

'घबराओ नहीं ! जेबरोस्की, चीनियों के लिये कम्प्यूटर हासिल करने के लिये इतना बेताब है कि मुझे पूरा विश्वास है कि वह पहले तीन दिनों के भीतर ही तुम्हारे स्टाल पर आ टपकेगा ।'

(१८)

'शुक्र है !' जेम्स बांड ने शांति की सांस ली- 'मैं तो समझा था कि पूरे दो महीने बोर होना पड़ेगा ।'

'और कुछ ?'

'बस ।'

'आओ, तुम्हें बाहर तक छोड़ आऊ ।' 'एम' अपनी कुर्सी से उठता हुआ बोला ।

'आप क्यों तकलीफ करते हैं, साहब !' जेम्स बांड भी उठ खड़ा हुआ- 'मैं चला जाऊंगा ।'

'एम' मेज से घूमकर जेम्स बाण्ड के समीप पहुंचा । उसने जेम्स बाण्ड की बांह में अपनी बांह डाल दी ।

अरे, तकलीफ कैसी !' 'एम' मक्खन से चुपड़े स्वर से बोला- 'आखिरकार तुम मेरे सबसे योग्य एजेन्ट हो । तुम्हें बाहर तक छोड़कर आने में मुझे भला कोई तकलीफ होगी !'

'लेकिन।'

'मार्च...!' 'एम' कठोर स्वर से बोला- 'मार्च टु दि डोर ।'

'आफ कोर्स, सर !' जेम्स बाण्ड बोला ।

दोनों बांह में बांह डाले 'एम' के आफिस से बाहर निकले ।

मनीपेनी जो जेम्स बान्ड के साथ 'एम' को देखने की अपेक्षा नहीं कर रही थी, बौखला गई। उसने जल्दी से टाइप-राइटर अपने सामने घसीट लिया ।

जेम्स बाण्ड तनिक ठिठका ।

मनीपेनी ने नर्वस भाव में उन दोनों की ओर देखा ।

जेम्स बाण्ड ने उसे आंख मार दी।

'कमांडर, जेम्स बाण्ड !' 'एम' दांत पीसकर बोला ।

'एक बल्ब का फ्यूज उड गया था, साहब!' जेम्स बाण्ड क्षमा याचनापूर्ण स्वर से बोला ।

'एम' उसे लगभग घसीटता हुआ कमरे से बाहर तक ले गया । उसने जेम्स बाण्ड को बाहर बरामदे में धकेला और फिर

(१६)

यू हाथ झाड़ता हुआ वापिस लौटा, जैसे किसी न छूने के काबिल चीज को कूड़े के ढेर में फेंककर आ रहा हो ।
****
मंगलवार की शाम को जेम्स बाण्ड प्लैन द्वारा प्राग पहुंच गया । 'एम' द्वारा उसके लिये नियुक्त किया गया असिस्टेन्ट उसे एयरपोर्ट पर ही मिल गया । उसने प्राग में जेम्स बाण्ड के रहने का पहले ही इन्तजाम किया हुआ था ।

'कल से प्रदर्शनी प्रारम्भ हो रही है।' जैक बोला- 'हमारा स्टाल तैयार है ।'

'वैरी गुड !' जेम्स बाण्ड सहज स्वर से बोला ।

'और आपकी जानकारी के लिये हमारे स्टाल में सरकार ने बड़ी सावधानी से एक माइक्रोफोन छुपाकर लगा दिया गया है।'

'क्या ?'

'इसमें हैरान होने वाली क्या बात है, साहब ! साम्यवादी देशों में बाहरी लोगों को चेक करने के लिये ऐसी हरकतें आम की जाती हैं । इसलिये नहीं कि इससे उन्हें कोई नतीजा हासिल होने की आशा होती है, वे तो सावधानीवश या यू कहिये आदतन ऐसी हरकतें करते हैं ।'

तुम्हारे ख्याल से वह माइक्रोफोन किसने लगाया होगा ?'

'सीक्रेट सर्विस ने ही लगाया होगा। और जहां तक मेरा ख्याल है, ऐसा ही एक माइक्रोफोन हर समाजवादी देश के स्टाल में लगा हुआ होगा ।

'ऐनी वे, अच्छा है, तुम्हें माइक्रोफोन की जानकारी है। अब इम यह नहीं भूलेंगे कि हमें वार्तालाप में सावधानी बरतनी है।

जैक चुप रहा ।

अगले दिन सुबह जेम्स बाण्ड उस विशाल प्रदर्शनी के अपने स्टाल पर मौजूद था।

(२०)

वह स्टाल पर बेबरोस्की के आगमन की प्रतीक्षा करने लगा ।

स्टाल पर सारा दिन और रात के सात बजे तक लोगों का आना-जाना लगा रहता था । जेम्स बाण्ड क्योंकि जेबरोस्की को पहचानता नहीं था, इसलिये उसे स्टाल पर आने वाले हर चैक पर जेबरोस्की होते का शक होता था और सम्भव था कि आने वालों में जेबरोस्की हो भी, लेकिन अभी

उसने स्वयं को जेम्स बान्ड पर प्रकट करना ठीक न समझा हो ।

जेम्स बान्ड उन लोगों पर खास निगाह रखता था, जो एक से ज्यादा बार स्टाल पर आये थे। क्योंकि ऐसे आदमियों में से किसी के जेबरोस्की होने की ज्यादा सम्भावना थी । लेकिन ज्यों-ज्यों दिन गुजरते जा रहे थे, नई-नई सूरतें जेम्स बान्ड के सामने पड़ती जा रही थी और अब ढेर सारे व्यक्तियों की एक साथ सूरत याद रख पाना कठिन हो गया था ।

अन्त में तंग आकर जेम्स बान्ड ने ऐसी कोशिश करनी बन्द कर दी । 'एम' की बात ठीक थी। जरूरतमन्द जेबरोस्की था, वह नहीं । और 'एम' के अनुसार उसका आना अवश्यम्भावी था ।

इन्तजार ! इन्तजार के अलावा और कोई चारा नहीं था ।

तीन दिन गुजर गये ।

जैक ने पहले ही दिन जेम्स बान्ड को दिखा दिया था कि माइक्रोफोन कहां छुपा हुआ था। रोज सुबह स्टाल पर आकर जेम्स बान्ड़ पहला काम यह करता था कि माइक्रोफोन के सामने जाकर पांच भाषाओं में माइक्रोफोन को मानीटर करने वाले को गुड़ मानिंग कहता था और रात को स्टाल बन्द होने पर माइक्रोफोन के सामने खड़ा होकर पांच भाषाओं में गुड़-नाइट कर जाता था ।

चौथा दिन शनिवार था। उस दिन प्रदर्शनी रात के दस बजे तक खुली रहने वाली थी ।

(२१)

रात के नौ बजे तक जब प्रदर्शनी की तीन चौथाई भीड़ छंट चुकी थी और लोग अपने-अपने स्टाल बन्द करने की तैयारी कर रहे थे तो एक भारी जिस्म के अधेड़ आदमी ने स्टाल में कदम रखा ।

संयोगवश जैक उस समय स्टाल पर नहीं था । वह आदमी बडी संजीदगी से स्टाल पर प्रदर्शित विभिन्न प्रकार के इलैक्ट्रिक साजो-सामान का निरीक्षण करने लगा ।

जेम्स बान्ड उसके समीप पहुंचा और शिष्ट स्वर में बोला - 'कैन आई बी आफ एनी अंसिस्टेन्स, सर (क्या मैं आपकी कोई मदद कर सकता हूं, साहब) !'

वह आदमी धीरे से जेम्स बान्ड की ओर घूमा । कुछ क्षण वह भावहीन नेत्रों में जेम्स बाण्ड को देखता रहा और फिर बोला- 'आर यू मिस्टर शेरमन ?'

'यस. दैट्स माई नेम । आप कैसे जानते हैं मुझे ?'

'आपका दोस्त पावेल, मेरा भी दोस्त है।'

'आई सी ।'

'मेरा नाम जेबरोस्की है ।'

'प्लीज्ड टु मीट यू !' जेम्स बाण्ड बोला । दोनों ने बड़ी गर्मजोशी से हाथ मिलाया।

'एम' का ख्याल गलत नहीं था । जेबरोस्की चौथे दिन ही उसके पास पहुंच गया था ।

'पावेल को कुछ दिन पहले मैंने कुछ इलैक्ट्रिक्स का सामान बेचा था । जेम्स बान्ड बोला- 'आशा है, सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा होगा ।'

'जरूर ठीक चल रहा होगा, वर्ना अपनी जरूरत के लिये पावेल मुझे आपके पास आने के लिये कभी नहीं कहता ।'

जेम्स बान्ड हंसा ।

'आपकी जरूरत क्या है, साहेब ? जेम्स बान्ड ने पूछा । जेबरीस्की कुछ नही बोला । उसने सावधानी से स्टाल में

चारों ओर दृष्टि दौड़ाई और फिर वह जेम्स बान्ड के और पास आया ।

'मिस्टर शेरमन !' वह धीमे स्वर में बोला- 'पावेल ने मुझे बताया था कि आप इलैक्ट्रानिक्स का ऐसा सामान भी उपलब्ध करा सकते हैं जो ओपन मार्केट में उपलब्ध नहीं है ।'

'इलैक्ट्रानिक्स का ऐसा कोई सामान नहीं है जो ओपन मार्केट में उपलब्ध नहीं ।' जेम्स बांड़ भी धीमे स्वर में बोला ।

'मेरा मतलब है जो जो साभ्यवादी देशों को उपलब्ध नहीं है।'

'आई सी !' जेम्स बान्ड एक गुप्त निगाह छुपे हुये माइक्रो-फोन की दिशा में फेंकता हुआ बोला ।

'क्या आप...।'

'मिस्टर जेबरोस्की !' जेम्स बान्ड उसकी बात काटकर बोला- 'मैं यहां सुबह से खड़ा हूं और बेहद थक गया हूं । आइये, यहां से चलते हैं और कहीं बैठकर एक-एक जाम पीते हैं और फिर आपकी जरुरत की बात करते हैं ।'

'गुड आइडिया !' वह बोला ।

'तशरीफ लाइये ।' जेम्स बान्ड बाहर की ओर बढ़ता हुआ बोला ।

'आप स्टाल बन्द नहीं करेंगे ?'

'अभी मेरा असिस्टेन्ट आ जायेगा, वह बन्द कर लेगा ।'

'वैरी गुड !'

दोनों स्टाल से बाहर आ गये ।

जेबरोस्की की राय पर वे एक टैक्सी में सवार हो गये ।

जेबरोस्की उसे भीड़, सिगरेट और सिगार के धुए से भरे बार में ले आया ।

वे एक कौने की मेज पर जा बैठे ।

जेबरोस्की ने वोदका का आर्डर दिया ।

वेटर लगभग फौरन ही उनके सामने वोदका के दो पैग रख गया ।

(२३)

'चियर्स ।' जेम्स बाण्ड अपना गिलास उठाता हुआ बोला ।

'चियर्स ।' जेबरोस्की बोला ।

'पावेल का क्या हाल है ?' जेम्स बान्ड सहज स्वर में बोला ।

'ठीक है।'

'मेरा ख्याल था प्रदर्शनी में वह भी हिस्सा लेगा ।'

'मैंने भी ऐसा सोचा था ।'

'आपकी तो पावेल से अक्सर मुलाकात होती होगी?'

'नहीं । बहुत कम ।'

'कभी आप पावेल की सेक्रटरी से भी मिले हैं, मिस्टर जेबरोस्की ?'

'मिला हूं।'

'शानदार चीज है। इतनी खूबसूरत औरत मैंने अपनी जिन्दगी में नहीं देखी। सोच रहा हूं, इस बार जब उससे मुला-कात होगी तो उससे कहूंगा कि जितनी तनख्वाह उसे पावेल देता है, वह उससे दुगनी तनख्वाह मुझ से ले

ले और मेरी सैक्रेटरी बन जाये ।'

'कोई गूँजायश नहीं ।' जेबरोस्की बोला- 'वह पावेल की पत्नी है ।

जेम्स बांड भी जानता था कि वह पावेल की पत्नी थी, लेकिन यह बात बहुत कम लोगों को मालूम थी और इस बात का जिक्र उसने जेवरोस्की के सामने उसको चैक करने के लिये ही किया था। अगर जेबरोस्की को यह बात मालूम थी तो वह निश्चय ही पावेल को अच्छी तरह जानता था ।

और वह निश्चय ही वही जेबरोस्की था जो 'एम' के कथनानुसार आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर (१७५०) के बारे में उससे बात करने वाला था ।

जेबरोस्की ने यू एक ही सांस में अपना गिलास खाली कर दिया ।

(२४)

जैसे वह मुख्य विषय पर पहुंचने में वक्त बरबाद न करना चाहता हो । वह जेम्स बाण्ड के नेत्रों में झांकता हुआ बेहद गम्भीर स्वर में बोला- 'मिस्टर शेरमन, क्या आप मुझे कहीं से आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर दिलवा सकते हैं ?'

जेम्स ब्राण्ड ने तुरन्त उतर नहीं दिया। उसने बड़े आराम से अपने गिलास की शराब हलक में उतारी और फिर धीरे से गिलास को मेज पर रख दिया ।

'आपने आई० बी० एम० से बात की ? प्रदर्शनी में उनका स्टाल भी है । वे इस कम्प्यूटर के निर्माता हैं और वे...।'

'मैं उनसे बात कर चुका हूं।' जेबरोस्की व्यग्र स्वर में बोला- 'आई० बी० एम० कम्प्यूटर उनके स्टाल पर प्रदर्शन के लिए लगा भी हुआ है। उन्होंने बड़ी मुहब्बत से मुझसे बात की । घन्टा भर वे मुझे उस कम्प्यूटर की डिमांस्ट्रशन देते रहे, उसकी खूबियां गिनाते रहे लेकिन जब उसे बेचने की बात आई तो वे बड़ी नम्रता से फ़रमाने लगे कि अभी उनकी सरकार ने कम्प्यूनिस्टों को कम्प्यूटरों के बेचने पर से पाबन्दी हटाई नहीं है । किस्सा खतम ।'

*आपने यह नहीं पूछा कि वह पाबन्दी कब तक हटने की, उम्मीद है ?'

'पूछा था । बोले, शायद छ महीने लगें, शायद छै साल लगें या शायद यह पाबन्दी कभी हटे ही नहीं ।

'आई सी । फिर तो आपको बहुत इन्तजार करना पड़ेगा ।'

'मैं इन्तजार नहीं कर सकता, साहब । मुझे तो उस कम्प्यू-टर को फौरन जरूरत है ।'

जैम्स बाण्ड चुप रहा ।

'आप मुझे आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर दिलवा सकते हैं ?" जेबरोस्की इस बार पहले से भी अधिक व्यंग्र स्वर में बोला ।

"ऐसा कम्प्यूटर मैं हासिल तो कर सकता है। जेम्सबाण्ड

(२५)

सावधानी से बोला 'लेकिन उसे आपके हाथ बेचना बहुत खतरे का काम है ।'

'आपको क्या खतरा है ? न आप अमेरिकन है और न आप की कम्पनी अमेरिका की है।'

'लेकिन यह कम्प्यूटर बनाने वाली कम्पनी तो अमेरिका की है । और अमेरिकन सरकार के कानून के मुताबिक आई० बी० एम० कम्पनी जब इंग्लैण्ड के किसी डीलर को भी अपनी इलैक्ट्रानिक्स की मशीनरी बेचती है तो वह पहले डीलर से यह बाण्ड भरवा लेती है कि डीलर उसे आगे किसी साम्यवादी देश को नहीं बेचेगा ।'

'लेकिन अगर फिर भी आप उनका कम्प्यूटर किसी साम्य-वादी देश को बेच दें तो वे आपका क्या कर लेंगे ?'

'वे मेरा नाम अपनी ब्लैक लिस्ट में चढा लेंगे । इलैक्ट्रा-निक्स का सामान बनाने वाली सारी कंपनियों को यह सरकुलर भेज देंगे कि मैं धोखेबाज डीलर हूं।' फिर कोई कम्पनी मुझे अपना डीलर नहीं रहने देगी और नतीजा यह होगा कि मैं इलैक्ट्रानिक्स कम्प्यूटर बेचने की जगह सड़क, पर मूगफली बेचता दिखाई दू'गा ।'

'और अगर मैं आपको उस कम्प्यूटर की इतनी बड़ी कीमत अदा कर दूं कि आपको मूंगफली बेचने में भी ऐतरात न रहे तो ?'

जेम्सबाण्ड हंसा और बाला- 'लेकिन साहब, आप इतनी बड़ी कीमत अदा नहीं कर सकते ।'

'मैं कर सकता हूं।'

'आप जानते हैं आई० बी० एम० १७५० का कम्पनी प्राइस क्या है ?'

'मैंने आई० बी० एम० के स्टाल पर पूछा था । डीलर वह कम्प्यूटर ढाई लाख डालर में बेचता है ।'

'अमेरिका में।' जेम्स बाण्ड ने संशोधन किया- 'उस

कम्प्यूटर की कीमत अमेरिका में ढाई लाख रुपये है। अमेरिका से बाहर तो...।'

'छोडिये, साहब ! डिटेल छोड़िये और मतलब की बात पर आइये । आप साफ-साफ शब्दों में मुझे यह बताइये कि ब्लैक में आप मुझे कम्प्यूटर कितने का देंगे ?'

'आप क्या देना चाहते हैं ?'

'तीन लाख डालर ।'

'मिस्टर जेबरोस्की, क्या मैं आपको इतना बडा अहमक दिखाई देता हूं कि पचास हजार डालर की मामूली रकम की खातिर में इतना बड़ा खतरा उठाऊ कि मेरा बरसों का जमा-जमाया धन्धा चौपट हो जाये ?'

'आप क्या कीमत चाहते हैं ?'

'पांच लाख डालर !'

'आप क्या मुझे सोने से मढ़ा कम्प्यूटर दिलाने वाले हैं ?'

'मजाक की जरूरत नहीं। अगर आई० बी० एम० १७५० को हासिल करने के लिये आप वाकई मरे जा रहे हैं तो उसकी कीमत आपके लिये पांच लाख डालर होगी ।'

'मैं साढ़े तीन तक दे सकता हूं ।'

'फारगैट इट ।' जेम्स बाण्ड एकाएक बोर स्वर में बोला-कि आप कम्प्यूटर की ब्लैक 'मैंने आपसे पहले ही कहा था मार्केट की कीमत अदा नहीं कर सकेंगे।'

'आल राइट ! चार पर क्लोज करो।'

'मिस्टर जेबरोस्की, कम्प्यूटर को भूल जाओ और रूसी शराब को याद करो । मेरा जाम कब से खाली है।'

जेबरोस्की की आंखों में बेचैनी झलकने लगी ।

'देखो..!' अन्त में वह बोला । इस बार उसके स्वर में निर्णय का पुट था- मैं आखिरी बात कहता हूं, मैं तुम्हें आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर के साढ़े चार लाख डालर दे सकता हूं। मंजूर हो तो अभी हां बोलो वर्ना कहानी खतम करो ।'

(२७)

जेम्स बाण्ड फौरन भांप गया कि जेबरोस्की को अब ज्यादा दबाना बेकार

है। उसके स्वर से साफ जाहिर हो रहा था कि वह साढ़े चार लाख से एक डालर भी आगे बढ़ने वाला नहीं था ।

'पौने पांच लाख ।' जेम्स बाण्ड बोला- 'केवल आपके लिये ।'

'वेटर !' जेबरोस्की ने पास से गुजरते हुए वेटर को आवाज लगाई - 'साहब के लिये वोदका लाओ ।'

और फिर उसके होंठ एक-दूसरे पर यू भिच गये, जैसे अब उसका इस विषय पर या किसी अन्य विषय पर बात करने का कोई इरादा न हो ।

आल राइट !' जेम्स बाण्ड हथियार डालता हुआ बोला -'साढ़े चार लाख ही सही। आपकी खातिर पचास हजार का घाटा ही सही ।'

'मेरी वजह से आफ्को दो लाख का फायदा हो रहा है।' जेबरोस्की तनिक चिढ़े स्वर से बोला ।

वेटर वोदका के दो जाम और ले आया ।

'सौदा हो जाने की खुशी है।' जेम्स बाण्ड अपना जाम उठाता हुआ बोला ।

जेबरोस्की केवल मुस्कराया। उसने धीरे से अपना गिलास जेम्स बाण्ड के गिलास से टकराया ।

'मुझे कब तक इन्तजार करना होगा ?' जेबरोस्की ने पूछा ।

'मैं कल ही लन्दन चला जाऊगा । जेम्स बाण्ड बोला- 'मैं एक हफ्ते से पहले मैं तुम्हें कोई निश्चित उत्तर नहीं दे सकूंगा ।'

'आल राइट ! यह मेरा कार्ड रख लो। इस पर मेरा प्राग का पता और टेलीफोन नम्बर लिखा है। तुम मुझे टेलीफोन पर ही सूचित कर देना ।'

जेबरोस्की ने उसकी ओर एक कार्ड बढ़ा दिया ।

'ओ० के० !' जेम्स बाण्ड कार्ड को जेब में रखता हुआ बोला ।

'और लन्दन में तुम्हारा पता ठिकाना क्या है ?'

जेम्स बाण्ड ने उसे अपना कार्ड दे दिया, जिस पर उसके फ्लैट का पता और फोन नम्बर लिखा था ।

दोनों ने अपने जाम खाली किये ।

'और ?' जेबरोस्की ने पूछा ।

'बस । जेम्स बाण्ड बोला ।

'चार दिन बाद जेम्स बाण्ड ने जेबरोस्की को प्राग में टेली-फोन किया ।

'तुम्हारा काम हो जायेगा ।' सम्पर्क स्थापित होतें ही जेम्स बाण्ड बोला- 'मैंने एक पार्टी के पास आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर तलाश कर लिया है। पार्टी ने उसे अपने इस्तेमाल के लिये खरीदा था लेकिन अब उन्हें उसकी जरूरत नहीं है, इसलिये वे कम्प्यूटर बेचना चाहते हैं।'

'पार्टी कौन सी है ।'

'स्मिथ एण्ड थाम्पसन, स्काटलैण्ड !' जेम्स बाण्ड बोला । इस नाम की कम्पनी स्काटलैण्ड में वाकई थी और यह नाम उसे 'एम' ने बताया था ।

'उन्होंने कम्प्यूटर इस्तेमाल किया है ?' जेबरोस्की का व्यग्र स्वर सुनाई दिया ।

'उन्होंने तो पैकिंग भी नहीं खोली है।' जेम्सबाण्ड बोला ।

'वैरी गुड ! कब सौदा होना है ?'

'सौदा हो गया है।'

'तुम्हें कम्प्यूटर ' कितने में मिला ?'

'तुमसे मतलब ! मुझे चाहे मुफ्त में मिला हो, लेकिन तुम्हें वह साढ़े चार लाख डालर में ही मिलेगा ।'

(२६)

'ठीक है, ठीक है, बुरा मत मानो!'

'कीमत का भुगतान कैसे होगा ?'

'तुम कैसे चाहते हो ?'

'मैं कम्प्यूटर लन्दन से तुम्हारे नाम बुक करवा दू ंगा और डिलीवरी के कागजात बँक के जरिये तुम्हें भेज दू ंगा । तुम बैंक में मेरे नाम रकम जमा करा दोगे तो बैंक डिलावरी के कागजात तुम्हें सौंप देगा ।'

'ठीक है। कौन सा बैंक ?'

'स्विस बैंकिंग कॉर्पोरेशन, जिनेवा।'

'जनेवा ।'

'हां ।'

'जनेवा क्यों ?'

'मुझे उसी में सहूलियत है । आखिरकार यह ब्लैक का धन्धा है । अगर मैं पकड़ा गया तो मेरा धन्धा तो. चौपट होगा ही, इन्कमटैक्स वाले और हमारी सरकार भी मेरी अच्छी खबर लेगी।'

'आल राइट ! सूट यूअर सैल्फ ।' जेम्स बाण्ड ने संबन्ध विच्छेद कर दिया । उसने एम के दिये कम्प्यूटर के कागजात निकाले ।

उन कागजात के अनुसार कम्प्यूटर कई भागों में विभक्त, दस विशाल पेटियों में बन्द था ।

जेम्स बाण्ड ने दो प्रकार के दस-दस लेबल तैयार किये । एक प्रकार के

लेबलों पर उसने स्मिथ एण्ड थाम्पसन का स्काटलैण्ड का पता लिखा ।

दूसरी प्रकार के लेबलों पर उसने जेबरोस्की का प्राग का पता लिखा दिया ।

वह लन्दन के हीथरो एयपोर्ट पर पहुंचा ।

वह कस्टम पर पहुंचा ।

एक अधिकारी को उसने कम्प्यूटर की डिलीवरी के काग-

(३०)

जात दिखाये और सामान देखने की इच्छा प्रकट की । कस्टम अधिकारी उसे एक विशाल गोदाम में ले गया ।

जेम्स बाण्ड ने अपनी जेब से जेबरोस्की के पते वाले लेबल निकाले और अधिकारी को बताया कि वह सामान की लन्दन में डिलीवरी लिये बिना उसे प्राग भेजना चाहता है ।

अधिकारी नये कागजात तैयार करने चला गया ।

जेम्स बाण्ड ने उन दस विशाल पेटियों पर पहले स्मिथ एण्ड थाम्पसन वाले लेबल लगाये और फिर मार्कर लेकर उन लेबलों पर क्रास लगा दिया । उसके समीप ही उसने जेबरोस्की के पते वाले नये लेबल लगा दिये ।

फिर उसने पेटियों पर से बड़ी सावधानी से वे लेबल उतार दिये, जिन पर आई० बी० एम० का नाम छपा हुआ था और जिन पर लन्दन के फारेन आफिस का पता लिखा हुआ था ।

कम्प्यूटर चोनियों के हाथ पहुंचने के लिये तैयार था । जेम्सबाण्ड कस्टम अधिकारी के पास पहुंचा ।

'एक बात बताइये ।' उसने अधिकारी से पूछा ।

'पूछिये ।'

'जिस आदमी को मैं प्राग में यह सामान भेज रहा हूं, क्या वह बह पता लगा सकता है कि सामान पीछे कहां से आया है?'

'लगा सकता है। कागजात परं ही लिखा होगा कि सामान लन्दन से बुक किया गया है ।

'मेरा मतलब है, क्या वह यह भी पता लगा सकता है कि लन्दन से पहले वह सामान कहां से चला था ?'

'साधारणतया नहीं । लेकिन अगर चाहे तो पता लगा सकता है।'

'कोई ऐसा तरीका है कि उसे यह पता न लगे कि सामान लन्दन कहां से पहुंचा था ?'

'उसका तरीका यह है कि आप हमसे यहां डिलीवरी ले
(३१)

लीजिये और हमें यह लिखकर दे दीजिए कि सामान आपको एकदम सुरक्षित हालत में डिलीवर हो गया है। और फिर इस सामान को दुबारा प्राग के लिये बुक करा दीजिये । उस सूरत में प्राग में सामान रिसीव करने वाला यह नहीं जान पायेगा कि लन्दन से पहले वह सामान कहां से चला था।'

जेम्स बाण्ड ने ऐसा ही किया ।

उसने डिलीवरी के कागजात लिये और उन्हें उसी दिन आवश्यक निर्देश के साथ स्विस बँकिंग कार्पोरेशन, जनेवा को भेज दिया ।

अगले सप्ताह तक उसे बैंक से पत्र आ गया कि उसकी पार्टी द्वारा साढ़े चार लाख डालर का भुगतान हो गया है और कागजात उसे सौंपे जा चुके हैं। और साथ ही वह धन उसके लन्दन के बैंक को ट्रांसफर किया जा चुका है।'

जेम्स बाण्ड की ओर से आपरेशन समाप्त था ।

इस घटना के लगभग एक मास बाद उसने हांगकाँग से प्रकाशित होने वाले एक पत्र में पढ़ा कि चीन शीघ्र ही अपने एटमबम का चौथा परीक्षण करने वाला है ।

जेम्स बाण्ड तनिक चिन्तित हो उठा ।

'एम' ने तो कहा था कि कम्प्यूटर उनके न्यूक्लियर रिसर्च प्रोग्राम में रुकावट डालेगा, लेकिन यहां तो काम उल्टा हो रहा था । कम्प्यूटर से तो चीनियों को भारी लाभ पहुंचा मालूम होता था ।'

या वह कम्प्यूटर उनके बम में ही कोई गड़बड़ पैदा करने वाला था ?

इस संदर्भ में उसने 'एम' से संपर्क स्थापित करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सका ।

जेम्स बाण्ड बेचैनी से कोई नई घटना घटने की प्रतीक्षा करने लगा ।
नई घटना घटी।

और बड़ी विस्फोटक नई घटना घटी ।

एक सुबह जेबरोस्की जेम्स बाण्ड के फ्लैट पर आ धमका । उसने हाथ मिलाने तक की औपचारिकता नहीं निभाई । जेम्स पर निगाह पड़ते ही वह एकदम फट पड़ा- 'मिस्टर शेरसन, तुमने मुझे ठग लिया है। तुमने मुझे बिगड़ा हुआ घटिया कम्प्यू-टर बेच दिया है। तुमने मुझसे साढ़े चार लाख डालर ठग लिये हैं । तुमसे...।'

'ईजी ! ईजी !!' जेम्स बाण्ड हाथ उठाकर उसे रोकता हुआ बोला ।

जेबरोस्की ने बड़े गुस्से से कुछ कहने के लिये मुह खोला और फिर उसके जबड़े भिच गये ।

'बैठो ।' जेम्स बाण्ड सोफे की ओर संकेत करता हुआ बोला ।

जेबरोस्को कुछ क्षण हिचकिचाया और फिर धम्म से सोफे पर बैठ गया ।

'क्या किस्सा है ?' जेम्स बाण्ड शान्त स्वर से बोला ।

'दैट गॉड डैम कम्प्यूटर।' जेबरोस्की फिर ऋद्ध स्वर से बोला ।

'ईजी ! ईजी, आई सैड ।'

'वह तुम्हारा कम्प्यूटर चलता नहीं है ।'

'लेकिन यह नामुकिन है। आई० बी० एम० १७५० कम्प्य-टर ऐसी मशीन नहीं है, जो आसानी से बिगड़ जाये और कम्प्यूटर मैंने तुम्हें फर्स्ट क्लास हालत में भेजा था ।

"मैं यह सब नहीं जानता। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि वह कम्प्यूटर खराब है। जब उसे चलाया गया तो वह चला नहीं ।'

(३३)

'तुम लोगों ने कम्प्यूटर के विभिन्न पुर्जे फिट करने में कोई गड़गड़ कर दी होगी ।

'नानसेंस ! वह कम्प्यूटर तुमसे ज्यादा दक्ष इलैक्ट्रानिक्स इन्जीनियरों द्वारा फिट किया गया था। फिटिंग में गड़गड़ होने की कोई गुंजाइश नहीं है।'

'कनैक्शन उल्टे-सीधे हो गये होंगे ।'

'अरे बाबा, ऐसा कुछ नहीं हुआ है ! वह कम्प्यूटर बहुत दक्ष लोगों द्वारा हैंडल किया गया था ।'

कम्प्यूटर के लदान के वक्त कोई एकाध पेटी गिर गई होगी और उसकी वजह के कारण कोई कल पुर्जे टूट गये होंगे ।'

'ऐसा कुछ नहीं हुआ है।' जेबरोस्की झल्लाकर बोला-'और तुम यह उल्टे-

सीधे सुझाव देने बन्द करो । वह कम्प्यूटर सप्लाई के समय ही खराब था । उसमें जानबूझ कोई खराबी पैदा कर गई थी । तुमने या किसी और ने जानबूझ कर कम्प्यूटर को बिगाड़ा है, ताकि वह हमारे काम न आ सके ।'

'क्या अहमकों जैसी बातें कर रहे हो ? कम्प्यूटर डिस्पैच करने के पहले मैंने खुद उसका एक-एक कल पुर्जा चैक किया था । लेकिन उसे पूरा विश्वास था कि जिन्होने कम्प्यूटर को लन्दन तक पहुंचाया था, उन्होंने अवश्य ही उसे अच्छी तरह चैक करके भेजा होगा ।

जेम्स बाण्ड खामख्वाह मुश्किल में फंस गया था। 'एम' ने शायद किसी ऐसी स्थिति के पैदा हो जाने की कल्पना नहीं की थी, इसलिये उसने जेम्स बाण्ड को ऐसो स्थिति से दो-चार होने निर्देश भी नहीं दिया था ।

'मैं यह सब नहीं जानता ।' जेबरोस्की बोला- 'मैं सिर्फ इतना जानता हूं, वह कम्प्यूटर खराब है। एक बार भी नहीं चला है। और उसको हमे चालू हालत में सौंपना तुम्हारी

जिम्मेदारी है। तुम मेरे साथ खुद चलकर देखो कि उसमें क्या खराबी है ।'

'प्राग में मेरे स्टाल पर मेरा असिस्टेन्ट जैक अभी भी मौजूद है। वह कुशल इलैक्ट्रानिक्स इन्जीनियर है, कम्प्यूटर उसे दिखा दो।'

'लेकिन कम्प्यूटर अब प्राग में नहीं है। कम्प्यूटर चीन पहुंच चुका है।'

'क्या ?' जेम्स बाण्ड बनावटी हैरानौ जाहिर करता हुआ बोला ।

'हां । तुम्हें मेरे साथ पैकिंग चलना होगा ।'

'पेकिंग में मुझे कौन घुस देगा ?'

'तुम्हें पेकिंग ले जाना मेरा काम है। मेरी जिम्मेदारी है ।'

'मैं पेकिंग नहीं जा सकता ।'

'वजह ?'

'मैं अपना धन्धा छोड़कर इतनी दूर नहीं जा सकता ।'

'तुम्हें चलना पड़ेगा ।'

'क्यों चलना पड़ेगा ? क्या कम्प्यूटर खरीदते समय तुमने मुझे बताया था कि तुम कम्प्यूटर चीन ले जाने वाले हो ? क्या तुमने ऐसी कोई शर्त रखी थी कि अगर कम्प्यूटर में कोई गड़बड़ी पैदा होगी तो उसे ठीक करने के लिये मुझे चीन जाना पड़ेगा ?'

हम अपेछा कर रहे थे कि तुम हमें कम्प्यटर एकदम चालू हालत में दोगे ।'

'कम्प्यूटर गया था और एकदम चालू हालत में था ।'

'हमसे नहीं चला ।

'तो फिर ऐसा करो । कम्प्यूटर को वापिस लन्दन भिजवा दो। मैं उसे ठीक कर दूंगा। अगर मैं उसे ठीक नहीं कर सका तो उसके स्थान पर तुम्हें नया कम्प्यूटर दिलवा दू ंगा ।'

कम्प्यूटर अब चीन से बाहर नहीं लाया जा सकता ।'

'तो फिर तुम मेरे से कम्प्यूटर की कम्पलीट सर्कट डायग्राम

(३५)

ले. जाओ । उस डायग्राम की सहायता से कोई भी इनैक्ट्रानिक्स इन्जीनियर उसे सुधार सकता है।'

'हम नहीं चाहते कि कोई दूसरा आदमी कम्प्यूटर को हाथ लगाये और कम्प्यूटर और ज्यादा बिगड़ जाये । मिस्टर शेरमन, तुम्हें मेरे साथ पेकिंग जाना ही होगा ।'

'मैं नहीं जाऊगा ।'

'यह तुम्हारा आखिरी फैसला है ?'

उत्तर में जेम्स बाण्ड ने बड़ी लापरवाही से एक सिगरेट सुलगा ली।

'आल राइट, मिस्टर शेरमन !' जेबरास्की अपने स्थान से उठता हुआ बोला- 'देखते हैं, तुम चीन जाते हो या नहीं ।,

'आप मुझे धमकी दे रहे हैं?'

'मैं हकीकत बयान कर रहा हूं । तुमने ब्बैक में दुगनी कीमत लेकर हमें कम्प्यूटर बेचा है, इसलिये यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि वह ठीक-ठाक चले। और मौजूदा हालत में तुम्हें कम्प्यूटर ठीक करने पेकिंग जाना पड़ेगा अच्छा तो यह होगा कि चीन के सम्मानित अतिथि के रूप में तुम अपनी राजी से मेरे साथ चले चलो वर्ना पेकिग तो बहरहाल तुम पहुंचोगे ही।'

'तुम मेरे साथ 'जबरदस्ती करोगे ? मुझे भगाकर ले जाओगे ?'

'जो मैं करूगा, वही जल्दी ही तुम्हारे सामने आ जायेगा ।'

और जेवरोस्की बिना अभिवादन किये अपनी एड़ियों पर घूमा और दृढ़ कदमों से द्वार की ओर बढ़ गया,

जाती बार उसने दरवाजा इतनी जोर से बन्द किया कि कमरे की खिड़कियां थरथरा गई ।
(३६)

उसके फुटपाथ पर प्रकट होते ही एक बड़ी सी फोर्ड कार उसके एकदम सामने आकर रुकी। उसके चारों दरवाजे एक साथ खुले और इससे पहले कि जेम्स बाण्ड कुछ समझ पाता, वह चार आददमियों द्वारा दबोच लिया गया । वह कार के भीतर था । अगले ही क्षण कार यह जा, वह 'जा । गली में कई आदमी मौजुद थे, लेकिन सब कुछ पलक झपकते ही हो गया था। किसी को पता ही नहीं लगा कि वास्तव में क्या हुआ था ।

आक्रमणकारियों की तत्परता देखकर जेम्स बाण्ड खुद दंग रह गया था।

कार की पिछली सीट पर जेबरोस्की मौजूद था। वह एक दम चुप था ।

तुम तुझे भगाकर चीन ले जाता चाहते हो ?' जेम्स बांड बोला ।

'हमारी कोशिश तो यही है कि तुम अपनी मर्जी से चीन जाओ ।' जेबरोस्की गम्भीर स्वर से बोला- 'इसीलिये फिलहाल हम तुम्हें एक छोटा-सा ट्रेलर दिखाने जा रहे हैं। अगर फिर भी तुम्हें अक्ल न आई तो फिर तुम्हें पूरी फिल्म दिखायेंगे ।'

'क्या करने वाले हो तुम ?'

'हम तुम्हें यह दिखाने वाले है तुम्हारे इन्कार की वजह से क्या अजाम हो सकता है।'

'क्या करने जाने हो तुम ?'

'जो हम करने वाले हैं, वह अभी तुम्हारे सामने आ जाएगा ।'

फिर कोई कुछ नहीं बोला ।

वे उसे एक विशाल अण्डर ग्राउड गैरेज में ले आये। गैरेज के बीचो-बीचो एक कम-से-कम तीन सौ फुट लम्बा गलियारा था जिसके दोनों ओर कारों की कतार थी ,, जेम्स बांड को कार से उतारा गया और उसे गलियारे के भीतर सिरे पर मौजूद गैरेज

की दीवार के पास ले जाया गया था। दीवार में एक लोहे का जंगला लगा हुआ था। जेम्स बांड को उस जंगले के साथ बड़ी मजबूती से इस प्रकार बांध दिया गया कि वह केवल अपना सिर हिला सकता था ।

वे सब लोग कार पर सबार हो गये। इस कार की ड्राइविंग सीट पर जेबरोस्की था। कार का मुंह जेम्स बांड की ओर था । कार स्टार्ट हुई और

फिर तेजी से बैक होती हुई एकदम जेम्स बांड से विपरीत दिशा में पहुंच गई ।

अगले ही क्षण कार चौथे गियर में पहुंच गई और बन्दूक से छूटी गोली की रफ्तार से जेम्स बांड की दिशा में भागी। उस जरा से फासले में कार सौ मील की रफ्तार से चल रही थी । पलक झपकते ही वह जेम्स बांड के सिर पर पहुंच गई, लेकिन उसकी रफ्तार कम नहीं गई।

जेम्स बांड की आंखों के सामने मौत नाच गई उसकी आंखें अपने आप बन्द हो गई ।

ब्रोकों की चरमराहट और कार के पहियों के सीमेंट के फर्श पर घिसटने की आवाज से गैरेज गूंज गया। साथ ही कई स्वरों के एक साथ गगनभेदी अट्टाहास करने की आवाज आई ।

'डर गये ?' उसके कानों में जेबरोस्की का उच्च स्वर' पड़ा- 'हो गई न ऐसी की तैसी !'

जेम्स बांड ने नेत्र खोले । कार उससे टकराई नहीं थी, लेकिन कार उससे इतनी दूर आकर ठहरी थी कि उसके घुटनों में और कार बम्पर मैं बाल बराबर फर्क था। अगर कार को ब्रक लगने में एक सेकेण्ड के हजारवें भाग का भी फर्क पड़ा होता या कार की ब्रेकें शत-प्रतिशत ठीक न होतीं तो जेम्स बांड का शरीर हजारों दुकड़ों में विभक्त हुया प्लास्टर की तरह दीवार और जंगले के साथ चिपका होता ।

कार फिर तूफानी रफ्तार से बैक हुई।

एक बार कार सौ मील की रफ्तार से उसकी ओर भागी ।

(३८)

ब्रोकों की चरमराहट और कार में मौजूद लोगों के भीषण अट्टाहास से फिर वातावरण गूंज उठा।

कार फिर जेम्स बांड से बाल बराबर फासले पर आकर गतिशून्य हो गई ।

जेबरोस्की बहुत ही दक्ष ड्राइवर था ।

वही क्रिया उसके चार बार और दोहराई । कार के बम्पर ने जेम्स बांड को नहीं छुआ और कार हर बार भी उससे एक इंच से भी अधिक दूर आकर रुकी ।

जेम्स बांड को पसीने आ गये ।

अन्त में वे लोग कार से बाहर निकले । जेम्स बांड़ को बन्धन-मुक्त कर दिया गया ।

'मिस्टर शेरमन !' जेबरोस्की क्रूर स्वर से बोला- 'अब तुम्हें महसूस हो गया होगा कि अगर मैं चाहूं तो तुम्हें मच्छर की तरह मसल सकता हूं। बोलो , मेरे साथ चीन में सम्मानित अतिथि की तरह पेकिंग चलना चाहते हो या कुत्त की मौत मरना चाहते हो ?'

जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया।

'अच्छी तरह सोच-विचार कर लो।' जेवरोस्की बोला---मैं उत्तर के लिये इन्तजार कर सकता हूँ मैं कल शाम को तुम्हें तुम्हारे फ्लैट पर फोन करूंगा। तब तक के लिये गुड बाई !

जेबरोस्की अपने साथियों के साथ कार में सवार हो गया । कार तूफानी रफ्तार से बैक होती हुई गैरेज से बाहर निकल गई और दृष्टि से ओझल हो गई ।

पीछे गैरेज में पसीने भीगा जेम्स बांड खड़ा रह गया।

(३६)

"तुम्हें पेकिंग जाना ही होगा "--जेम्स बांड की सारी बात सुन चुकने के बाद एम गंभीर स्वर से बोला ।

जेम्स बान्ड ने प्रश्नसूचक नेत्रों से 'एम' की और देखा ।

'इसलिये नहीं।' 'एम' बोला- 'क्योंकि जेबरोस्की तुम्हें जान से मार देने की धमकी दे गया है, बल्कि इसलिये कि तुम्हारे पेकिंग जाने में ही हमारी भलाई है। तभी हम अपने आपरेशन की कामयाबी के बारे में सोच सकते हैं ।'

'क्या मतलब ?' जेम्स बान्ड बोला ।

'मतलब यह कि उस कम्प्यूटर के न चलने की हमें भी सख्त हैरानी है । समझ नहीं आता कि यह गड़बड़ हुई तो कैसे हुई? हमने स्वप्न में भी नहीं सोचा कि ऐन वक्त पर कम्प्यूटर दगा दे जायेगा। यह तो अच्छा है कि जेवरोस्की ही तुम्हें चीन ले जाने पर तुला है, वर्ना हमें कोई ऐसी स्थिति पैदा करनी पड़ती कि वे लोग केवल तुम्हें ही चीन बुलवाकर कम्प्यूटर सुधर-वाने की कोशिश करें। हम यह नहीं चाहते कि कम्प्यूटर ठीक करने के लिये चीनी खुद कम्प्यूटर को खोल बैठे । इससे भारी गड़बड़ हो जाने को सम्भावना है।'

'किस्सा क्या है ?'

'कम्प्यूटर न चलने की वजह से गड़बड़ तो हो ही गई है, इर्सालये तुम्हें सारा किस्सा भी बताना ही पढ़ेगा ।'

'एम' कई क्षण चुप रहा ।

जेम्स बान्ड व्यग्रता से उसके बोलने की प्रतीक्षा करने लगा ।

'एम' ने सिगार के दो-तीन लम्बे लम्बे कश लगाये और फिर संतुलित स्वर से बोला- 'पिछले दिनों सरकार ने एक नई पालिसी निर्धारित की है। उस पालिसी के अनुसार यह निर्णय लिया गया है कि अगर हम अणु अस्त्रों की दौड़ में साम्यवादी देशों से आगे नहीं निकल सकते तो हम कम से कम ऐसा

इन्तजाम जरूर करें कि वे लोग भी इस दिशा में तेजी से तरक्की न कर

पायें । यानी कि किसी भी तरीके से उनके न्यूक्लियर रिसर्च प्रोग्राम के रास्ते रोडे अटकाये जायें । उनके लिये अप्रत्याशित मुश्किलें खड़ी की जायें ।'

'पहले किसी के लिये ऐसी कोई मुश्किल पैदा की गई है ?'

'की गई है। तुम्हें याद होगा, दो साल पहले रूस के एक राकेट रिसर्च सेन्टर में एक बम फटा था, जिसकी वजह से उनके कई स्पेस साइटिस्ट मारे गये थे। मरने वालों में विख्यात रुसी राकेट विशेषज्ञ व्लादीमीर निकोरस्की भी था । व्लादीमीर निकोस्की की मौत से रुसियों के अणु-अनुसंधान प्रोग्राम को काफी धक्का लगा था । तुम्हें इटली में हुई उस मोटर दुर्घटना की भी याद होगी, जिसमें विख्यात रुसी वैज्ञानिक इगोर रास्कोल्लीकौफ मारा गया था। हमे विश्वस्त सूत्रों से पता लगा था कि इगोर रास्कोल्नीकोफ वह आदमी था, जिसने रुस के नये हाईड्रोजन बम के लिये ट्रीगर तैयार किया था। ये सब दुर्घटनायें नहीं थीं। हमारे ऑपरेशन इस होशियारी से अन्जाम दिये गये थे कि वे दुर्घटनायें मालूम हों ।'

'आई सी ।'

'मैंने पहले भी जिक्र किया था कि हमें खबर लगी थी कि चीनी अपनी अणु-शक्ति का बड़ी तेजी से विस्तार कर रहे हैं। उनकी प्रगति की इस गति से खुद रुसी हैरान हैं, जबकि रूसः के ही साइन्स -कॉलेजों में चीनी विद्याथियों को अणु-विज्ञान को शिक्षा प्राप्त हुई है। लेकिन रूसी मूर्ख नही हैं। वे हरगिज यह नहीं चाहते कि चीन अणु-शक्ति में उनसे ज्यादा तरक्की कर जाये । वे अपने पड़ौस में, अपने से ज्यादा शक्तिशाली दुश्मन को पनपने देना कभी पसन्द नहीं करेंगे। इसलिये सन् १९४९ में स्टालिन ने चीनी अणु-शक्ति' के विशेषज्ञ, महान वैज्ञानिक चीइन सान चियांग को रूस आमंत्रित किया था, लेकिन माओ

त्से तुग भी मूर्ख नहीं था । उसने चीइन सान चियांग को रूस नहीं भेजा था । उसे मालूम था कि एक बार अगर चीइन सान चियांग रूस पहुंच गया, तो रुसी उसे कभी चीन वापिस नहीं आने देंगे, जैसे उन्होंने ऐग्लो-

रशियन न्यूक्लियर एक्सपर्ट कपि सका को रूस मैं ही रख लिया था, जब वह सन् १९३४ में पहली बार रुस गया था ।'

'एम एक क्षण रुका और फिर बोला- एक साल पहले हमें मालूम हुआ था कि चीन ने एटमबम तैयार कर लिया है और अब वह उसे छोड़ने मे काम आने वाला राकेट तैयार करने में जुटा हुआ है। चीन की अणु प्रगति को रोकने का पहले यह तरीका सोचा गया था कि उनके राकेट बेस पर ही सीधा हमला कर दिया जाये । चीन के उत्पादन के साधन बड़े सीमित हैं। अगर एक बार हम उसका राकेट बेस तबाह करने में कामयाब हो जाये तो नया बम बनाने में उसे कम से कम पांच साल लग सकते हैं। लेकिन जल्दी ही हमें सीधे हमले से चीनी राकेट बेस तबाह करने का ख्याल छोड़ देना पड़ा था, क्योंकि उससे तीसरा महायुद्ध छिड़ जाने की आशंका थी ।'

'फिर ?'

*फिर यह योजना बनाई गई कि यदि हम बाहरी आक्रमण से चीन को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते, तो कोई घुसपैठियों जैसा ढका-छुपा इन्तजाम किया जाये, लेकिन यह काम भी आसान नहीं था । चीन, योरोप के समाजवादी देशों से कैसा भी औद्योगिक, राजनैतिक या सांस्कृतिक सम्बन्ध नहीं रखता और न ही वह बाहरी मुल्कों के नागरिकों का अपने देश में आना पसन्द करता है। इसलिए चीन में घुसपैठिये भेजने की हमारी आरम्भ की सारी स्कीमें फेल हो गई। फिर हमारे अपने अणु-वैज्ञानिकों ने हमें एक शानदार स्कीम सुझाई ।'

'क्या?'

'पहले यह बताओ कि तुम एटमबम के बारे में क्या जानते हो ?'

'कुछ भी नहीं ।'

'तुम्हारी जानकारी के लिये चीनी अपना एटमबम उस बम के आधार पर बना रहे हैं, जो अमेरिका ने हीरोशिमा में गिराया था । ऐसे बम को फिशन

बम कहते हैं। इसमें विस्फोट अणु के विघटन से होता हैं। अणु बम के विघटन के लिये एक दूसरी मशीन की जरूरत होती है, जिसे ट्रीगर कहते है । जब तक ट्रीगर बम के साथ फिट न किया जाये, बम नहीं फटता । यह ट्रीगर कोई छोटी मोटी चीज नहीं। इसका वजन पचास पौंड़ के करीब होता है। और यह भी अपने आप में एक छोटा-मोटा बम ही होता है। यह ट्रीगर हमने उस आई० बी० एम० कम्प्यूटर में बड़ी सावधानी से छुपाया हुआ था। उस विशाल कम्प्यूटर में ट्रीगर छुपा देना, कोई कठिन काम नही था ।'

'यानी कि उस कम्प्यूटर में ट्रीगर छुपा हुआ था ?'

'हां ।'

'लेकिन यह तो बड़ा खतरनाक काम है । मान लो, कम्प्यूटर आवाजाही में कहीं गिर जाता तो ?'

'तो भी कुछ नहीं होता । ट्रीगर अपने आप में एकदम हानि-रहित होता है । बम होते हुये भी इसका बम की तरह विघटन नहीं हो सकता। लेकिन जब इसे एटमबम के साथ फिट किया जायेगा, तो वह पच्चीस मील के घेरे में एकदम तवाही मचा देगा । पच्चीस मील में जीव, वनस्पति वगैरह का समूल नाश हो जायेगा और अगर उस समय तेज हवा भी चल रही हुई, तो बम का प्रभाव पंचास मील के घेरे में पहुंच सकता है।'

'आपने यह कैसे सोच लिया कि चीनी कम्प्यूटर को अपने

एटमबम के पास ही फिट करेंगे और फिर आप कहते हैं कि ट्रीगर को एटमबम के साथ संबद्ध करना पड़ता है । वह चीन में आपके लिये कौन करेगा ?'

'यह सब इन्तजाम है हमारे पास । हमें पहले ही मालूम है कि वे कम्प्यूटर सियान में लगाने वाले हैं- जहां उनका सबसे बड़ा रिसर्च सेंटर है। और वहीं वे एटमबम का निर्माण कर रहे हैं। अपने बम को टैस्ट वे सिकियांग में करते हैं। लेकिन हमें उनके टैस्टिंग-स्टेशन को नहीं, रिसर्च सैंटर को तबाह

करना है।'

'और ट्रीगर को एटमबम के साथ फिट कौन करेगा ?'

'उन्हीं का एक उच्च वैज्ञानिक, जो हमें सहयोग दे रहा है।'

'चीनी है ?'

'बिल्कुल । तुम क्या समझते हो कि नेताओं की अणु शक्ति को युद्ध के लिये प्रयुक्त करने की नीति से केवल समाजवादी देशों के वैज्ञानिक ही असन्तुष्ट हैं ? वह चीनी वैज्ञानिक किसी लालच में हमें सहयोग नहीं दे रहा है। वह हमें इसलिये सहयोग दे रहा है, क्योंकि वह जानता है कि चीन के पास एटमबम होना विश्वशान्ति के लिये खतरा सिद्ध हो सकता है।'

'अगर ऐसी बात है तो इतना बखेड़ा करने की क्या जरूरत है। चीनियों को ब्लैक मार्केट में कम्प्यूटर उपलब्ध कराने की और उसमें ट्रीगर छुपाकर चीन भेजने की क्या जरुरत थी ? वह चीनी वैज्ञानिक ही उनका रिसर्च सेन्टर क्यों नहीं तबाह कर देता। वही एटमबम क्यों नहीं चला देता ?'

'मैंने कहा है कि वह वैज्ञानिक हमें सहयोग दे. रहा है । मैंने यह नहीं कहा था कि वह हमारे लिये शहीद होना भी स्वीकार करेगा । जैसे तुम कह रहे हो, अगर वह उस प्रकार एटमबम का विस्फोट करेगा तो वह खुद भी तो जान से हाथ धो बैठेगा ।'

(४४)

'ऐसा तो तब भी होगा जब बम ट्रीगर की सहायता से फटेगा।'

'तब ऐसा नहीं होगा । वह ट्रीगर टाइमबम की तरह काम करता है । उसके द्वारा बम के विस्फोट का समय निर्धारित किया जा सकता है। बम का निर्धारित समय से पहले विस्फोट नहीं होगा और तब तक वह वैज्ञानिक रिसर्च सेन्टर से निकल-कर सुरक्षित स्थान पर पहुंच चुका होगा।'

'वह वैज्ञानिक कौन है?'

'उसका नाम चांग कान चियांग है। वह उनके रिसर्च सेंटर का निर्देशक है। उसी ने हमें चीनियों द्वारा बनाये बम का नाप-जोख भेजा था, तभी हम ट्रीगर तैयार कर पाये थे जो कि एक दम उस बम पर फिट बैठ सकता हो । उसी ने हमें यह संकेत दिया था कि चीन को अपने न्यूक्लियर रिसर्च प्रोग्राम की गति बढ़ाने के लिये आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर की जरुरत है, जो उन्हें कहीं से प्राप्त नहीं हो रहा है । उन्हीं ने हमें यह बताया था कि कम्प्यूटर उनके सियान स्थित रिसर्च सेन्टर में लगने वाला है और वहीं उनका एटमबम मौजूद है । उसी ने हमें यह सुझाया था कि हम ट्रीगर को कम्प्यूटर में छुपाकर बड़ी आसानी से चीन में पहुंचा सकते है । और यही हमने किया भी। ट्रीगर उस कम्प्यूटर में बड़ी चतुराई से छुपाया हुआ था । उस रिसर्च सेन्टर में ट्रीगर पहुंचाने का कोई और तरीका था भी नहीं । वहां सुरक्षा का इतना तगड़ा इन्तजाम है कि स्वयं चेयरमैन माओ त्से तुग एक सिगरेट लाइटर भी साथ लेकर उस रिसर्च सेन्टर में प्रविष्ट नहीं हो सकता ।

जेम्स बांड चुप हो गया ।

'सारे आपरेशन में गड़बड़ यह हो गई है।' 'एम' फिर बोला- 'कि हमने स्वप्न में भी नहीं सोचा था कि मौका आने पर वह कम्प्यूटर चलेगा नहीं। यह तो अच्छा हुआ कि

जेबरोस्की ने तत्काल तुमसे सम्पर्क स्थापित किया। अगर उनके इलेक्ट्रानिस्स इन्जीनियर खुद की कम्प्यूटर खोलकर ठीक करने बैठ गये होते तो सम्भव है, बहुत सावधानी से छुपाया होने के बावजुद ट्रीगर उनकी जानकारी में आ जाता और फिर हमारी इतनी मेहनत से तैयार की हुई सारी स्कीम फेल हो जाती।'

'क्या ऐसा हो सकता है कि आपके कम्प्यूटर में ट्रीगर फिट करने की वजह से ही उसमें कोई नुक्स आ गया हो ?'

'नहीं हो सकता । कम्प्यूटर और ट्रीगर एक ही कवर में जरूर मौजूद हैं लेकिन उनका एक दूसरे से कोई वास्ता नहीं है।'

'तो फिर कम्प्यूटर कैसे बिगड़ा ?'

'यही तो रहस्य है जो समझ में नहीं आ रहा। बाण्ड, तुम्हें चीन जाकर वह कम्प्यूटर देखना पड़ेगा ।'

'लेकिन सर, मैं कम्प्यूटर के बारे में खाक जानता हूं। आपने यह कैसे सोच लिया कि उस बिगड़े हुये कम्प्यूटर की मैं मरम्मत कर सकता हूं ?'

'जाना तो तुम्हें ही पड़ेगा क्योंकि जेवरोस्की की निगाह में तुम दक्ष इलैक्ट्रानिक्स इन्जीनियर हो और कम्प्यूटर के बारे में तुम सब कुछ जानते हो ।'

'जबकि वास्तव में मैं कम्प्यूटर की ए बी सी भी नहीं जानता ।'

मुझे मालूम है। फिर भी तुम्हारी चीन यात्रा आपरेशन के लिये लाभदायक सिद्ध हो सकती है। पावेल तुम्हें कम्प्यूटर की कम्पलीट सरकट डायग्राफ दे देगा और तुम्हें समझा देगा कि सरकट चैक कैसे किया जाता है। इतना काम तुम आसानी से एक सप्ताह में सीख सकते हो। अगर कम्प्यूटर में कहीं कोई तार टूटी होगी तो सरकट चैक करने के दौरान में वे दिखाई दे जायेगी । अगर सिर्फ सरंकट चैक करने से कम्प्यूटर ठीक न हुआ तो तुम उनसे कह देना कि कम्प्यूटर के बहुत ज्यादा कल-पुर्जे

बिगड़ गए हैं, अब उसकी मरम्मत नहीं हो सकती । कम्प्यूटर तुम्हें लन्दन भिजवा दिया जाये, बदले में तुम नया कंम्प्यूटर भिजवा दोगे ।'

'वे मान जायेंगे ?"

'उन्हें मानना ही पड़ेगा। और चारा क्या है। ब्लैक मार्केट में खरीदे माल को कोई उन्हें बदलकर दे रहा है, यही क्या कम है ? बड़ी हद होगी तो वे जेबरोस्की से कम्प्यूटर की रकम माग लेंगे और जेबरोस्की तुमसे कम्प्यूटर की कीमत माग लेगा । अभी तो वह कीमत वापिस मांगने के स्थान पर तुम्हें चीन साथ ले जाने की इसलिये वह जिद कर रहा है, क्योंकि वह तुम्हें असली इलैक्ट्रोनिक इन्जीनियर समझता है और उसे विश्वास है कि तुम

कम्प्यूटर को ठीक कर दोगे ।'

'उसके मुझसे कम्प्यूटर की कीमत वापिस न मांगने की एक और वजह भी हो सकती है।'

'क्या ?'

'उसने मुझसे कम्प्यूटर साढ़े चार लाख डालर में खरीदा था । सम्भव है चीनियों को उनसे वह कम्प्यूटर सात आठ लाख डालर में बेचा हो और वह उसमें से एक भारी रकम पहले ही खर्च कर चुका हा । अब चीनियों के अपनी रकम वापिस मांगने पर वह पूरी रकम लौटाने की स्थिति में नहीं होगा इसीलिये वह चाहता है कि मैं जल्दी से जल्दी चीन पहुंचकर कम्प्यूटर ठीक करके आऊ । अगर मेरी राय के अनुसार बह कम्प्यूटर लन्दन भेजता तो आवाजाही और मरम्मत में बहुत वक्त लगता और इतनी देर शायद चीनी इन्तजार करने को तैयार नहीं ।'

'हो सकता है। और जेबरोस्की का तुम्हें फौरन अपने साथ चीन ले जाने की जिद करना भी यह सिद्ध करता है कि चीनियों ने कम्प्यूटर के साथ ज्यादा छेड़खानी नहीं की है। शायद वे भी यही चाहते हैं कि कम्प्यूटर की मरम्मत सप्लायर ही करें । अगर चीनी कम्प्यूटर में ट्रिगर तलाश कर चुके होते तो

जेबरो-स्की तुम्हें आजाद घूमता फिरता दिखाई नहीं देता ।'

'शायद यह मुझे चीन बुलाने की एक चाल हो ?'

'मुझे उम्मीद नहीं । एक और भी वजह है जिससे मैं सोच रहा हूं कि चीनियों को ट्रीगर की जानकारी नहीं हुई होगी ।'

'क्या ?'

'कम्प्यूटर चांग कान चियांग के चार्ज में है और वह जानता है कि कम्प्यूटर के भीतर क्या है। मुझे उम्मीद नहीं कि उसने किसी को कम्प्यूटर खोलने दिया होगा ।'

'शायद चांग कान चियान ने कम्प्यूटर में से ट्रीगर पहले ही निकाल लिया हो ।'

'सम्भव नहीं । अगर उसने कम्प्यूटर किसी को खोलने नहीं दिया होगा तो खुद भी नहीं बोला होगा ।'

'बहरहाल, चीन मुझे जाना पड़ेगा ।'

'बिल्कुल । तुम जेबरोस्की को ज्यादा से ज्यादा देर के लिये टालने की कोशिश करो ताकि कम्प्यूटर का सरकिट समझने के लिये तुम्हें ज्यादा से ज्यादा समय मिल सके और फिर कम्प्यूटर के ब्लू प्रिन्ट को देखकर तुमको यह भी याद रखना है कि उसमें ट्रीगर कहां छुपा हुआ है ।'

'ओ० के० ।'

'और तुम जेबरोस्की को ही कहना कि वह चीन के लिये तुम्हारे वीसे का भी इन्तजाम करे ।'

'आल राइट ।'

'ओ० के० । यू आर एक्सक्यूज्ड नाउ । कल पावेल तुमसे सम्पर्क स्थापित करेगा ।'

'ठीक है ।' जेम्स बाण्ड बोला ।

उसने 'एम' से हाथ मिलाया और उसके आफिस से बाहर निकल आया ।

अपने वादे के अनुसार जेबरोस्की ने जेम्स बाण्ड को उसके फ्लैट पर टेलीफोन किया ।

'क्या सोचा, मिस्टर शेरमन ?' जेबरोस्की का गम्भीर स्वर उसके कानों में पड़ा ।

'मैं पन्द्रह दिन से पहले तुम्हारे साथ नहीं जा सकता ।' जेम्सबाण्ड तीव्र अनिच्छापूर्ण स्वर से बोला ।

'यानि कि 'तुम जाने को तैयार हो ?'

'अब क्या लिखकर दू?'

'वैरी गुड, वैरी गुड । लेकिन पन्द्रह दिन बाद क्यों ?'

'कम्प्यूटर की सारी डायग्राम मेरे पास नहीं है। सारी डायग्राम और जरूरी साजो-सामान इकट्ठा करने में मुझे कम से कम पन्द्रह दिन जरूर लगेंगे ।'

'इससे जल्दी नहीं हो सकता ?'.

'अगर इससे जल्दी हो जाएगा तो मैं तुम्हें बता दूंगा।'

आल र।इट । पन्द्रह दिन बाद सही । लेकिन मिस्टर शेर-मन, तुम्हारी अपनी भलाई के लिये ही तुम्हें राय दे रहा हूं । कहीं गायब होने की कोशिश मत करना । मेरे आदमी साये की की तरह तुम्हारे पीछे लगे हुए हैं। ज्यादा होशियारी दिखाने के चवकर में तुम जान से हाथ धो बैठोगे ।'

'मैं ख्याल रखूगा।'

'जरूर रखना। इसी में तुम्हारी भलाई है ।'

'और मेरे वीसे का क्या होगा ? तुमने कहा था कि मेरे लिये वीसे का इन्तजाम तुम करवा दोगे ।'

'जरूर । तुम चीनी दूतावास चले जाना और वहां कर्माशयल डिपार्टमेन्ट के ली पिंग हई से मिल लेना । बीसा हासिल करने

में तुम्हें कतई दिक्कत नहीं होगी ।'

'वैरी गुड़ ।' जेम्स बाण्ड बोला और उसने सम्बन्ध विच्छेद कर दिया ।

****

रुसी एयरलाइन सोवोफ्लोट के एक प्लेन द्वारा जेबरोस्की और जेम्स बाण्ड पीकिंग पहुंचे ।

हवाई अडड़े पर एक चीनी डेलीगेशन उनके स्त्रागत के लिये मौजूद था । सात आदमियों के उस डेलीगेशन में छः एक ही प्रकार की, भूरे रंग की यूनीफार्म पहने चीनी अधिकारी थे और एक लम्बी, ऊंची, खूबसूरत युवती थी। जो न अपने लम्बे कद की वजह से और न अपनी सूरत से जरा भी चीनी मालूम होती थी । उन्होंने तत्काल जैबरोस्की और जेम्स बान्ड को घेर लिया, लगता था वे जेबरोस्की को अच्छी तरह पहचानते थे । सबके चेहरों पर मैत्रीपूर्ण मुस्कराहट थी ।

जेबरोस्की साफ सुथरी चीनी भाषा में बोल लेता था । जेम्स बान्ड को भी चीनी भाषा का काम चलाऊ ज्ञान था लेकिन वह उन लोगों पर प्रकट नहीं करना चाहता था कि उसे चीनी आती है ।

जेबरोस्की ने जेम्स बान्ड का डेलीगेशन से परिचय करवाया । बारी-बारी सारे चीनियों के नाम बताये । जेम्स बान्ड ने बारी-बारी सबसे हाथ मिलाया ।

उस ग्रुप में चांग कान चियांग नहीं था ।

और युवती का नाम सन यान था। वह चायनीज टूरिस्ट ब्यूरो से सम्बन्धित थी। जेम्स बान्ड के चीन आवास के दौरान वह उसके लिप गाइड़ और दुभाषिये का काम करने वाली थी । सन यान जितनी साफ चीनी बोलती थी, उतनी ही साफ

अंग्रेजी भी बोलती थी ।

एक चीनी ने जेबरोस्की और जेम्स बान्ड से उनके पासपोर्ट और सामान की स्लिप ले ली। उसने बताया कि उनका सामान अपने आप होटल पहुंच जायेगा ।

एयरपोर्ट के लाउन्ज में ही जेम्स बान्ड की खूब आवभगत की गई । उनकी सेहत के लिये चीन में बनी वोदका के जाम पिये गये । चीनी वोदका रूसी वोदका से निश्चय ही अच्छी थी ।

अन्त में वे सब दो नई रुसी जीप कारों में सवार होकर होटल के लिये रवाना हो गये ।

होटल में चीनी अधिकारियों ने उनसे विदा ली । पीछे केवल सन यान और एक मोटा चीनी रह गया जो सूरत से ही सीक्रेट सर्विस का आदमी लगता था ।

जेबरोस्की थकावट का बहाना करके तुरन्त अपने कमरे में चला गया ।

जेम्स बान्ड का यह जानकर बड़ी राहत मिली कि उसका और जेबरोस्की के ठहरने का इन्तजाम होटल के एक ही कमरे में नहीं किया गया था ।

जेम्स बान्ड के कहने पर सन यान उसे होटल के बॉर में ले आई। वे बॉर काउन्टर के सामने रखे स्टूलों पर बैठ गये । मोटा चीनी उनसे थोड़ी दूर पर बैठ गया। उसका मुंह दूसरी ओर था लेकिन जेम्स बांड जानता था कि कान जेम्स बांड और सन यान में होने वाले वार्तालाप की ओर लगे हुये थे ।

सन यान ने बोदका का आर्डर दिया ।

'कम्प्यूटर वहां है ?' बोदका सर्व हो जाने के बाद जेम्स बाल्ड ने प्रश्न किया ।

'हमारे रिसर्च सेन्टर के डायरेक्टर चांग कान चियांन के निर्देश पर कम्प्यूटर सियान में पहुंचा दिया गया है।' सन यान बोली - 'आज तो समय नहीं रहा और वैसे भी आप थके होगे ।

कल सुबह ही हम प्लेन द्वारा सियान के लिये रवाना हो जायेंगे । वे लोग

बड़ी बेताबी से आपका इन्तजार कर रहे हैं।'

'यानी कि तुम भी सियान मेरे साथ चलोगी ?' जेम्स बांड ने पूछा ।

'आपके चीन आवास के दौरान मुझे तो आपके साथ ही रहना है, मिस्टर शेरमन ।'

'उत्कृष्ट।'

'बशर्ते की आपको एतराज न हो ।'

'मुझे क्या एतराज होगा भला । तुम्हारी जैसी खूबसूरत लड़की का साथ तो बड़ी मुश्किल से हासिल होता है।'

'थैंक्यू मिस्टर शेरमन ।' सन यान बोली । उसके चेहरे पर शर्म की लाली दौड़ गई ।

जाम का दौर समाप्त होने पर सन यान जेम्स बांड को उसके कमरे में ले आई। सीक्रेट सर्विस वाले मोटे चीनी ने जेम्स बांड के कमरे में प्रविष्ट होने का उपक्रम नहीं किया ।

जेम्स बांड ने देखा, उसका सामान होटल के कमरे में पहले ही पहुंच चुका था ।

'सामान आपका ही है न, मिस्टर शेरमन ?' सन यान ने पूछा ।

'मेरा ही है।' जेम्स बांड बोला ।

'बैरी गुड़ । मैंने सोचा कहीं आपका कोई सूटकेस मिस्टर -जेबरोस्की के सूटकेस से न बदला गया हो ।'

'ऐसा नहीं हुआ है ।'

'वैरी गुड़ । सुबह तैयार रहियेगा । मैं आपको बुलाने आऊंगी ।'

'कितने बजे ?'

'आठ बजे?'

'मैं तैयार रहूंगा ।'

'थैंक्यू ।'

(५२)

'एक बात बताओगी ?'

'पूछिये ।'

'तुम वाकई चीनी हो ?'

'क्या मतलब ?'

'मेरा मतलब है कि तुम चीनी बिल्कुल नहीं लगती हो । तुम्हारी राष्ट्रीयता चीनी हो सकती है, लेकिन नसल से तुम चीनी नहीं हो ।'

सन यान एक क्षण हिचकिचाइ और फिर बोली- 'मैं शत-प्रतिशत चीनी नहीं हूं। मेरी मां चीनी है, बाप रुसी था ।'

'आई सी ।'

'किसी और चीज की जरूरत है तो फरमाइये ।'

'है। तुम्हारी ।'

'आप चीन के सम्मानित अतिथि है, मिस्टर शेरमन । आप-की हर जरूरत पूरी की जायेगी। यह भी। लेकिन जल्दी क्या है। अभी तो हमें बहुत वक्त इकट्ठे गुजारना है।'

'इस दैट ए प्रामिस ?'

'गुड नाइट, मिस्टर शेरमन । स्वीट ड्रीम्स ।'

'स्वीट ड्रीम्स आफ मैडम सन यान !'

सन यान ने एक चिताकर्षक मुस्कराहट उसकी ओर फेंकी और फिर कमरे से बाहर निकल गई ।

सियान के एयरपोर्ट पर एक कार उन्हें लेने आई हुई थी ।

जेम्स बांड, जेबरोस्की और सन यान कार की पिछली सीट पर बैठ गये । सीक्रेट सर्विस का मोटा चीनी आगे ड्राइवर की बगल में बैठ गया ।

कार चल पड़ी ।
(५३)

कुछ ही देर बाद कार सियान से बाहर आ गई। उसके बाद सड़क की हालत खराब। रास्ता बेहद ऊबड़ खाबड था और उन्हें कदम-कदम पर झटके लग रहे थे। अधिकतर रास्ते में सड़क सपाट नगे मैदानों में से ही गुजरी। कहीं-कहीं ही उन्हें दो चार मकानों के दर्शन हुये ।

दो घन्टे में पचास मील का फांसला तय करने के बाद कार एक स्थान पर आकर रुकी। ड्राइवर कार से बाहर निकला । उसने बड़ी तत्परता से कार का पिछला दरवाजा खोला ।

वे लोग कार से बाहर निकल आये ।

कार एक विशाल कम्पाउन्ड में खड़ी थी। कम्पाउन्ड के तीन और विशाल चार मंजिली इमारतें थीं और चौथी ओर एक कम से कम पन्द्रह फुट ऊंची पत्थरों की ठोस दीवार थी, जिसमें एक लोहे का विशाल फाटक भी फिट था, जो उनकी कार के भीतर प्रविष्ट होते ही उनके पीछे बन्द हो गया था। पत्थरों की दीवार के ऊपर कटीले तारों की बाड़ लगी हुई थी ।

लगभग फौरन ही कई चीनी इमारत से निकले और उन्होंने उन्हें घेर लिया । जेम्सबांड ने देखा, सभी एक ही भूरे कपड़े की, एक ही ढंग से सिली ढीली-ढाली यूनीफार्म पहने हुये थे । वे सारे चीनी एक से ही लग रहे थे, इसलिये यह जानना असंभव था कि उनमें सेन्टर का डायरेक्टर कौन था

और चपरासी कौन था ।

यह मुश्किल सन यान ने आसान की । वह जेम्स बांड़ का हाथ पकड़कर उसे एक अधेड़ आयु के दुबले पलले, किन्तु स्वस्थ चीनी के सामने ले आई ।

'मिस्टर शेरमन !' सन यान उस चीनी को जेम्स बांड़ का परिचय देती हुई बोली- 'आपका कम्प्यूटर एक्सपर्ट ।'

'आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई मिस्टर शेरमन ?' वह जेम्स बांड से हाथ मिलाता हुआ, एकदम निर्दोष अंग्रेजी में
(५४)

बोला- 'मेरा नाम, चांन कान चियांन । मैं इस रिसर्च सेन्टर का डायरेक्टर हूं ।'

'मुझे भी ।' जेम्स बांड मजबूती से उसका हाथ थामता हुआ बोला ।

तो यह था वह आदमी, जिसका 'एम' ने जिक्र किया था । कुछ क्षण वे एक दूसरे का हाथ थामे एक दूसरे के नेत्रों में झांकते रहे । फिर दोनों ने एक साथ अपनी अपनी पकड़ ढीली कर दी ।

'तशरीफ लाइये!' चांग कान चियांग बोला ।

वह जेम्स बांड, जेबरोस्की और सन यान को इमारत के भीतर एक लाउन्ज में ले आया। सीक्रेट सर्विस के गोरे चीनी ने इमारत में कदम नहीं रखा। शायद उसका काम न्यूलियर रिसर्च सेन्टर तक ही जेम्स बांड की निगरानी करना था ।

तत्काल उन्हें चाय सर्व कर दी गई ।

'सफर कैसा रहा ?' चांग कान चियांग ने मीठे स्वर से पूछा ।

'बहुत अच्छा ।' जेम्स बांड बोला- 'आप अंग्रेजी बहुत अच्छी बोलते हैं ।

'मैंने कैलोफोनिया यूनीवसिटी, अमेरिका से शिक्षा पाई है । और मैंने सन् -१९५५ तक अमेरिकन सरकार के न्यूक्लियर रिसर्च सेन्टर में काम भी किया है।'

'आपने अमेरिका छोड़ा क्यों ?'

'सोचा, मेरे देश को मेरी सेवाओं की ज्यादा जरूरत है, अतः मैं चीन लौट आया।

'आपके चले आने से अमेरिका को तो बहुत 'नुकसान हुआ होगा ?'

'सम्भव है। लेकिन शायद अमेरिका के नुकसान में ही दुनिया का फायदा हो ।'

जेम्स बाण्ड ने अर्थपूर्ण नेत्रों से चांग कान चियांग को देखा,
(५५)

लेकिन चीनी वैज्ञानिक का चेहरा स्लेट की तरह साफ धा । जेम्स बाण्ड ने सन यान की ओर देखा, वह प्रत्यक्षतः उन दोनों के वार्तालाप से बेखबर बड़ी तन्मयता से जेबरोस्की से बातें कर रही थी ।

उन्होंने चाय समाप्त की ।

'आइये ।' चांग कान चियांग उठता हुआ बोला- 'अब उस कम्प्यूटर को देखा जाये । जिसकी वजह आपको यहां तक आना पड़। है ।'

'जरूर ।' जेम्स बाण्ड भी अपने स्थान से उठा ।

'मिस्टर शेरमन, सिक्योरिटी के नाते आपकी तलाशी ली जायेगी । आशा है, आप बुरा नहीं मानेंगे ।'

'सवाल ही नहीं पैदा होता। हमारे यहां भी सिक्योरिटी के यही नियम हैं ।'

'थैंक्यू !

सब लोग एक विशाल कमरे में आ गए, जिसकी एक दीवार के साथ एक विशाल एक्स-रे मशीन लगी हुई थी ।

सबको अपनी-अपनी जेबें खाली कर देने का आदेश मिला । उनको जेबों से निकले सामान को बड़ी सावधानी से चैक किया गया, सामान की लिस्ट बनाई गई और सबके सामान को अलग-अलग थैलों में बन्द कर दिया गया। उसके बाद सबको बारी-वारी एक्स-रे मशीन के सामने खड़ा किया गया, यह देखने के लिये कि किसी की जेब में कोई आपत्तिजनक चीज रह तो नहीं गई थी ।

फिर उनकी तस्वीरें खीची गई। हर तस्वीर को एक कार्ड पर चिपकाया गया । उस पर तस्वीर वाले का नाम लिखा गया, फिर कार्ड को प्लास्टिक के कवर में डालकर एक सेफ्टी पिन की सहायता से हर किसी का कार्ड उसकी छाती के पास परिधान के साथ पिन कर दिया गया ।

(५६)

जेम्स बाण्ड के साथ एक ब्रीफ-केस था, जिसमें कम्प्यूटर की डायग्राम वगैरह थी उस ब्रीफ-केस के सामान को भी बड़ी ब.रीकी से चैक किया गया, फिर खाली ब्रीफ-केस को भी एक्स-रें मशीन के आगे रखकर चैक किया गया।

जब अधिकारी पूरी तरह संतुष्ट हो गये कि किसी के पास कोई आपत्तिजनक चीज नहीं थी, तो उन्हें फिर चांग कान चियांग के हवाले कर दिया गया ।

चांग कान चियांग उन्हें बिल्डिंग के मध्य में, सबसे ऊपर की मजिल पर बने एक विशाल हाल में ले गया। वह हाल एक फुटबाल के ग्राउ ंड से किसी भी रूप में छोटा नहीं था और विभिन्न प्रकार की इलैक्ट्रानिक्स मशीनरी और इलेक्ट्रानिक्स कंट्रोल पेनलों से भरा पड़ा था जेम्स बाण्ड ने देखा, अधिकतर मशीने इतनी पुरानी थीं कि वे आधुनिक योरोपियन देशों में अब इस्तेमाल में नहीं आती ।

"आपके पास तो ढेरों मशीनरी हैं ?' जेम्स बाण्ड बोला ।

'हैं, मिस्टर शेरमन ।' चांग कान चियांग बोला- 'हम भी जानते हैं और आप भी जानते हैं कि यह सब मशीनरी बाबा आदम के जमाने की हैं। समाजवादी देशों द्वारा इलैक्ट्रानिक्स के सामान को कम्युनिस्टों को बेचने पर पाबन्दी लगी होने के कारण हमें एकदम आधुनिक साजो-सामान नहीं मिल पाता । और अब, जब हम आठ लाख डालर की भागी रकम खर्च कर के आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर हासिल करने में कामयाब हुए तो वह चल ही नहीं रहा है !

जेम्स बाण्ड की निगाह अपने आप ही जेबशेस्की की ओर उठ गई। तो इस बदमाश ने साढ़े चार लाख में कम्प्यूटर खरीदकर चीनियों को आठ लाख में बेचा है !

'कम्प्यूटर है कहां ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा । 'बगल के हॉल में ।' चांग कान चियांग बोला- 'तशरीफ लाइये ।'

(५७)

सब बगल के हाल में पहुंचे ।

वहां केवल आई० बी० एम० १७५० ही था । कम्प्यूटर पेटियों में से खौलकर वहां लगा दिया गया था और अपनी वर्तमान स्थिति में वह उस कम-सेकम बीस गुणा पचास फुट के हाल के तीन चौथाई भाग में फैला हुआ था। उसकी ऊ ंचाई ही कम-से-कम नौ फुट थी ।

और उसी में कहीं वह ट्रीगर छुपा हुआ था, जो चीनियों के एटम-बम को तबाह कर सकता था ।

कम्प्यटर के समीप एक सूरत से ही बड़ा बुद्धिमान लगने हाला चीनी युवक खड़ा था ।

'यह हमारा इन्जीनियर लीची तांग है। चाग कान चियांग उस चीनी युवक का परिचय देता हुआ बोला- 'यह दक्ष इलैक्ट्रा-निक्स इन्जीनियर है और कई महीने अमेरिका में रहकर ऐसे कम्प्यूटरों को हैडिल भी कर चुका है। लेकिन इस कम्प्यूटर का नुक्स इसकी समझ में भी नहीं आ रहा है ।'

'हैलो...!' वह युवक मीठे स्वर से बोला ।

'मेरा नाम, शेरमन है।' जेम्स बाण्ड गेला ।

'प्लीज्ड टु मीट यू, मिस्टर शेरमन !' ली ची तांग बोला ।

'तुमने कम्प्यूटर को चालू करके देखा था ? जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

'जी हां । थोड़ी-थोड़ी देर के लिये कई बार चालू किया था, लेकिन कम्प्यूटर एक मिनट ही चला होता है कि इसके कंट्रोल पैनल में खतरे की बत्ती जल उठती है और हमें फौरन कम्प्यूटर बन्द करना पड़ा है।

'आई सी । कम्प्यूटर फिट तो ठीक किया गया है ?'

'विल्कुल ठीक किया है। यह मेरी निजी गारन्टी है। मैं आई० बी० एम० १७५० पर पहले भी काम कर चुका हूं।'

'तुमने इसे खोला था ?' जेम्स बरण्ड ने आशंकित स्वर से पूछा।

'केवल कंट्रोल पैनल खोली थी, लेकिन फिर डायरेक्टर साहब ने मुझे कोई छेड़खानी करने से मना कर दिया था। वे चाहते थे कि कम्प्यूटर आप ही खोलें या इसे आप ही के सामाने खोला जाए ।,

'कंट्रोल पैनल में तुम्हें कोई खराबी मिली थी ?'

'मैंने देखा ही कुछ नहीं था । और सरकट डायग्राम के बिना कुछ देख पाना सम्भव भी नहीं था। लेकिन फिर भी मुझे ऐसा लगा था, जैसे तारों का इन्सुलेशन पिघल रहा था । भीतर जरूर कहीं शार्ट सर्कट हो गया है ।'

'अगर तुम्हारे पास सर्कट डायग्राम हो तो तुम इसे ठीक कर सकते हो ?'

'कर सकता हूं।' ली ची तांग विश्वासपूर्ण स्वर से बोला । यह जेम्स बाण्ड के लिये चिन्ता का विषय था । इसका मतलब था कम्प्यूटर खोलने के बाद

उसे इस बात का भी ख्याल रखना था कि कहीं ली ची तांग की जानकारी में छुपा ट्रीगर न आ आये ।

इस सदर्भ में कम्प्यूटर खोलने से पहले उसका चांग कान चियांग से एकान्त में बात करना जरूरी था ।

एक दूसरी सम्भावना भी जेम्स बाण्ड के दिमाग में पनपी ।

ली ची तांग को कम्प्यूटर में ट्रीगर न दिखाई देने की वजह यह भी हो सकती थी कि शायद अब वहां ट्रीगर मौजूद ही नहीं हो । शायद चांग कान चियांग ने अपने देश से गद्दारी करने का. और ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स को सहयोग देने का इरादा छोड दिया था और ट्रीगर को पहले ही कम्प्यूटर से निकालकर कहीं छुपा दिया था या नष्ट कर दिया था ।

फिर उसे ख्याल आया कि क्यों न पहले यही देख लिया जाये कि चांग कान चियांग ने कम्प्यूटर में से ट्रीगर निकाला था या नहीं ।
(५९)

'मिस्टर ली !' जेम्स बाण्ड बोला- 'तुम कम्प्यूटर के सामने खड़े हो जाओ और कंट्रोल पैनल पर निगाह रखो। मैं इसे पीछे से खोलता हूं।'

'ओ० के० !' ली ची तांग बोला ।

जेम्स बाण्ड ने अपना कोट उतारकर कुर्सी पर उछाल दिया उसने एक पेंचकस संभाला और कम्प्यूटर के पृष्ठ भांग में आ गया।

एक-एक करके उसने कंट्रोल पैनल के पृष्ठ भाग के सारे कवर खोल दिये ।

कम्प्यूटर के मध्यवर्ती भाग की तलहटी में, जहां ट्रीगर छुपा हुआ था, उस स्थान को किसी नहीं छेड़ा था ।

ट्रीगर अभी भी कम्प्यूटर में ही था । जेम्स बाण्ड ने सारे कम्प्यूटर के पिछले कवर खोल दिये । अब जहां तक उसकी निगाह जाती थी, उसे अपने सामने हजारों लाखों तारें ही फैली दिखाई देती थीं ।

'कम्प्यूटर चालू करो !' जेम्स बाण ने आदेश दिया । ली ची तांग ने फौरन स्विच ऑन कर दिया ।

एक मिनट से भी कम समय में जेम्स बाण्ड नाक में पिघलते हुए इन्सुलेशन की गन्ध पड़ने लगी ।

'खतरे की बत्ती जल उठी है !' ली ची तांग व्यग्र स्वर से बोला ।

'स्विच् ऑफ कर दो ।' जेम्स बाण्ड बोला । कम्प्यूटर तत्काल बन्द हो गया ।

जेम्स बाण्ड कम्प्यूटर के अग्रभाग मे बाकी लोगों के पास पहुंच गया ।

'बैल, मि० शेरमन !' चांग कान चियांग ने पूछा ।

'एक-एक सरकट चैक करना पड़ेगा ।' जेम्स बाण्ड बोला -

'आबा-जाही में या तो कोई सरकट शार्ट हो गया है या टूट गया है इसका एक-एक पुर्जा खोलना पड़ेगा। सरकट का 'नुक्स

तलाश करने में कई दिन लग जायेंगे।'

'फिर तो आपको दिन-रात काम करना पड़ेगा । क्योंकि हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है ।'

'कितना वक्त है आपके पास ?'

'एक सप्ताह । ज्यादा-से-ज्यादा दस दिन ।'

'ऐसी जल्दी क्या है ?'

'जल्दी आपकी समझ में नहीं आयेगी, मिस्टर शेरमन ! लेकिन प्रतिरक्षा मंत्रालय ने हमें स्पष्ट निर्देश दिया है कि आठ लाख डालर की भारी कीमत से हासिल किया हुआ यह कम्प्यू-टर अगर दस दिन में ठीक नहीं हो

सकता तो यह समझा जायेगा कि हमें ठगने की नीयत से जानबूझकर खराब कम्प्यूटर दिया गया है। नतीजा यह होगा कि मिस्टर जेबरोस्की को कम्प्यूटर वापिस लेना पड़ेगा और हमें आठ लाख डालर बापिस करने पड़गे ।'

जेम्स बाण्ड ने एक छिपी निगाह जेबरोस्की पर डाली । जेवरोस्की के चेहरे का रंग उड़ गया था ।

आल राइट !' जेम्स बाण्ड बोला- 'अपनी ओर से मैं पूरी कोशिश करूंगा कि कम्प्यूटर दस दिन में ठीक हो जाये।'

'वैरी गुड...! और हमने आपके रहने का इन्तजाम यहीं सेन्टर में ही कर दिया। सियान से रोज आने जाने में आपका वक्त भी बरबाद होगा और आपको तकलीफ भी होगा ।'

'वैरी गुड !'

'शाम तक आपका सामान यहां पहुंच जायेगा । अब आइये, भोजन कर लें ।'

भोजन के बाद जेम्स बाण्ड और ली ची तांग कम्प्ये टर के पीछे पड़ गये। ली ची चांग बारी-बारी एक-एक सरकट की पैनल खोलता जाता था और जेम्स बाण्ड की सहायता से तारों के कनेक्शन चैक करता जाता था ।

रात के आठ बजे तक वे लोग कम्प्यूटर के गले पड़े रहे ।

उन्हें कोई नुक्स नहीं मिला ।

अन्त में थककर जेम्स बण्ड ने काम छोड़ दिया ।

'बाकी कल ।' वह बोला ।

ली ची तांग ने सहमतिसूचक ढंग से सिर हिलाया और फिर चांग कान चियांग को बुलाने चला गया ।

'क्या समाचार है, मिस्टर शेरमन ?' चांग कान चियांग ने आते ही पूछा ।

'अभी कोई समाचार नहीं है।' जेम्सबाण्ड थके से स्वर में बोला ।

'नैवर माईन्ड । अभी काफी समय है और आप समझदार आदमी हैं। मुझे विश्वास है, आप कम्प्यूटर जरूर ठीक कर लेंगे ।'

'लैट्स होप सो ।'

'आइए मैं आपको गेस्ट हाउस तक छोड़ आऊ ।'

जेम्स बाण्ड चांग कान चियांग के साथ हो लिया । उसे यह देखकर बहुत निराशा हुई कि लीची तांग भी उनके साथ ही चला आ रहा था । उसे समझ नहीं आ रहा था कि चांग कान चियांग से बात करने का मौका उसे कैसे मिलेगा। चांग कान चियांग की ऐसा मौका निकलने में कोई दिलचस्पी मालूम नहीं हो रही थी ।

'मैं यहां रहता हूं।' रास्ते में एक छोटे से बंगले की ओर संकेत करके चांग कान चियांग बोला ।

जेम्स बाण्ड कुछ नहीं बोला ।

अन्त में चांग कान चियांग उसे बंगले की कतार के बीच, में बने एक दो मंजिले बंगले के सामने ले आया ।

'यह आपका आवास है ।' उसने बताया ।

'अगर मेरा आवास है तो भीतर तशरीफ लाइये । एक एक जाम हो जाये ।' जेम्स बाण्ड बोला ।

'आज नहीं। फिर कभी ।'

जेबरोस्की और सन यान भी सेन्टर में हो ठहरेंगे ?'

'बिल्कुल । सन यान तो तुम्हारी गाइड और दुभाषिया है। उसे तो तुम्हारे साथ रहना ही है। और जब तक कम्प्यूटर ठीक न हो हमारे प्रशासनिक डायरेक्टर जेबरोस्की को यहां से जाने नहीं देना चाहते ।'

'सन यान और जेबरोस्की भी इसी बंगले में ठहरेंगे ?'

'केवल सन यान । जेबरोस्की का अलग इन्तजाम किया गया है।'

जेम्स बाण्ड ने शान्ति की सांस ली। उसे जेबरोस्की की तो शक्ल से नफरत थी और सन यान के संसर्ग के लिये वह लाला-यित था ।

ओ० के० मिस्टर शेरमन ।' चांग कान चियांग बोला-'गुड नाइट ।'

'बैरी गुड नाइट ।' जेम्स बाण्ड बोला । उसने दोनों से हाथ मिलाया और फिर बंगले में प्रविष्ट हो गया ।

बंगले की पहली मंजिल पर दो बैडरूम थे । उनमें से एक में जेम्स बाण्ड के सूटकेस मौजूद थे ।

जेम्स बाण्ड ने सूटकेसों का सामान चैक किया ।

सब कुछ सही सलामत था।

केवल उसका पासपोर्ट गायब था ।

उसी क्षण उसे नीचे किसी की आहट सुनाई दी ।

जेम्स बाण्ड ने सूटकेट बन्द कर दिये । वह नीचे पहुंचा । नीचे हाल में सन यान मौजूद थी ।

'हैलो । जेम्स बाण्ड बोला ।

'क्या हो रहा है, मिस्टर शेरमन ?' सन यान अपने चेहरे पर एक चित्ताकर्षक मुस्कराहट लाती हुई बोली ।

'तुम्हारा ही इन्तजार कर रहा था ।'

'अच्छा ! क्यों ?'

'वोदका का मजा अकेले नहीं आता ।'
(६३)

इज दैट सो ?'

'यह।'

'मैं अभी हाजिर होती हूं।'

सन यान किचन में गई और वोदका की एक बोतल, दो गिलास और तरबूज के बीजों से भरी एक प्लेट लेकर वापिस लौटी ।

दोनों एक सोफे पर बैठ गये। उसने दो जाम तैयार किए, एक जेम्स बाण्ड को दिया, दूसरा खुद लिया और बोली-चियर्स ।'

'चियर्स ।' जेम्स बाण्ड भी बोला । वोदका का दौर चलने लगा ।

तीसरे पैंग के दौरान जेम्स बाण्ड ने अपनी बांह सन यान की पतली कमर में डाल दी। सन यान ने कोई एतराज नहीं किया । वह उसके साथ और सट कर बैठ गई ।

चौथे पैग के बाद सन यान जेम्सबाण्ड की बांहों में थी। जेम्स बाण्ड जाम की शराब पीना भूल गया और उसके होठों की शराब पीने लगा। कुछ क्षण सन यान समर्पिता सी उसकी बांहों में पड़ी रही फिर उसने एकाएक स्वयं को जेम्सबाण्ड के बन्धन से मुक्त कर लिया ।

'खाना ।' वह बोली- 'पहल खाना खा लें ?'

'कहां जाना होगा ?' जेम्सबांण्ड ने पूछा ।

'कहीं नहीं। मैंने सेंटर के मैस से खाना यहीं मंगा लिया है।'

'वैरी गुड ।'

दोनों ने खाना खाया ।

खाना खाने के बाद वह फिर हाल में आ गये ।

एक-एक जाम और हो जाये मिस्टर शेरमन ?' सन यान ने पूछा ।

यहां नहीं ।' जेन्सबाण्ड बोला ।

'तो फिर कहां ?'

'ऊपर। बैडरूम में ।'

'मिस्टर शेरमन !'

वोदको की बोतल सन यान के हाथ में थी। जेम्स बाण्ड ने पहले दोनों गिलास उठाये और फिर सन यान को अपनी गोद में उठा लिया ।

'मिस्टर शेरमन !' सन यान तनिक विरोधपूर्ण स्वर में बोली ।

'श-श-श। याद नहीं पेकिंग में तुमने मुझसे क्या वादा किया था ?'

सन यान ने कुछ कहना चाहा लेकिन जेम्सबाण्ड ने तुरन्त उसके होठों पर अपने होंठ रख दिये ।

वह उसे ऊपर बैडरूम में ले आया ।

सन यान को अपनी बांहों में कसे कसे ही वह बिस्तर पर लुढ़क गया ।

उसके होंठ एक क्षण के लिये भी एन यान के होठों से अलग नहीं हुए थे ।'

फिर जेम्सबाण्ड ने धीरे-धीरे उसकी बेहूदी सी भूरे रंग की यूनीफार्म उसके खूबसूरत जिस्म से अलग कर दी ।

सन यान ने नेत्र बन्द कर' लिये ।

'मिस्टर शेरमन ।' वह स्वप्निल स्वर में बोली ।

'हाँ, प्रिय।'

'पहले एक एक जाम हो जाये ।'

'ओह, श्योर ।'

जेम्सबान्ड ने तत्काल दो गिलासों में वोदका ढाल ली ।

'दरवाजा बन्द कर लो।' वह बोली ।

'यहां कौन आयेगा ।'

'शायद कोई आ जाये ।'

ओ० के० ।'

जेम्सबाण्ड द्वार की ओर बढ़ा ।

सन यान ने नेत्र खोलकर द्वार की ओर बढ़ते जेम्स बाण्ड को देखा । बिजली की फुर्ती से उसका हाथ अपनी यूनीफार्स की जेब में खिस्क गया। अगले ही क्षण उसके हाथ में एक छोटी 'सी सफेद गोली थी। उसने वह गोली वोदका के एक जाम में डाल दी । गोली तत्काल धुल गई। दूसरा जाम अपने हाथों में ले लिया।

जेम्स बाण्ड दरवाजा बन्द करके वापिस लौटा ।

चियर्स ।' सन यान बोली ।

जेम्सबाण्ड ने भी मेज पर पड़ा गिलास उठाया और बोला

- 'चियर्स ।'

एक ही सांस में दोनों ने अपने गिलास खाली कर दिये । सन यान ने अपनी नगी बांहें जेम्स बाण्ड की ओर फैला दी ।

अगले ही क्षण जेम्स बाण्ड और वह एक दूसरे के आलिंगन में थे। सन यान का पुष्ट नग्न शरीर एकदम जेम्स बाण्ड के शरीर के साथ सटा हुआ था। जेम्स बाण्ड पर नशा छाने लगा । मदहोशी में उसके नेत्र अपने आप बन्द होने लगे ।

फिर एकाएक जेम्स बाण्ड का चेहरा सन यान के वक्ष की गहरी घाटी में धंस गया। और फिर उसके हाथ-पांव ढीले पड़ गए ।

सन यान के चेहरे पर संतोषपूर्ण मुस्कराहट थी। उसने जेम्स बाण्ड को अपने शरीर से परे धकेला और उठकर कपड़े पहन लिए ।

सुबह जब जेम्स बाण्ड की आंख खुली तो उसने अपने सामने चांग कान चियांन को खड़ा पाया। वह जेम्स बाण्ड को झिंझोड़ कर जगा रहा था।

जेम्सबाण्ड ने व्याकुल नेत्रों से पलंग पर अपनी बगल में देखा ।

(६६)

सन यात वहां नहीं थी ।

शायद वह जेम्स बाण्ड से पहले ही उठकर चली गई थी और इसीलिये दरवाजा खुला था ।

'गुड मार्निंग मिस्टर चियांग ।' जेम्स बाण्ड जमहाई लेता हुआ बोला।

'मानिंग ।' चांग कान चियांग शुष्क स्वर में बोला- 'आप बहुत देर तक सोते हैं, मिस्टर शेरमन ।'

'देर तक !' जेम्सबाण्ड के चेहरे पर बल पड़ गये । उसने अपनी कलाई पर बन्धी पड़ी पर दृष्टिपात, किया और फिर उसका मुंह खुले का खुला रह

मया ।

दंस बजने को थे ।

मैं माफी चाहता हूं, जनाब ।' जैम्स बाण्ड हड़बड़ाकर बोला । उसी हड़बड़ाहट में वह बिस्तर से निकलने ही वाला था कि उसको ख्याल आया कि उसके शरीर पर कपड़े की एक धज्जी भी नहीं थी
'दरअसल, मिस्टर चियांग, मुझे आपकी वोदका धोखा दे गई । मुझे उम्मीद नहीं थी कि वह इतनी शक्तिशाली शराब होगी कि वह मेरे होश उड़ा देगी ।'

'अगली बार ख्याल रखियेगा।'

'बिल्कुल रखूंगा, साहब । एक बार धोखा खाना काफी होता है।'

'मैं आपको लेने आया था ।'

'मैं अभी पन्द्रह मिनट में तैयार हो जाता हूं ।'

'वैरी गुड । मैं नीचे इन्तजार करता हूं।'

और वह कमर से बाहर की ओर बढ़ा ।'

'मिस्टर चियांग !' जेम्स बाण्ड एकाएक बदले स्वर में बोला।

6

चांग कान् चियांग वापिस घूमा ।

मैं कल से ही ऐसा मौका तलाश कर रहा था कि मैं आपसे

तनहाई में बात...।'

जेम्स बाडं एकाएक चुप हो गया ।

चांग कान चियांग अपने होठों पर उ ंगली रखकर उसे चुप रहने का संकेत दे रहा था ।

जेम्स बाण्ड के होंठ भिच गए । चांग कान चियांग कमरे से बाहर निकल गया ।

'ठीक पन्द्रह मिनट बाद नित्य कर्म से निवृत्त होकर और-पूरी तरह तैयार होकर जेम्स बाण्ड सीढ़ियां उतर रहा था ।

दोनों बंगले से बाहर निकले और सेन्टर की जोर बड़े ।

'वह बंगला -----रास्ते में चांग कान चियांग धीरे से बोला--- 'केवल बाह्र से आये मेहमानों के ठहरने के काम आता है। उसके हर कमरे में माइक्रोफोन छुपा हुआ है ।'

'ओह !' जेम्सबाण्ड बोला और अपनी लापरबाही के लिये मन ही मन अपने आप को कोसने लगा। साम्यवादी देश में ऐसी किसी सम्भावना पर उसे सबसे पहले विचार करना चाहिये था । उसके मानस पटल पर न्यूज रील की तरह पिछली रात को घटनाये घूम गई। वह याद करने की कोशिश कर रहा था कि कहीं उस कोई ऐसी बात तो नहीं कही थी जो उसकी वर्तमान स्थिति में उसके लिये खतरनाक सिद्ध हो सकती हो ।

...उसे देखी कोई बात याद नहीं आई ।

'क्या अब हम बात कर सकते हैं ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा । 'हां, लेकिन केवल सेन्टर की इमारते तक पहुंचने तक"

मिस्टर शेरमन, चीनी इन्टैलीजेंस के लोग गिद्ध की तरह हुम पर निगाह जमाये हुये हैं।'

'क्या बात है ? ये लोग आपका भरोसा नहीं करते क्या ?'

'करते हैं, लेकिन शतप्रतिशत नहीं। जो साल मैंने अमेरिका में गुजारे हैं उनकी वजह से इन्हें हमेशा ही चिन्ता लगी रहती है कि कहीं मेरा थोड़ा

बहुत हृदय परिवर्तन न हो गया हो ।
(६८)

कहीं मैं समाजवादी धारा से प्रभावित न हो गया होऊ । वैसे भी रूसियों के अलावा तुम पहले विदेशी हो, जिसने इस सेन्टर की चार दीवारी में कदम रखा है। इसलिये वे और भी अधिक सावधान हैं ।'

वैसे जो मैं आपको समझ रहा हूं, आप वही हैं न ?'

'मैं वही हूं। मैंने ही तुम्हारे चीफ को सहयोग देने का वादा किया था ।'

'आप कह रहे थे, वक्त बहुत कम है ?'

'हां । बम लगभग तैयार है। दस दिन के भीतर वह सिकियांग के टैस्टिंग सेन्टर में भेज दिया जायेगा ।'

'इसका मतलब यह हुया कि आपने जो कुछ भी करना है, दस दिन से पहले करना है। अगर बम यहां से बाहर चला गया तो आप कुछ नहीं कर पायेंगे ।'

'जाहिर है

'आपको मालूम है न कि कम्प्यूटर में ट्रीगर कहां छुपा हुआ है?'

'मुझे मालूम है, और अब सावधान ! हम जिस पेड़ के नीचे से गुजरने वाले हैं, उसमें भी एक माइक्रोफोन छुपा हुआ है ।'

जेम्स बाण्ड चुप हो गया ।

वे लोग सेन्टर में पहुंच गये ।

जेम्स बॉण्ड ने चांग कान चियांग के साथ ब्रेकफास्ट किया और फिर कम्प्यूटर वाले हॉल में पहुंच गया ।

ली ची तांग पहले ही काम में जुटा हुआ था ।

शाम तक उन्होंने कन्ट्रोल पैनल का सारा पृष्ट भाग उधेड़ डाला ।

कहीं कोई खराबी नहीं थी ।.

अगर ली ची तांग हर सरकट साथ-साथ चैक न कर रहा होता, तो शायद जेम्स बाण्ड यह भी समझ लेता कि खराबी है। लेकिन उसके मशीनरी के न होने जैसे ज्ञान की वजह से
(६९)

उसे खराबी मिल नहीं रही थी ।

जेबरोस्की दिन में कई बार आया, लेकिन हर बार उसे मुंह लटकाये वापिस जाना पड़ा। कम्प्यूटर ठीक न होने की सबसे ज्यादा चिन्ता जेबरोस्की को हो रही थी ।

'तुम इस कम्प्यूटर का एक-एक हिस्सा अलग किये दे रहे हो ।' एक बार जेबरोस्की ने आशंकित स्वर में जेम्स बाण्ड से पूछा- 'बाद में इसे वापिस कम्प्यूटर में फिट भी कर पाओगे ?'

'कोई गारन्टी नहीं है।' जेम्स बाण्ड जानबूझ कर उसकी जान जलाने के लिये बोला- 'इसीलिये तो मैं तुम्हें कह रहा था कि कम्प्यूटर वापिस इंग्लैंड भिजवा दो, ताकि दक्ष मैकेनिक इसकी मरम्मत कर सकें।'

'इतना वक्त नहीं था। तुमने खुद ही सुना, चांग कान चियांग ने क्या कहां था। जितने वक्त में वह इसके ठीक हो जाने की आशा कर रहा है, उतने में तो यह इग्लैंड पहुंच भी नहीं सकता था ।'

जेम्स बाण्ड चुप रहा ।

'अब यह ठीक होगा या नहीं ?'

'मालूम नहीं । कोशिश जारी है।'

'तुम मुझे मरवाओगे ।'

'इसमें मरने की क्या बात है ? अगर मैं कम्प्यूटर ठीक नहीं कर पाया तो इसकी कीमत तुम्हें वापिस लौटाऊंगा।'

"तुम तो कीमत वापिस लौटा दोगे, लेकिन मैं...।'

'मैं, क्या ?'

'कुछ नहीं । और खुदा के लिये इसे ठीक करो ।'

जेबरोस्की चला गया ।

जेम्स बाण्ड और ली ची तांग फिर काम में जुट गये ।

'मिस्टर शेरमन !' एकाएक ली ची तांग गम्भीर स्वर से बोला ।

'यस ।' जेम्स बाण्ड बोला ।
(७०)

मैंने एक बात सोची है।'

'क्या ?'

'क्यों न कन्ट्रोल पैनल को सामने से खोला जाये ?

'कोई गड़बड़ तो नहीं हो जायेगी ?'

खोलकर देखते हैं अगर कोई गड़बड़ होती दिखाई दी तो पैनल वापिस फिट कर देंगे ।'

ओ० के० ! गो अहेड ।'

अगले आधे घन्टे में ली ची तांग ने कन्ट्रोल पैनलं को सामने से खोल दिया ।

तत्काल ही हकीकत सामने आ गई कि कम्प्यूटर क्यों नहीं चल रहा था ।

किसी ने जानबूझ कर मुख्य सरकट की तारों के कनैक्शन उलट-पलट दिये और यह हरकत इतनी जल्दबाजी में की गई थी कि तारों की सूरते देखकर ही बताया जा सकता था कि किन-किन कनेक्शनों में हेर फेर की गई है। कनेक्शनों पर टांके भी ठीक नहीं लगे हुये थे । कम्प्यूटर के भीतर जगह-जगह सोल्डर के दाने से गिरे पड़े थे ।

'चियांग को बुलाओ ।' जेम्स बाण्ड ने आदेश दियो ।

ली ची तांग, चांग कान चियांग को बुलाने चला गया ।

लगभग पांच मिनट बाद वे दोनों वहां पहुंचे। उसके साथ जेबरोस्की भी था ।

जेम्स बाण्ड में बड़े धैर्य से चांग कान चियाग को सारी स्थिति समझा दी ।

'मिस्टर चियांग !' जेम्स बाण्ड बोला-'किसी ने कम्प्यूटर के साथ शरारत की है। किसी ने कम्प्यूटर को जानबूझ कर बिगाड़ा है ।'

'लेकिन ऐसा किसने किया होगा ?' चांग कान चियांग हैरान स्वर से बोला ।

'और कब किया होगा ।' जेबरोस्की बोला ।
(७१)

'हां !' चांग कान चियांग बोला- 'कब किया होगा ? जब से कम्प्यूटर पेकिंग में पहुंचा है, हम लोगों की निगाहें इससे हटी नहीं हैं।'

'लेकिन शरारत सामने है। किसी ने तो की ही है..।' जेम्स बाण्ड बोला ।

'आप हमारे आदमियों पर इलजाम लगा रहे हैं !'

' किसी पर इलजाम नहीं लगा रहा हूं। मैं केवल हकी-कत बयान कर रहा हूं। आखिर आप भी तो मेरे पर इलजाम लगा रहे हैं कि मैंने आपको बिगड़ा हुआ कम्प्यूटर सप्लाई करके आपको ठग लिया है।'

कुछ क्षण कोई कुछ नहीं बोला ।

'जेबरोस्की !' जेम्स बाण्ड जेघरोस्की क्षी ओर घूमा 'तुम ने कम्प्यूटर चीन कैसे भेजा था ?'

'तुम्हारा मतलब है, लन्दन से ?'

'नहीं प्राग से । लुन्दन से तो इसे मैंने बुक करवाया था ।'

'मैंने प्राग में डिलीवरी ले ली थी और इसे सोवोपलोट के एक प्लेन पर पेकिंग के लिये बुक करा दिया था ।'

'प्लेन प्राग से सीधा पेकिंग आया?'

'नहीं, उसका प्राग से पेकिंग सीधा रूट कोई नहीं है। कम्प्यूटर पहले मास्को पहुंचा था। वहां इसे सोवोफ्लोट के पेकिंग जाने वाले प्लेन पर लदवा दिया गया था ।'

प्राग से कम्प्यूटर तुमने कब बुक कराया था ?'

'सत्रह मई को ।'

'और यह पेकिंग कब पहुंजा था ?'

'पांच जून को ।'

"इतनी देर क्यों लगी ?'

जेबरोस्की ने उत्तर नहीं दिया ।

मैंने भी जेबरोस्की से यही सवाल किया था ।' चांग कान चियांग बोला- मैं खुद हैरान था कि प्राग से पेकिग कम्प्यूटर
(७२)

पहुंचने में उन्नीस दिन कैसे लग गये ।'

'इतने दिन इसलिये लगे मिस्टर चियांग ।' जेम्स बाण्ड बोला- 'क्योंकि आपके किन्हीं भाईयों को भी आई० बी० एम० १७५० कम्प्यूटर में उतनी ही दिलचस्पी थी, जितनी की आपको हैं। और आपकी तरह यह कम्प्यूटर उन्हें भी हासिल नहीं है, केवल वह आप जितने जरूरतमन्द नहीं है। क्योंकि वे आई० बी० एम० १७५० जैसे शानदार तो नहीं, लेकिन अच्छे खासे काम चलाऊ कम्प्यूटर खुद तैयार कर लेते हैं। कम्प्यूटर के मास्को पहुंचने पर उन्होंने पेटियां खोल ली होगी और फिर एक-एक पुर्जे की तस्वीर उतार ली होगी और तारों के कनेक्शनों की ड्राइंग तैयार कर ली होगी। बाद में उन्होंने तारें इस इस प्रकार उल्टी सीधी जोड़कर कम्प्यूटर फि पैक कर दिया होगा कि ज्यों ही आप कम्प्यूटर को चालू करने के लिये विस्च दबायें, तत्काल सारे का सारा कम्प्यूटर जलकर खाक हो जाये । कन्ट्रोल पैनल की खतरे की बत्ती की वे या तो तारें काटना भूल गये और या फिर उन्हें समझ नहीं आया कि उस बत्ती का कम्प्यूटर से संम्पर्क कैसे काटा जाता है। यह तो आपका सौभाग्य था कि आपके पास भी ली ची तांग जैसा दक्ष इलैक्ट्रानिक्स इन्जीनियर था और वह इस कम्प्यूटर के बारे में पहले से ही काफी कुछ जानता था । उसी ने आपका कम्प्यूटर खाक हो जाने से बचाया है।'

'कमाल है !' चांग कान चियांग बोला।

'यह कमाल नहीं है। यह जेबरोस्की की जहालत है । अगर इसने आपके और रूस के वर्तमान सम्बन्धों पर ध्यान दिया होता तो यह कम्प्यूटर को रूसी एयर लाइन्स पर बुक कराने की बेवकूफी कभी नहीं करता। इसे कोई ऐसी एयर लाइन्स इस्ते माल करनी चाहिये थी, जिस का प्लेन पेकिंग आने के लिये रूस में से नहीं गुजरता ।'
(७३)

चांग कान चियांग की तीखी निगाह जेबरोस्की पर टिक गई । अपमान और क्रोध से जेबरोस्की का चेहरा कानों तक लाल हो रहा था ।

'मुझे अभी थी विश्वास नहीं कि रूसियों से ऐसा कुछ किया है।' एकाएक वह फट पड़ा ।

शरारत रूसियों की है या नहीं, यह बड़ी आसानी से पता लगाया जा

सकता है।' इस बार बोलने वाला ली ची तांग था - 'हमारे पास रूस की सप्लाई की हुई कुछ इलैट्रानिक्स की मशीनें हैं। मैं लेबोरेट्री के टेस्ट द्वारा उनके सोल्डर के नमूने को इस कम्प्यूटर में गिरे सोल्डर से दोनों को मिलाकर देखता हूं । अगर दोनों का सोल्डर एक ही प्रकार का हुआ, तो यह जरूर रूसियों की शरारते है।'

'गुड आइडिया !' चांग कान चियांग प्रशंसात्मक स्वर से बोला ।

ली ची तांग एक टैस्ट ट्यूब और एक चिमटी ले आया । बड़ी सावधानी से उसने चिमटी की सहायता से सोल्डर का एक-एक दाना उठाकर टैस्ट--ट्यूट में डालना आरम्भ कर दिया ।

कोई सरकारी इनाम देने के अक्तिरिक्त जो सम्भव सम्मान जेम्सबाण्ड को दिया जा सकता था, चीनियों ने दिया । सेन्टर के प्रशासनिक निर्देशक वांग चुंग याओ की अध्यक्षता में सेन्टर में जेम्स बाण्ड के सम्मान में एक भारी समारोह का आयोजन किया गया । आखिर जेम्स बाण्ड ने ही इस बात का संकेत दिया था कि कम्प्यूटर बिगाड़ने में रूसियों का हाथ था और बाद में लेबोरेट्री टैस्ट द्वारा ली ची तांग ने इस बात को सिद्ध भी कर दिखाया था ।

प्रशासनिक निर्देशक वांग चु ंग याओ तो जेम्स बाण्ड पर
(७४)

लट्टू ही हो गया। उसने भरी सभा में जेम्स बाण्ड से अनुरोध किया कि वह कुछ दिन और सेन्टर में ठहरे और उनकी वर्त मान मशीनरी का सर्वे करके उन्हें यह राय दे कि उनके डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम के आधुनिकीकरण की दिशा में क्या किया जा सकता है । उसने जेम्स बाण्ड को यह भी संकेत दिया कि अब वे अपनी जरूरत की मशीनरी जेबरोस्की के माध्यम से हासिल नहीं करना चाहते थे। क्योंकि एक तो जेबरोस्की पर से उनका विश्वास उठ गया था और दूसरे, क्योंकि जेबरोस्की खुद भी लाभ बनाता था, इसलिये उन्हें ब्लैक मार्केट का माल जरूरत से ज्यादा महंगा मिलता था ।

जेम्स बाण्ड विरोध ही करता रह गया कि अब वह सेन्टर में नहीं ठहर

सकता, लेकिन तालियों की गड़गड़ाहट और हर्ष-नाद में उसकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह गई ।

समारोह के बाद जेम्स बाण्ड ने चांग कान चियांग से एकान्त में बात करने का अवसर निकालने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। अन्त में बात को किसी मुनासिब मौके के लिये छोड़ कर वह बेंगले में वापिस लांट आया ।

सन यान- बाथरुम में थी। उसके भूरे रंग का बेढंगा-सा कोट एक सोफे पर पड़ा था । जेम्सबाण्ड कोट उठाकर सोफे पर बैठ गया । कोट उसने अपनी गोद में रख लिया।

'डालिंग ! जेम्स बाण्ड ने आवाज लगाई ।

'मैं बाथरूम में हूं ।' शावर में से सन यान की आवाज बड़ो मुश्किन से उभर पाई ।

'मुझे मालूम है । जल्दी बाहर आओ ।'

'अच्छा ।'

जेम्स बाण्ड ने एक सिगरेट सुलगा'ली ।'

वह सेन्टर में एक क्षण भी नहीं ठहरना चाहता था ।

कम्प्यूटर ठीक हो गया था और इसलिये अब वह चांग कान चियांग के अधिकार में आ गया था। वह कभी भी कम्प्यूटर में से ट्रीगर निकाल सकता था और उसे बम के साथ फिट कर सकता था और जेम्स बांड कोई हंगामा होने से बहुत पहले चीन से निकल जाना चाहता था ।

लेकिन प्रशासनिक निर्देशक वांग चु ंग याओ की अनुमति के बिना सेन्टर से निकल पाना सम्भव नहीं था। और चोरी-छिपे सेन्टर से भाग निकलने का प्रयत्न करने का कोई लाभ नहीं था । उसका पासपोर्ट अधिकारियों के पास था। पासपोर्ट के बिना चीन से बाहर निकलना सम्भव नहीं था ।

अनजाने में उसका हाथ सन यान के कोट पर फिर रहा था । एकाएक उसकी उंगलिया किसी सख्त चीज से टकराई । जेम्स बाण्ड ने देखा, यह सख्त चीज कोट में नहीं, कोट की सीवन के नीचे छुपी हुई थी ।

*जेम्स बाण्ड की उत्सुकता जाग उठी। पहले उसने उस सख्त चीज को बाहर ही टटोला। वह एक सिगरेट के लाइटर जैसी कोई चीज थी। जेम्स बाण्ड ने कोट को टटोल-टटोलकर वह रास्ता तलाश किया, जिधर से वह चीज सीवन के भीतर सरकाई गई थी, उसने दो उंगलियों की सहायता से वह चीज बाहर खींच ली। वह सिगरेट लाइटर से भी छोटा शानदार जापानी कैमरा था।

जेम्स बाण्ड के बेहरे पर हैरानी के भाव उभरे। उसकी निगाहें अपने आप बाथरूम के बन्द दरवाजे की ओर उठ गई । बाथरूम से शावर की आवाज आनी बन्द हो गई थी ।

जेम्स बाण्ड ने कैमरा यथा स्थान सरका दिया और कोट को एक अन्य सोफे पर डाल दिया ।

फिर जेम्स बाण्ड को पिछली रात की घटना का ख्याल आया ।

क्या वह वाकई वोदका के नशे की वजह से दो घन्टे तक

सोया रहा था ?'

या उसमें भी सन यान की कोई शरारत थी ?

एक बात निश्चित थी ।

सन यान केवल गाइड और दुभाशिया ही नहीं थी। वह कुछ और भी थी। शायद चायनीज सीक्रेट, सर्विस की एजेन्ट, जिसे जेम्स बाण्ड पर हर वक्त निग्रानी रखने के लिये ही उसके साथ चिपकाया गया था । शायद इसीलिये वह जेम्स बाण्ड के साथ हम बिस्तर होने से भी एतराज नहीं करती थी, ताकि जम्स बाण्ड हर समय उसकी निगाहों में रहे ।

उसी क्षण सन यान बाथरुम से बाहर निकली। वह ताजा खिले फूल जैसी तरोताजा लग रही थी ।

जेम्स बाण्ड ने सिगरेट ऐश ट्र में झोंक दिया और अपने स्थान से उठ, खड़ा हुआ। उसने अपनी बांहें फैला दी ।

सन यान कुछ क्षण ठिठकी और फिर आगे बढ़कर जेम्स बान्ड के आलिंगन में सिमट गई ।

जेम्स बांड ने अपने आतुर होंठ उसकी गुलाब जैसी पंखड़ियों वाले होठों पर रख दिये ।

सन यान के नेत्र बन्द हो गये। यह लता की तरह जेम्स बांड के शरीर से लिपट गई ।

कई क्षण वे यू ही एक दूसरे के आलिंगन में बन्धे खड़े रहे। फिर सन यान उससे अलग हट गई। उसके होठों पर एक मीठी मुस्कराहट थी और गालों पर शर्म की लाली थी।

वह चुपचाप अपना कोट पहनने लगी।

फिर पिछले दिन की ही तरह वोदका का दौर चला ।

फिर खाना ।

अन्त में जेम्स बांड उसे अपनी बांहों में समेटे बैडरूम में ले आया ।

पिछली रात की वोदका की बोतल अभी भी मेज पर पड़ी थी ।

(७७)

'स्वीटहार्ट !' जेम्स बाण्ड मीठे स्वर में बोला-'तुम एक एक जाम तैयार करो । मैं बाथरूम होकर आता हूं ।'

सन यान ने सहमतिसूचक ढंक से सिर हिलाया। जेम्स बांण्ड लापरवाही से

बाथरूम की ओर बढ़ गया ।

बाथरुम के सामने वाली दीवार पर एक शीशा लगा हुआ था । जेम्स बाण्ड ने बाथरूम का दरवाजा आधा ही बन्द किया । कमरे की और उसकी पीठ थी लेकिन शीशे में डबल बैंड और उसके समीप पड़ी मेज जिस पर वोदका की बोतल रखी थीं, स्पष्ट रूप से प्रतिबिम्बित हो रही थी ।

उसने सन यान को फुर्ती से दो गिलासों में शराब डालते देखा । फिर एक गिलास में एक छोटी-सी गोली दी। गोली वाला गिलास' उसने भेज पर ही रहने दिया और दूसरा गिलास उसने अपने हाथों में ले लिया ।

जेम्स बांड बाथरूम से बाहर निकल आया ।

मेज पर पडा गिलास उसने उठा लिया ।

'चियर्स ।' सन यान बोली ।

'चियर्स ।' जेम्स बांड बोला ।

सन यान ने अपने गिलास में से वोदका का एक घू ंट हलक से नीचे उतारा ।

जेम्स बांड ने गिलास में से एक घूट भरने का केवल बहाना किया और फिर उसने अपना गिलास मेज पर रख दिया और सने यान को अपनी बांहों से ले लिया ।

'अरे, अरे ।' सन यान हड़बड़ाकर बोली- 'शराब बिखर जायेगी । कपड़े खराब हो जायेंगे ।'

'कपड़े उतार दो ।

'लेकिन सब्र तो करो ।'

'सब्र नहीं होता ।'

जेम्स बांड ने उसके हाथ से शराब का गिलास लेकर मेज पर - रख दिया । सन यान की निगाहें फौरन गिलास की ओर उठ

(७८)

गई । उसने देखा उसका गिलास जेम्स बांड के गिलास की दांई ओर रखा था ।

जेम्स बांड के दक्ष हाथों ने सन यान के शरीर से उसके कपड़े अलग करने आरम् कर लिये।

फिर उसने सन यान के नग्न शरीर को मजबूती से अपने आलिंगन में जकड़ लिया । कुछ क्षण के लिये उसके शरीर से सन यान का शरीर एकदम ढक गया। उसके होंठ सन यान के होठों से सट गये । उसका हाथ फुर्ती से मेज की ओर बढ़ा और अगले ही क्षण बोदका के गिलास की पोजीशन बदली हुई । सन यान के गिलास की जगह जेम्स ब्रांड का गिल'स था और जेम्स बाण्ड के गिलास की जगह सन यान का गिलास था ।

'मेरा दम घुट रहा है।' सन यान घुटे स्वर में बोली ।

जेम्स बांड ने उसके होठों से अपने होंठ हटा लिये । उसने सन यान के शरीर से अपनी पकड़ ढीली कर दी ।

सन यान उसके शरीर के नीचे से निकल गई। उसने करवट बदली और मैंज पर से दाई ओर का गिलास उठा लिया ।

'बाटम्स अप ।' सन यान बोली,।

'मंजूर ।' जेम्स ब्राण्ड बोला । उसने दुबारा गिलास रठा लिया ।

दोनों ने एक सांस में गिलास खाली कर दिये ।

जेम्स बाण्ड ने सन यान के हाथ से खाली गिलास ले लिया और फिर द्वोनों गिलास मेज पर रख दिये ।

सन यान ने फिर करवट बदली और अपनी बाहें फैला दीं ।

अगले ही क्षण वह फिर एक दूसरे के आलिंगन में थे ।

कुछ क्षण जेम्स बाण्ड की बांहें मजबूती से सन यान के शरीर से लिपटी रहीं, फिर उसने अपनी पकड़ ढीली कर दी और नेत्र बन्द कर लिये ।

'क्या हुआ ?' सन यान बोली ।
(७९)

'नींद आ रही है।' जेम्स बाण्ड एक लम्बी जमहाई लेकर बोला ।

'अभी से !'

'हां । आई एम सॉरी, डालिंग ।'

'नैवर माइन्ड । सन यान यू बोली से उसे भारी अफसोस हो रहा हो ।

जेम्स बाण्ड ने अपने हाथ पांव बिल्कुल ढीले छोड़ दिये और सन यान की छाती पर लुढक गया ।

सन यान के चेहरे पर एक सतोष की मुस्कराहट उभरी, फि उसके नेत्र भी भारी होने लगे ।

एक मिनट से भी कम समय में वह चेतना खो बैठी ।-लगभग दस मिनट बाद जेम्स बाण्ड नेत्र 'खोले ।.

'सन यान ।' उसने धीरे से आवाज लगाई ।

सन यान के शरीर में कोई हरकत नहीं हुई ।

'डालिंग ।' जेम्स बाण्ड जोर से बोला ।

कोई प्रतिक्रिया नहीं ।

'स्वीट हार्ट !' साथ ही जेम्स बाण्ड ने उसके शरीर को धीरे से झिंझोड़ा।

'ऊ' हूं ।' सन यान बिना नेत्र खोले धीरे से बुदबुदाई । जेम्स बाण्ड ने तत्काल अपना हाथ खीच लिया ।

सन यान के शरीर में कोई हरकत नहीं हुई ।

जेम्स बाण्ड ने एक सिगरेट सुलगा लिया ।

चार सिगरेटों के बाद उसने एक बार फिर सन यान के शरीर को झिंझोड़ा और उसके कान के पास अपना मुंह ले जाकर उसे आवाज दी ।

सन यान के शरीर में कोई हरकत नहीं हुई ।

जेम्स बाण्ड ने मेज पर रखी टाइमपीस पर निगाह डाली ।

साढ़े बारह बजे थे ।

'उसने घड़ी को डेढ़ घण्टा आगे कर दिया ।

'अब घड़ी में दो बजे थे ।

जेम्स बाण्ड ने बांये हाथ में घड़ी उठा ली और दांये हाथ से बड़ी बेरहमी से सन यान यान को झिंझोड़ा ।

सन यान ने बड़ी मुश्किल से नेत्र खोले ।

'ऊ' हूं।' वह शीले स्वर से बोली- 'सोने दो न ।'

'डालिंग, दो बज गये हैं...।' जेम्स बांड मीठे स्वर में बोला ।

'तो बजने दो। फर क्या हुआ ?'

'लेकिन...।'

तब तक सन यान के नेत्र फिर बन्द हो चुके थे ।.

जेम्स बाण्ड के होठों पर एक सन्तुष्टि पूर्ण मुस्कराहट उभरी । उसने टाइम पीस मेज पर रख दी और पलंग से नीचे उतर आया । उसने कपड़े पहने और दीन-दुनिया से बेखबर सन यान पर एक आखिरी निगाह डालकर बैडरूम से बाहर निकल गया ।

वह बंगले से बाहर निकल आया ।

चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था ।

वह सावधानी से चांग कान चियांग के बंगले की ओर बढ़ा

वह निविघ्न बंगले तक पहुंच गया ।

बंगले की एक खिड़की खुली थी ।

जम्स बाण्ड फुर्ती से उस खिड़की की चौखट परं चढ़ ग्या और निशब्द भीतर कूद गया ।

: 'कौन है ?' तत्काल उसके कानों में एक उनींदा किन्तु तीव्र स्वर पड़ा ।

वह चांन कान चियाग की आवाज थी ।

सौभाग्यवश वह सीधा उसके बैडरूम में ही पहुंच गया था ।

'मैं हूं।' जेम्स बान्ड होठों में बुदबुदाया- 'पाल शेरमन ।'

'खिड़की बन्द कर दो। चांग कान का तीव्र स्वर उसके कानों में पड़ा ।

जेम्स बाण्ड ने तत्काल खिड़की बन्द कर दी और उस पर भारी पर्दा खींच दिया ।

चांन कान चियांग ने टेबल लैम्प का स्वीच ऑन कर दिया ।

कमरे में हल्का सा प्रकाश फैल गया ।

'यह क्या हरकत हुई ?' चांग कान चियांग रूष्ट स्वर में बोला ।

'यह हरकत जरुरी थी।'

सन यान ने अभी तक अधिकारियों को तुम्हारी इस हरकत को खबर भी कर दी होगी ।'

'ऐसा कुछ नहीं होगा। उसे पता भी नहीं लगेगा कि मैं यहां आया था ।'

चांग कान चियांग ने प्रश्नसूचक नेत्रों से जेम्स बाण्ड की और देखो ।

'पिछली रात मैं वोदका के नशे की वजह से ज्यादा देर नहीं सोया रहा था। पिछली रात सन यान ने मेरी शराब में बेहोशी की दवा मिला दी थी। आज भी उसने वैसी ही कोशिश की थी। आज मैं वही शराब उसे पिला आया हूं। वह मेरे बैडरूम मैं बेहोश पड़ी है।

'फिर भी तुम्हे यहां नहीं आना चाहिए था। अगर किसी गार्ड ने तुम्हें यहां आते या यहां से जाते देख लिया तो...?'

'मुझे यहां आते किसी ने नहीं देखा है और मैं जाती बार -भी ख्याल रखूंगा ।'

'फिर भी यू चोरों की तरह यहां आने की क्या जरूरत थी ?'

'जरूरत थी । मेरा आपसे फौरन बात करना जरूरी था। और तनहाई का मौका ही नहीं मिल रहा था।'

'क्या बात करना चाहते हो?'

'कम्प्यूटर, ठीक हो गया है। साथ ही मेरा काम खत्म हों गया है। आपका आगे का क्या प्रोग्राम है ?'

'आगे का प्रोग्राम ट्रीगर पर निर्भर करता है अगर ट्रीगर का नॉप - जोख ठीक हुआ तो बाकी काम मामूली है। उसे सिर्फ बम के साथ कनैक्ट ही करना है।'

'और बम कब तैयार होगा ?'

- 'पांच छैः दिन में तैयार हों जाएगा । काम की रफ्तार बढ़ाई जा रही है ।'

'आप कोई पक्की तारीख नहीं बता सकते ? मेरे लिये बम फटने के वक्त से पहले यहां से निकल जाना बहुत जरूरी है।'

'ज्यादा वक्त नहीं है। जल्दी से यहाँ से निकल जाना चाहिए।'-

'और आप ?।

मेरी चिन्ता मत करो। मैंने अपना इन्तजाम किया हुआ है

'क्या इन्तजाम किया हुआ है ?',

चांग कान चियांग ने उत्तर नहीं दिया ।

'लेकिन वॉग चु ंग याओ मुझे जाने कहां दे रहा है ? उसने तो मुझे कई दिन का काम बता दिया है'

'जब तक तुम, जो वह चाहता है, "करोगे नहीं वह तुम्हें जाने नहीं देगा। इसलिए तुम जल्दी से जल्दी उसका काम निपटाओ यहां और से फूट जाओं ।'

'लेकिन वह मुझे मेरी मर्जी के खिलाफ जबरदस्ती यहां कैसे रोक सकता है ??

रोक सकता है। प्रत्यक्षतः वह तुम्हारे साथ जबदरस्ती नहीं करेगा। लेकिन

वह तुम्हें जाने भी नहीं देंग।। पासपोर्ट के विना तुम चीन से बाहर नहीं निकल सकसे। वह माफी मांगता हुआ वड़े मीठे शब्दों में तुमसे कहेगा कि कर्मचारियों की लापरवाही

(८३)

से तुम्हारा पासपोर्ट कहीं इधर-उधर हो गया है। पासपोर्ट की तलाश जारी है. ज्यों ही पासपोर्ट मिल जाएगा, तुम्हें विदा कर दिया जाएगा । और विश्वास जानों, पासपार्ट तब तक नहीं मिलेगा जब तक तुम उसको काम नहीं करोगे ।'

'मुझे मालूम है। यह कम्यूनिस्टों की पुरानी ट्रिक है ।'

'फिर तो तुम्हें यह समझाने की जरूरत ही नहीं कि वांग। चुग याओ का काम फौरन करना तुम्हारे लिए कितना जरूरी हैं। बस का विस्फोट होने से पहले अगर तुम चीन से बाहर न निकल पाये तो तुम निश्चय ही गिरफ्तार कर लिए जाओगे और फिर चीनी सरकार को यह मालूम हए बिना नहीं रह सकेगा किं उनके सेन्टर की तबाही के पीछे अमेरिका और इंग्लैण्ड का हाथ था । और तुम जानते ही हो कि ऐसे में किसी रहस्योद्धा-टन का अंजाम कितना खतरनाक हो सकता है।'

'आप मेरे यहां से निकल जाने तक अपना प्रोग्राम मुल्तवी नहीं कर सकते ?'

नहीं कर सकता । चाहकर भी नहीं कर सकता। अगर मैंने बम का विस्फोट, बम के तैयार हो जाने के फौरन बाद न किया तो बम सिकियांग पहुंच जाएगा। एक बार सेन्टर से बाहर निकल, जाने के बाद मुझे बम की हवा भी नहीं लगेगी। इसलिए मैंने जो करना है, फौरन करना है।'

जेम्स बॉन्ड उसके सामने चुपचाप बैठा हुआ चिंतित मुद्रा में बैठा रहा।

'आखिर तुम्हारी समस्या क्या है ?' चांग कान चियांग बोला- 'वांग चु ंग याओ जो कहता है, उसे जल्दी से करो और यहां से निकल जाओ ।'.

'वह जो कह रहा है, उसे करने, की काबलियत मेरे में नहीं है।' जेम्स बाण्ड

धीरे से बोला ।

'क्या मतलब ?'

'मैं इलैक्ट्रानिक्स इन्जीनियर नहीं हूं। मुझे इलैक्ट्रानिक्स

की ए बी सी भी नहीं आती ।'

'क्या !'

'मैं पाल शेरमन भी नहीं हूँ। मेरा नाम जेम्स बाण्ड है। मैं ब्रिटिश सीक्रेट सरविस के विभाग का एजेन्ट हूं।'

'ता तो तुमने तुमने कम्प्यूटर ठीक कैसे कर दिया ?।'

'मैंने कुछ भी नहीं किया है। आप लोगों को ऐसा लगता है कि कम्प्यूटर मैंने ठीक किया है। वास्तव में सब कुछ आपके इन्जीनियर ली ची तांग ने किया है। मैंने तो सिर्फ ऐसा ड्रामा किया था जिससे यह जाहिर हो काम मैं कर रहा हूं. या काम मेरे निर्देशन पर हो रहा है।'

चांग कान चियांग मुह बाये जेम्स बाण्ड का मुंह देखने लगा। उसके मुह से बोल नहीं फूटा ।

'वधांग चुगाओ चाहता है कि मैं उनकी सारी, मशीनें देख 'कर उसे यह बताऊ कि सारे सिस्टम के आधुनिकरण के लिए किन-किन नई मशीनों की जरूरत है, और मैं किसी मशीन की शक्ल देखकर यह भी नहीं बता सकता हूं कि वह कोई इलैक्ट्रा-निक्स कम्प्यूटर है, या कपड़े धोने की मशीन ।'

'कोई फर्क नहीं पड़ता।' एकाएक चांग कान- चियांग बोला - अंगर इन मशीनों के बारे में तुम कुछ नहीं जानते हो तो बांन चुग याओ तो कतई कुछ नहीं जानता। जिन मशीनों की हमें जरूरत है उसकी लिस्ट कल उसे मैंने ही देनी है। वह तुमसे यह अपेक्षा करता है कि तुम उनकी मौजूद

मशीनें चैक करके देख लो कि लिस्ट में कोई ऐसी मशीन तो नहीं जो हमारे पास पहले से ही हो या जो थोड़ों बहुत मरन्मत के बाद काम आ सकती हो । लिस्ट में लिखी जो मशीनें हर हालत में जरूरी है, मैं उन पर पिन से निशान लगा दूंगा। फिर तुम्हारा काम

आसान हो जायेगा। फिर तुम्हें हमारी मौजूद मशीनरी देखने को ड्रामा ही करना पड़ेगा, जबकि वास्तव में देखना तुम्हें कुछ भी नहीं होगा।'

'बड़ी मेहरबानी 'आपकी ।' जेम्स बाण्ड शान्ति की एक दीर्घ निश्वास लेता हुआ बोला- 'आपने मेरी जान मुसीबत से बचा ली ।'

'और ?'

'एक आखिर बात और ।'

'क्या ?'

'आप सन यान के बारे में क्या जानते हैं ?'

'वह सरकारी टूरिस्ट एजेन्सी की कर्मचारी है और तुम्हारे लिए गाइड और दुभाषिये के रूप मैं नियुक्त की गई है।'

'श्योर.?'

'तुम्हें कोई शक है ?'

'मैंने उसके पास एक ऐसी चीज देखी है, जिसका टूरिस्ट एजेन्सी के कर्मचारी के पास कोई काम नहीं होना चाहिए।'

'क्या देखा है, तुमने ?'

'उसके कोट की सीवन में एक सिगरेट लाइटर के साइज का जापानी मिनी कैमरा छिपा हुआ है।'

चांग कान चियांग कुछ क्षण चुप रहा और फिर गम्भीर स्वर से बोला- 'वह जरूर तुरंग मेंग से सम्बन्धित है ।"

'तु'रंग मेंग क्या बला है?'

'वह, चीनी सीक्रेट सर्विस का एक विभाग है, जो चीन में सक्रिय विदेशी एजेन्टों की गतिविधि पर निगाह रखता है।'

'तो क्या उन्हें मालूम है कि मैं विदेशी एजेन्ट हूं ?'

: 'जैसा बर्ताव वे तुम्हारे साथ कर हैं, उससे तो ऐसा नहीं। लगता, लेकिन अगर सन यान, तु'रंग मेंग से सम्बन्धित है, तो कामरेड, तुम्हें बेहद सावधान रहना चाहिये ।'

चेतावनी के लिये शुक्रिया। बन्दा चला ।'

(८६)

'सावधानी से जाना । अगर किसी ने तुम्हें मेरे बंगले से निकलता देख लिया तो गजब हो जायेगा ।'

'चिन्ता मत करिये।'

चांग कम्न चियांग ने टेबल लेम्प का स्विच ऑफ करूं दिया ।

'जेम्स बाण्ड ने खिड़की से पर्दा हटाया, खिड़की खोली और निशब्द बाहर कूद गया ।

उसने सावधानी से चारों और दृष्टि दौड़ाई । वह सावधानी से अपने बंगले की ओर बढ़ा ।

कहीं कोई नहीं था ।

'रुको ! कौन जाता है ?' एकाएक एक कर्कश स्वर उसके कानों में पड़ा। साथ ही टार्च का तीव्र प्रकाश उसके चेहरे पर पड़ा ।

जेम्स बाण्ड ठिठक गयो ।

एक ब्रेनगन-धारी चीनी गार्ड उसके सामने आ खड़ा हुआ

समीप आते ही उसने जेम्स बाण्ड को पहचान लिया ।

'मिस्टर शेरमन, आप यहां क्या कर रहे हैं?" वह टूटी-फंदी अंग्रेजी में बोला ।

'मुझे गर्मी लग रही थी।' जेम्स बाण्ड सहज से बोला- 'मैं थोड़ी हवा खाने के लिये निकल पड़ा था ।'

'इस वक्त ?'

हां।

'रात के दो बजने वाले हैं' साहब !'

'मुझे मालूम है ।'

'आप इधर कहां गये ??

'यू' ही, जिधर कदम उठें चला गया।'

'उधर डायरेक्टर चांग कान चियांग का बंगला है ।

'हो सकता है।'

'मैंने आपको उनके बंगले से निकलते देखा था ।'

'तुम्हें गलतफहमी हुई है ।'

'और मुझे ऐसा लगा था, जैसे आप उनकी खिड़की से बाहर कूदे हों ।'

जेम्स बाण्ड यू हंसा, जैसे उसने भारी मजाक की बात सुन ली हो ।

'आई एम सॉरी, सर ।' गार्ड निर्णयात्मक स्वर में बोला - 'मुझे आपको अपने इंचार्ज के पास ले जाना पड़ेगा ।'

' क्या बकवास है ? !!

'मेहमानों को रात को अकेले अपने बंगले से बाहर निकलने की इजाजत नहीं है।'

'मुझे मालूम नहीं था ।'

'आपको मेरे साथ इचार्ज के पास जाना होगा।'

'मैं नहीं जाऊंगा।'

'आप मुझे ज्यादा बखेड़े वाला तरीका इस्तेमाल करने पर मजबूर कर रहें हैं।'

'क्या करोगे तुम ?'

गार्ड ने उत्तर नहीं दिया। अपनी यूनीफॉर्म की जेब से उस ने एक सीटी निकाल ली। उसका सीटी वाला हाथ उसके होठों की ओर बड़ा ।

'ओ० के० । ओ० के० । चलो, कहां चलना है ।

'दाई ओर चलिये ।'

जेम्स बाण्ड दाई ओर चलने लगा।

गार्ड ने सीटी जेब में रख ली और ब्रेनगन संभाले जेम्स. बाण्ड से दो कदम पीछे चलने लगा ।

गार्ड उसे सेन्टर की विशाल इमारतों से अलग दाई ओर बनी बैरकों जैसी इमारत की ओर ले जा रहा था।

एकाएक जेम्स बाण्ड ने रास्ते में पड़े एक पत्थर से ठोकर खाई ।

'सम्भल के ।' गार्ड तीव्र स्वर से बोला और किसी अज्ञात
(८८)

भावना से प्रेरित होकर उसने अपना हाथ जेम्स बाण्ड की बांह में डाल दिया ।

जेम्स बाण्ड की कोहनी हथौड़े की तरह गार्ड की पसलियों से टकराई। । गार्ड दोहरा हो गया। जेम्स बाण्ड बिजली की फुर्ती से घूमा और उसके दायें हाथ का घू' सा हजार मन के पत्थर की तरह गार्ड के जबाड़े से टकराया। गार्ड के हाथ से ब्रेनगन निकल गई और वह जमीन पर लोट गया। जेम्स बाण्ड ने उसके ऊपर छलांग लगा दी उसका एक हाथ सीधा गार्ड के मुंह पर जाकर पड़ा और दूसरा हाथ इसकी गर्दन से लिपट गया । गार्ड के मुहं से 'गों-गों की अवाज निकलने लगी और वह उसकी गिरफ्त से छुटने के लिये छटपटाने लगा । जेम्स बांड उसकी गर्दन पर अपनी मजबूत बांह का प्रहार निरन्तर बढ़ता रहा।

अन्त में गार्ड के हाथ-पांव ढीले पड़ गए।

जेम्स बाण्ड ने अपनी पकड़ ढीली कर दी। गार्ड का निर्जीव शरीर जमीन पर लोट गया। जेम्स बाण्ड हांफता हुआ उठ खड़ा हुआ ।

गार्ड की आंखें कटोरियों से बाहर निकली पड़ रही थीं और जुबान बाहर लटक रही थी। वह मर चुका था ।

जेम्स बान्ड ने उसकी ब्रेनगन और टार्च उठाकर रास्ते से दूर फेंक दी। उसके लिये गार्ड की लाश छुपाना बहुत जरूरी था और लाश छुपाने की एक शानदार जगह उसके दिमाग में फौरन ही आ गई ।

वहां से थोड़ी ही दूर एक तेजाब का बहुत बड़ा टैंक था । पिछले दिन उसने टैंक पर गंधक के तेजाब की तख्ती लगी देखी थी । जेम्स बाण्ड ने गार्ड को लाश को कधे पर लादा और उस ओर चल दिया ।

टैंक के आस-पास कोई नहीं था वह सावधानी से टैक

की लोहे की सीढ़ी चढ़ गया। सीढ़ी के आखिरी छोर पर पहुंच कर उसने अपना' एक हाथ स्वतन्त्र किया और उससे टैंक का: विशाल ढक्कन एक ओर सरकाया। फिर उसने धीरे से लाश को टैंक के कोने पर रखा और फिर उसे टैंक के भीतर धकेल दिया । उसने ढक्कन को यथा स्थान सरकाया और नीचे उतर आया । :

वह सीधा अपने बंगले की ओर बढ़ा ।

वह अपने बैडरूम में वापिस पहुंचा ।

सन यान पूर्ववत बिस्तर पर पड़ी थी ।

जेम्स बाण्ड ने घड़ी देखी ।

घड़ी साढ़े तीन बजा रही थी ।

जेम्स बांड ने घड़ी को डेढ घन्टा पीछे कर दिया ।

उसने कपड़े उतारे और बिस्तर पर सन यान की बगल में पहुंच गया ।

सन यान ने करवट बदली। उसकी बांहें जेम्स बाण्ड के शरीर से लिपट गई ।

और फिर एकाएक उसने नेत्र खोल दिये । वह कुछ क्षण यू जेम्सबांड को देखती रही जैसे उसे पहचान नहीं पा रही हो और फिर उनींदे स्वर से बोली- 'मिस्टर शेरमन ।'

यस डालिंग ।' जेम्स बाण्ड प्यास भरे स्वर में बोला ।

'तुम कहां चले गये थे ?'

'मैं तो कहीं भी नहीं गया था ।'

'दो बजे तुम कहीं गये थे ।

जेप्सबांड ने जोर का अट्टहास किया और फिर बोला-घड़ी देखो ।'

सन यान ने आंख मिचमिचाकर घड़ी की ओर दृष्टिपात किया ।

घड़ी में दो बचकर दो मिनट हुए थे । सन यान के चेहरे पर उलझन के भाव उभर आए ।

(९०)

'कमाल है !' वह बोली- 'थोड़ी देर पहले मुझे ऐसा लगा था, जैसे तुम मेरे पहलू में नहीं हो ।'

'तुमने जरूर कोई सपना देखा है डालिंग ।' जेम्स बाण्ड बोला।

'सपना! हां, हो सकता है सपना देखा हो । सपना ही ही होगा । तुम तो मेरे पास हो ।..

'क्या सपना देखा था तुमने ?'

'मुझे यू' लगा, जैसे तुमने मुझसे कहा हो कि डालिंग दो बजे हैं और फिर कहीं चले गये हो और फिर बहुत देर बाद लौटे हो ।'

'यह तो मैंने तुमसे कहा था ।

'क्या ?'

'कि डालिंग, दो बजे हैं ।'

'क्यों ?'

'तुम्हीं ने तो समय पूछा था । मुझे तो वड़ी गहरी नींद आ रही थी । तुमने बुरी तरह झिंझोड़कर जगाया और मुझसे टाइम पूछा । अभी दो मिनट पहले की तो बात हैं ।'

सन यान की निगाह एक बार फिर घड़ी की ओर उठ गई ।

'तुम्हें नींद कैसी आ रही है ? एकाएक सन यान ने पूछा ।

'बहुत तगड़ी । आंखें नहीं खुल रही। तुम्हारी चीनी बोदका तो बहुत कातिल है। होश उड़ा देती है।'

'सो जाओ ।' संन यान बोली और उसने जेम्स बाण्ड का सिर अपने नग्न वक्ष पर खींच लिया ।

जेम्सबांड ने नेत्र बन्द कर लिये।।

अगले दिन वांग चुंग याओ ने जेम्स बाण्ड, को अपने आफिस में बुलाया और उसे पांच फुल स्केप कागजों में टाइप की हुई इलैक्ट्रानिक्स मशीनरी की एक लम्बी लिस्ट सौंप दी।
(९१)

जेम्स बाण्ड ने लिस्ट देखी और बोला- 'अगर इस लिस्ट में से एक चौथाई मशीनों की भी आपको जरूरत हुई, तो, भी आपके करोड़ों डालर खर्च हो जायेंगे ।'

'कीमत की परवाह मत कीजिये, मिस्टर शेरमन ।' वांग चु ंग याओ बोला- 'ऐसे कामों के लिये हमारी सरकार की ओर से धन खर्चने पर कोई पाबन्दी नहीं है ।'

'आई सी।

'और भविष्य में मशीनरी हम आपके ही माध्यम से खरी-दना चाहते हैं।'

'लेकिन यह सारी मशीनरी आपको ब्लैक मार्केट के रेट पर मिलेगी।'

'कोई हर्ज नहीं । आपकी जानकारी के लिये हमारा जेब-रोस्की से किसी भी प्रकार का सम्बन्ध खतम हो गया है। अब, जबकि एक मुनासिब आदमी से हमारा सीधा सम्पर्क बन गया है, हमें बिचौलिये की जरूरत दिखाई नहीं दे रही है। वैसे भी जेबरोस्की द्वारा सामान सप्लाई होने पर हमें डबल ब्लैक मेल का सामना करना पड़ता है। आप से माल हासिल होने

पर हमें ब्लैकमेल की कीमत एक ही बार देनी पड़ेगी ।'

जेस्स बांड चुप रहा ।

'मैंने कम्प्यूटर हॉल के चौकीदारों को निर्देश दे दिया है। उस विग में किसी भी समय आपकी आवाजाही पर कोई रोक थाम नहीं होगी।' !

'थैंक्यू !'.

'लेकिन और किसी सेक्शन में आप नहीं जा पायेंगे आप हमारी स्थिति समझते हुए हमें माफ फरमायेंगे। 'सिक्योरिटी के लिहाज से एसा करना जरुरी है। मुझे विश्वास है, ऐसे स्थानों में आपके देश में ऐसी सावधानी जरुर बरती जाती होगी ।'

'नेवर माइड दैट । मुझे और किसी सेक्शन में जाने की
(९२)

जरुरत भी नहीं है।'

'थैंक्यू । मेरा ख्याल है, यह लिस्ट चैक करने में आपको तीन-चार दिन तो लग ही जायेंगे। उसके फौरन बाद मैं आपके स्वदेश लौटने की व्यवस्था करवा दूंगा ।'

'अगर मेरा काम जल्दी हो गया तो ?"

'तो मैं आपकी वापसी का इन्तजाम जल्दी करवा दू ंगा ।'

'आल राइट ।' जेम्स बाण्ड अपने स्थान से उठता हुआ बोला ।

'और मिस्टर शेरमन...।'

'यस ।'

अगर आपको किसी भी चीज की जरुरत हो या किसी भी तरह की जरुरत हो तो सीधे मुझसे सम्पर्क स्थापित कीजिएगा । मैं आपको हर

समय आपकी हर सेवा के लिये तैयार मिलू ंगा ।'

'थैंक्यू वेरी मच ।'

जेम्स बाण्ड उसके आफिस से बाहर निकल आया। वह एक क्लार्क रुम में चला गया और यहां उसने बड़ी बारीकी से लिस्ट को चैक किया ।

चांग कान चियांग ने इतनी सावधानी से पिनों के निशान लगाये थे कि आंखों से तो दिखाई ही नहीं देते थे और उग-लियों से भी बड़ी बारीकी से टटोलने पर ही उनके अस्तित्व का आभास मिलता था. ।

चांग कान चियांग की मेहरबानी से जेम्स एण्ड को पहले ही मालूम था कि उन्हें किन मशीनों की जरुरत थे। । लेकिन फिर भी चैकिंग के अभिनय में उसे कम से कम दो दिन जरुर लगाने थे । इसका मतलब था कि परसों से पहले उसकी रवानगी नहीं हो सकती थी और वह भी तब सम्भव था, जबकि वांग चु ंग याओ उसकी रवानगी को इन्तजाम तुरन्त करवा दे ।

और पता नहीं उसका पासपोर्ट कहां था और किसके पास था।

(९३)

वह क्लार्क रूम से बाहर निकल आया और कम्प्यूटर हॉल. की ओर बढा ।

रास्ते में वह जेबरोस्की से टकरा गया ।

'हैल्लो! जेम्स बाण्ड मधुर स्वर में बोला ।

जेबरोस्को ने उसकी ओर देखा और फिर ऐसी शक्ल बनाई जैसे कोई बहुत ही बद्मजा चीज उससे मुह में आ गई हो ।

'वापिस प्राग जा रहा था।' वह भावहीन स्वर से बाला - 'चांग कान चियांन को सलाम कहने आ गया था ।'

'आज ही जा रहे हो ?'

'हां। अब मेरी' यहां किसी को जरूरत दिखाई नहीं दे रही है। मशीनों की सप्लाई के बारे में मुझे जवाब मिल गया है।'

'अच्छा !!

'जैसे तुम्हें मालूम नहीं ।' जेम्स बान्ड चुप रहा ।

"और मेरा गला काटने के लिये शुक्रिया ।' जेबरोस्की विषैले स्वर से बोला और फिर बिना जेम्सबांड से हाथ मिलाये लम्बे डग भरता हुआ गलियारे में आगे बढ़ गया।

जेम्सबांड कम्प्यूटर हॉल में आ गया ।

चाग कान चियांग वहां नहीं था ।

जेम्स बॉन्ड ने लिस्ट निकालकर हाथ में ले ली और मशीनें चैक करने में जुट गया ।

दोपहर को वांग चु ंग याओ हॉल में आया और उसे लंच के लिये अपने साथ ले गया।

लंच के दौरान में एक क्षण के लिये भी उसके चेहरे से गम्भीरता का आवरण नहीं हटा । जेम्स बान्ड चिन्तित हो उठा । ब्रांग चुग याओ उसकी मौजूदगी में हमेशा मुस्कराता रहा था और उसे मक्खन लगाने की कोशिश करता रहता था ।

लेकिन उस समय वह असाधारण रुप से चुप था ।

- 'क्या बात है मिस्टर टांग ?' जेम्सबांड पूछे बिना नहीं रह सका ।

'आपकी दिलचस्पी की कोई बात नहीं है, मिस्टर शेरभन ।' वांग चुंग याओ गम्भीर स्वर से बोला- 'दरअसल पिछली रात सेन्टर में ऐसी घटना घटी है, जैसी आज तक यहां कभी नहीं घटी थी। सोच-सोचकर मेरा तो दिमाग

भन्ना गया है, लेकिन मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि ऐसा हुआ, तो कैसे हुआ ?'

'हुआ क्या है ?'

'हमारा एक सिक्योरिटी गार्ड गायब हो गया है।'

'गायब हो गया है!' जेम्स बान्डं ने धड़कते दिल से पूछा - 'क्या मतलब ?'

'मतलब यही है जो मैं-कह रहा हूं।' हमारा एक गार्ड बढ़े रहस्यपूर्ण ढंग से गायब हो गया है। समझ में नहीं आता कि उसे आसमान खा गया या धरती निगल गई। रात को वह ड्यूटी पर था और सुबह वह गायब था ।'

'ऐसा कैसे हो सकता है! वह कहीं सेन्टर से बाहर चला गया होगा।'

'यह असम्भव है। उस गार्ड की तो बिसात ही क्या। बिना किसी की जानकरी में आये वह सेन्टर से बाहर कदम भी नहीं रख सकता ।'

: 'उसे कोई मिर्गी-विर्गी का दौरा तो नहीं पड़ता ? कहीं ऐसा तो नहीं कि वह अभी तक कहीं बेहोश पड़ा हो ?'

'मैंने इस सम्भावना पर विचार किया था। लेकिन मैंने सेन्टर का-चप्पा-२ छनवा मारा है, लेकिन उस गार्ड की हमें हवा भी नहीं मिली है। उस तलाश में उसकी ब्रेनगन और टार्च हमें जरूर एक स्थान पर पड़ी मिली है।'

'कमाल है!'

"करिश्मा कहिये, साहब ! मेरा तो यह बात सोच-सोच

कर ही दिमाग भिन्ना रहा हैं कि आखिर यह हुआ, तो कैसे हुआ ?'

'शायद वह 'सेन्टर की सख्त और एकग्सतापुर्ण जिन्दगी से घबरा गया हो और यहां से दीवार फांदकर या किसी और तरीके से निकल भागा हो ।'

'मैं नहीं मान सकता । वह पक्का देशभक्त चीनी था और सच्चा कम्युनिस्ट था ।'

'आप किसी के दिल में झांककर नहीं देख सकते। कई बार ' सबसे विश्वासनीय और निर्दोष लगने वाले लोग ही चौंका देने वाली हरकतें कर देते ।।'

'लेकिन दीवार का फांदना नामुकिन है और मैं फिर कहता हूं कि किसी की जानकारी में आये बिना वह सेन्टर से बाहर कदम भी नहीं रख सकता ।' -

'शायद उसके किसी सगी-साथी ने उसके भागने में उसकी मदद की हो ?'

'मुझे भी यही शक हो रहा है और अगर ऐसा हुआ होगा तो मैं बयान नहीं कर सकता कि जिस आदमी ने उसको भागने में मदद की होगी, उसकी क्या गत बनाई जायेगी । चेयरमैन माओ का प्रकोप उस पर कहर बनकर टूट पड़ेगा ।'

जेम्स ब्रांड चुप रहा ।

प्रत्यक्षः था कि अभी तक किसी का ध्यान तेजाब के टैंक की ओर नहीं गया था और जेम्स बाण्ड को पूरा विश्वास था कि अब तक तेजाब ने गार्ड की हड्डियां तक गला डाली होंगी।

वह कम्प्यूटर हाल में आ गया ।

अगले दो दिन वह भरपूर व्यस्तता का प्रदर्शन करते हुये मशीनें चैक करने के ड्रामे में मशगूल रहे। ।

उस दौरान में चांग कान चियांग से उसकी एक भी बात नहीं हो पाई। आई० बी० एम० १७५० का प्रयोग आरम्भ हो गया था

इसलिये वह उसे कम्प्यूटर हाल में दो तीन बार दिखाई जरूर दिया था लेकिन उससे कोई बात होने की नौबत नहीं आई थी।

जेम्स बाण्ड तनिक चिन्तित हो उठा। न जाने क्यों उसे ऐसा लगने लगा जैसे चांन 'कान चियांन जानबूझकर उससे कन्नी काट रहा हो ।

शाम को पांच बजे सेन्टर के सभी कर्मचारी छुट्टी कर गये ।

जेम्स बांण्ड वापिस गैस्टहाउस आ गया ।

सन यान वहां नहीं थी ।

वह फ्रिज में से एक वोदका की बोतल निकाल लाया और बरामदे में आ बैठा ।

चांग कान चियांग का रहस्यपूर्ण व्यवहार उसकी समझ में नहीं आ रहा था । आखिर वह उससे कन्नी क्यों काट रहा था । कही ऐसा तो नहीं था कि उसकी अन्तरात्मा ने उसे धिक्कारा हो और अब उसने रिसर्च सेन्टर तबाह करने का विचोर छोड़ दिया हो । आखिर था तो वह चीनी ही। सम्भव है आखिरी क्षण में उसे अपने इस गद्दारी भरे इरादे पर शर्म आने लगी हो और इसलिये अब वह जेम्स वाण्ड से कोई वास्ता न रखना चाहता हो ।

सात बजे गये ।

वोदकी की आधी बोतल समाप्त हो गई ।

सन यान नहीं आई ।

एकाएक जेम्स बाण्ड के मन में एक ख्याल आया ।

उसने शराब का आखिरी छूट हलक से उतारा, सिगरेट का आखिरी कश लगाया और वापिस रिसर्च सेन्टर की ओर दौड़ा ।

अब तक सेन्टर के सारे गार्ड उसे देश के सम्मानित अतिथि के रूप में पहचान चुके थे और उन्हें यह निर्देश पहले ही मिल

चुका था कि उसे कम्प्यूटर हाल में जाने से ने रोका जाये ।

वह वापिस कम्प्यूटर हाल में पहुंचा ।

उसने एक पेचकस सम्भाला और बड़ी सावधानी से कम्प्यूटर की पिछली पेनल खोलनी आरम्भ कर दी ।

कम्प्यूटर का पृष्ट भाग नंगा होते ही उसका दिल धक्क से रह गया ।

ट्रीगर अपने स्थान पर नहीं था ।

चांग कान चियांग ने पता नहीं कब ट्रीगर वहां से निकाल लिया था ।

एक आशंका बिजली की तरह जेम्स बाण्ड के मस्तिष्क में कौंध गयी ।

कहीं वह चीनी वैज्ञानिक यह तो नहीं चाहता था कि जेम्स बांड भी रिसर्च सेन्टर की तबाही के साथ ही शहीद हो जाये ताकि किसी को कभी भी यह जानकारी न हो पाये कि । सेन्टर की तबाही में किसी बाहरी आदमी का हाथ था ।

उस ने जेम्स बाण्ड से वादा किया था कि ट्रीगर को बम के साथ लगाने से बहुत पहले वह जेम्स बाण्ड को चेतावनी दे देगा लेकिन उसने अपना वादा पूरा नहीं किया था । उसने जानबूझ कर वादा पूरा नहीं किया था ।

'हेल्लो मिस्टर शेरमन, आप यहां क्या कर रहे हैं ?' जेम्स बान्ड ने चौंककर सिर उठाया ।

सामने ली ची तांग खड़ा था। पता नहीं वह कब जेम्स बाण्ड के सिर पर आ खड़ा था ।

जेम्स बांड उठ खड़ा हुआ और अपने स्वर को भरसक सन्तुलित करता हुआ बोला- 'कल मैं जाने वाला हूं । सोचा आखिरी बार कम्प्यूटर चैक करता जाऊ।'

'ठीक चल रहा है।'

'एकदम ठीक चल रहा है।'

(९८)

'ठीक ही चलेगा यह। मैं इसे बिगड़ने नहीं दू ंगा।' ली ची तांग यू बोला जैसे कोई अपनी औलाद का जिक्र कर रहा हो ।

'ली, तुम्हें मालूम है कि इस वक्त चांग कान चियांग कहां है?'

'थोड़ी देर पहले तो वह यहीं थे और इसी कम्प्यूटर को इस्तेमाल कर रहे थे।'

'तुम भी उसके साथ थे ?'

'नहीं। मैं बड़े हाल में था ।'

'तुमने उसे यहां से जाते देखा था ।'

'नही । क्यों ?'

लगता था चांग कान चियांग थोड़ी देर पहले ही कम्प्यूटर में से ट्रीगर निकालकर ले गया था ।

'ली, तुम मेरी अभी चांग से बात करवा सकते हो ?'

'इतनी जल्दी क्या है ?'

'मैं कल सुबह यहां से जा रहा हूं। पता नहीं कल उससे मुलाकात हो भी पाये या नहीं। इसलिये सोच रहा हूं, अभी उससे विदा ले लू ।'

'मैं उन्हें तलाश करने की कोशिश करता हूं।'

ली ची तांग कोने की एक मेज की तरफ बढ़ गया। वहां पड़े एक टेलीफोन से उसने बारी बारी कई नम्बर घुमाये ।

जेम्स बाण्ड उसके समीप जा खड़ा हुआ ।

'वे जी सेक्शन में हैं।' ली ची त'ग अन्त में रिसीवर रखता हुआ बोला ।

'मेरी बात करवाओ ।' जेम्स बाण्ड व्यग्र स्वर में बोला ।

'यह सम्भव नहीं । जी सेक्सन में काम करते वैज्ञानिक को टेलीफोन पर किसी से बात करने की आज्ञा नहीं होती । आप चाहें तो उन्हें सन्देह भेजा जा सकता है ।'

'आल राइट । इसे कहो कि वह मुझे फौरन गैस्ट हाउस में

(९९)

मिले । और अगर यह सम्भव नहीं तो कम से कम फौरन मुझे गेस्ट हाउस में फोन जरूर करे ।'

'ली चांग तांग फिर टेलीफोन से उलझ गया। उसने जेम्स बाण्ड का सन्देश टेलीफोन पर दोहराया और फिर रिसीवर रख दिया ।

'जी सेक्शन क्या बला है ?' जेम्स बाण्ड ने व्यग्र स्वर में पूछा ।

'यह वह विभाग है जहां एटम बम के पुजें जोड़े जाते हैं। मैं खुद वहां कभी नहीं गया हूं। केवल सेस्टर के उच्चतम अधि कारी ही वहां जा सकते हैं। मिस्टर शेरेमन। एकाएक ली चौ तांग तीव्र स्वर में बोला- 'आपकी तबियत तो ठीक है ?'

'क्यों पूछ रहे हो ?'

'आप बहुत घबराये हुये लग रहे हैं। आपका चेहरा पसीने से भीग रहा है।'

'कुछ नहीं, कुछ नहीं ।' जेम्स बाण्ड जेब से रूमाल निकाल कर चेहरे से फिराता हुआ बोला- 'लगता है, दोपहर का खाना मुझे रास नहीं आया है।'

'मैं आपको डाक्टर के पास ले चलू ?'

'नहीं । जरूरत नहीं ।' मैं गेस्ट हाउस वापिस जा रहा हूं । थोड़ी देर आराम करूंगा, तबियत ठीक हो जायेगी।'

ली ची तांग ने सहमति-सूचक ढंग से सिंर हिलाया । जेम्स बाण्ड वापिस रॉस्ट हाउस में आ गया ।

सन यान गैस्ट हाउस में मौजूद थी।'

'सुनो ।' सन यान के कुछ कहने से पहले ही जंग्स काण्ड बोल पड़ा - 'चांग कान चियांग जी सेक्शन में है। तुम मेरी उससे टेलीफोन पर बात करवा सकती हो ?"

'अगर वह जी सेक्शन में है तो उससे टेलीफोन द्वारा सम्पर्क स्थापित कर पाना सम्भव नहीं।' सन यान बोली ।

'तुम कोशिश तो करो।'

(१००)

'ऐसी क्या जल्दी है ?'

'तुम्हें जैसा भी कह रहा हूं, वैसा करने में कोई एतराज है ? जेम्स बांड तीव्र स्वर में बोला ।

सन यान हैरानी से जोम्ल ब्राण्ड का मुह देखने लगी । जेम्स बाण्ड में आये इस आक्समिक परिवर्तन की वजह उसकी समझ में नहीं आ रही थी, लेकिन वह बेहद आन्दोलित लग रहा था ।

'मैं कोशिश करती हूं।' वह बोली ओर उठकर भीतरी कमरे में चली गई ।

जेम्स बाण्ड ने एक सिगरेट सुलगा लिया । पांच मिनट बाद सन यान वापिस लौटी ।

'चांग कान चियांग से बात नहीं हो सकी।' वह बोली-'लेकिन उसने सन्देश भिजवाया है कि वह आज रात तुमसे मिलने यहां नहीं आ सकता और न

ही टेलीफोन पर तुमसे बात कर सकता है।'

'क्यों ?'

'वह कहता है, वह बेहद व्यस्त है। उसे अपनी जगह से हिलने की भी फुरसत नहीं है।'

"वह यहां आ नहीं सकता या आना नहीं चाहता ?'

'क्या मतलब ?' सन यान संदिग्ध स्वर में बोली ।

'कुछ नहीं, कुछ नहीं ।' जेम्स बाण्ड बोला ।

चांन कान चियांग निश्चय ही ट्रीगर को बम के साथ केनेक्ट कर रहा था ।

'एम' ने कहा था कि ट्रीगर टाइम बम की तरह काम करता था । लेकिन उसने टाइम बम के बारे में जेम्स बाण्ड को कोई जानकारी नहीं दी थी। टाइम एक घण्टा भी हो सकता था । दस घन्टे भी हो सकते थे। यानी कि जेम्स बांड के पास यह जानने का कोई साधन नहीं था कि वहा से निकल भागने के लिये, उसके पानतना समय है ।
(१०१)

और फिर चार कान चियांग खुद जी सेक्शन से बाहर क्यों नहीं निकल रहा था ।

'कहीं?

'कहीं वह खुद भी तो बम के साथ ही शहीद नहीं हो जाना चाहता था । कहीं वह अपने देश के प्रति गद्दारी की खुद अपने आपको सजा तो नहीं देने वाला था। शायद उसका आरम्भ से ही बम के साथ तबाह हो जाने का इरादा था इसलिये वह जेम्स बांड से इस विषय में बात नहीं करना चाहता था कि उसने अपने बचाव का क्या इन्तजाम किया था। उसने अपने बचाव का कोई इन्तजाम किया ही नहीं था और स्पष्ट था कि वह यह भी नहीं चाहता था कि जेम्स बाण्ड सेन्टर की तबाही का वास्तविक कारण किसी को बताने के लिये जिन्दा रहे ।

अब उस वक्त की सबसे बड़ी जरूरत यह थी कि वह किसी प्रकार सेन्टर से कम से कम चालीस मील दूर निकल जाये, जब कि मौजूदा हालत में उसका सेन्टर की चारदीवारी से बाहर भी निकलना सम्भव नहीं दिखाई दे रहा था। वांग चुग याओ के कथनानुसार दीवार फांदकर भाग जाना एक असम्भव कृत्य था और मुख्य द्वार से गार्ड उसे गुजरने दें, इसकी उसे उम्मीद नहीं थो ।

उस दुविधा की घड़ी में अगर कोई उसकी मदद कर सकता था, तो वह सन यान थी। लेकिन वह उस पर भी यह प्रकट नहीं कर सकता था कि वह किस खतरे की वजह से वहां से फौरन निकल भागना चाहता था। उस सूरत में सान यान को केवल एक फोन करना पड़ता और चांग कान चियांग गिरफ्तार हो जाता, जिसका अन्तिम परिणाम होता- 'ऑपरेशन की नाकामयाबी ।

'सन यान !' जेम्स बांड अपने स्वर को बेहद सन्तुलित

करता हुआ बोला- 'तुम कहां गई थी ?'

'सियान मैं तुम्हारा पासपोर्ट वापिस लाने गई थी ।'

'मिल गया ?'

'हां । न मिलने का सवाल ही नहीं था।'

'कहां है पासपोर्ट ?'

'मेरे पास है। मेरे बैग में । दूँ ?!

'नहीं, अपने ही पास रख लो और सुनो ?'

'हां।'

'आओ, आज कहीं यहां से बाहर घूमने चलें। सेन्टर की जेल जैसी

चारदीवारी में तो मेरा दम घुटने लगा है ।

'मिस्टर शेरमन !' सन यान अचरज भरे स्वर से उसका मुह देखती हुई बोली- 'इस वक्त ?'

'हां हां, क्यों नहीं। अभी तो सवा नौ ही बजे हैं।'

'लेकिन इस वक्त हम कहां जायेंगे ?'

'सियान चलते हैं ।'

... 'सियान! वहां तो पहुंचते-पहुंचते आधी रात हो जायेगी ।'

'फिर क्या हुआ ? ऐसी रोमांटिक रात में तुम्हारे साथ ड्राईविंग का मजा आ जायेगा ।'

'लेकिन इस वक्त कार कहां से हासिल होगी ?'

'कार नहीं तो ऐसे ही रुही। अगर हम सियान नहीं जा सकते तो हम थोड़ी दूर पैदल ही घूमकर वापिस आ जायेगे । लेकिन भगवान के लिये यहां से बाहर जरूर निकलो । बाई गॉड, इस चारदीवारी में मेरा मन घुटा जा रहा है। मैं पागल हुआ जा रहा हूं।'

'बड़ी अजीब बात कर रहे हो ?'

'सन यान, प्लीज ।'

'मुझे उम्मीद नहीं, गार्ड हमें सेन्टर की चारदीवारी से बाहर कदम रखने दें ।'

'कोशिश तो करके देखो। डालिंग, क्या मेरी खातिर तुम इतना भी नहीं कर सकती ?'

'लेकिन।'

'सन यान, जरा सोचो। तुम्हारे देश के लिये मैंने कितना महत्वपूर्ण कार्य किया है और कितना कुछ भविष्य में करने वाला हूं। मैंने तुम लोगों को आई० बी० एम० १७५० काम्प्यूटर दिलवाया, जो तुम्हें किसी भी कीमत पर कहीं से नहीं मिल रहा था और फिर अपने सब काम छोड़ कर मैं यहां आया हूं और दिन रात एक करके मैंने उसकी मरम्मत की है। तुम्हारा प्रशा-सनिक नर्देशक वांग चु ंग याओ तक मैरा अहसान मानता है। क्या मेरी खुशी की खातिर तुम इतना भी नहीं कर सकती कि तुम मुझे थोड़ी देर खुली हवा में फिरा लाओ !'

सन यान चुप रही ।

'और फिर मैंने किसी को यह भी तो नहीं बताया है कि तुम अपने कोट की सीवन में छोटा सा जापानी मिनी कैमरा छुपाय हुये हो और शायद चोरी छुपे यहां के रिसर्च सेन्टर की तस्वीरें खींच रही हो ।'

सन यान यू चिहुंकी जैसे उसे बिच्छू ने काट खाया हो । वह विस्फरित नेत्रों से जेम्स बांड को देखने लगी ।

'अभी क्या कहा था तुमने?' वह जेम्स बाण्ड को यूं देखती हुई बोली, जैसे वह जीवन में पहली बार उसकी सूरत देख रही हो ।

'मैंने कहा था कि अगर तुम मुझे थोड़ी देर के लिये सेन्टर से बाहर खुली हवा में ले चलो तो मैं तुम्हारा बहुत अहसान मानूगा ।'

'तुम किसी कैमरे के बारे में कुछ कह रहे थे ?'

'सन यान, प्लीज पहले मेरी प्रार्थना पर विचार करो।'

'सन यान कई क्षण चुप रही और फिर गहरी सांस लेकर बोली- 'आल राइट । कम ऑन ।'

(१०४)

'थैंक्यू वैरी मच ! जेम्स बाण्ड हर्षित स्वर से बोला । उसने सन यान का

हैड बैग उठाकर उसके हाथ में दे दिया और तुरन्त उसके साथ हो लिया।

मुख्य द्वार मजबूती से बन्द था। द्वार के समीप बने गार्डों के केबिन में चार वर्दीधारी गार्ड बैठे थे। उन्होने सन यान की बात सुनी और पास के बिना उन्हें बाहर जाने देने से साफ इन्कार कर दिया। उसने बताया कि पास के बिना किसी को 'बाहर जाने की आज्ञा नहीं थी और पास देने वाला आफिस कल सुबह आठ बजे से पहले खुलने वाला नहीं था। सन यान ते अपने चेहरे पर एक गोल्डन जुबली मुस्कराहट लाते हुये गार्डों व इन्चार्स को रामझाया कि उसका साथी न केवल सेन्टर का सम्मानित अतिथि है, बल्कि सारा राष्ट्र उसका अहसानममन्द है । सबके चेहरे पर जेम्स बाण्ड के प्रति सम्मान के भाव उभर आये, फाटक से बाहर कदम रखने की इजाजत देने के नाम पर उनकी गर्दनें नकारात्मक ढंग से ही हिलती रहीं ।

सन यान जेम्स बाण्ड की ओर घूमी और हताश स्वर में अंग्रेजी में बोली- 'मैंने तुम्हें पहले ही कहा था कि ये लोग हमें बाहर कदम नहीं रखने देंगे। आओं, अब वापिस चलें ।'

'अभी ठहरो ।' जेम्स बांड बोला- 'इन्हें कहो कि ये मेरी टेलीफोन पर वांग चुग याओ से बात कराये।'

'उससे क्या होगा ?'

'मैं उसी से पूछू ंगा कि मैं सेन्टर में बन्दी बनाकर क्यों रखा जा रहा हूं?'

'वह बहुत नाराज होगा ?'

'ऐसी की तैसी उसकी नाराजगी की ! मैं उससे जरूर वात करूंगा। दिन में वह मुझे राष्ट्र का सम्मानिन अतिथि बताता है और रात में वह मुझे अपराधियों की तरह सेन्टर की चार दीवारी में बन्दी बना कर रखता है ।'

'लेकिन तुम बन्दी नहीं हो।'
(१०५)

'तो फिर मैं अपनी मर्जी से सेन्टर के बाहर क्यों नहीं जा सकता और फिर मैं अकेला नहीं जा रहा हूं, तुम भी मेरे साथ हो ।'

सन यान इन्चार्ज की ओर घूमी और उससे जल्दी जल्दी चीनी में -बातें करने लगी। सारे गार्ड यू रह रहकर जेम्स बांड की ओर देखने लगते थे जो वह कोई बहुत फसादी आदमी हो ।

अन्त में सन यान जेम्स बाण्ड की ओर घूमी और नाराज स्वर से बोली- 'इन्चार्ज की निगाह में तुम खामख्वाह बखेड़ा कर रहे हो और मेरा भी यही ख्याल है। लेकिन ये लोग इस वक्त वांग चुग याओ को डिस्टर्व नहीं करना चाहते, इसलिये इन्चार्ज हमें थोड़ी देर के लिये सेन्टर से बाहर जाने की इजाजत दे रहा है। लेकिन आधी रात के बाद इसकी ड्यूटी बदल जायेगी । अगर हम तब तक वापिस नहीं आये तो कोई हमें भीतर नहीं घुसने देगा और हमें रात सड़क पर ही गुजारनी पड़ेगी ।

'हम आधी रान से पहले वापिस आ जायेंगे।'

इन्चार्ज ने फाटकं में लगी छोटी सी खिड़की खोल दी । जेम्स बांड और सन यान खिड़की से बाहर निकल आये ।

'थैंक्यू वैरी मच !' जेम्स बाण्ड इन्चार्ज की ओर घूमकर बोला- 'भगवान करे तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों और दोनों लड़के हों।'

इन्चार्ज उल्लुओं की तरह पलकें झपर्काता हुआ जेम्स बांड की ओर देखने लगा।

सन यान ने जल्दी से जेम्स बाण्ड के कथन को चीनी में अनुवाद दिया ।

इन्चार्ज के होठों के कोरों पर एक हल्की सी मुस्कराहट उभरी और खिड़की बन्द कर ली ।

जेम्स बांड और सन यान एक दूसरे का हाथ थामे सियान

की ओर आगे जाने वाली ऊबड़-खाबड़ सड़क पर आगे बढ़े ।

'कहां जाओगे ?' सन यान बेरुखी भरे स्वर से बोली ।

'जरा आगे तक घूम आते हैं। जल्दी क्या है, अभा तो बारह बजने में ढाई घण्टे बाकी हैं।'

सन यान चुप रही। उसके चेहरे से असन्तोष में भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे थे ।

लगभग एक मील चल चुकने के बाद वे एक छोटी सी इमारत के समीप पहुंचे। इमारत के भीतर कई लोग मौजूद थे और बाहर कम्पाउंड में कई साईकिलें पड़ी थीं ।

'यह क्या जगह है ?'

'यह वर्करों का क्लब है ये सब सेन्टर में काम करते है । पास ही इनकी छोटी-सी कालोनी भी है ।'

जेम्स बाण्ड ने मजबूती से सन यान की बांह थाम ली और धीमे, किन्तु गम्भीर स्वर से बोला- 'सन यान, तुम्हें साइकिल चलानी आती है ?'

'हां। क्यों ?'

'मुझसे वजह न पूछना । वजह मैं बाद में बयान करूंगा लेकिन हमने यहां से दो साइकिलें उठानी हैं और उन पर सवार होकर आगे बढ़ना है।'

'क्या?'

'श-श- ! धीरे ।'

'लेकिन।'

'बहस मत करो । भगवान के लिये बहस मत करो और जैसा मैं कहता हूं, करो ।'

'कहीं तुम पागल तो नहीं हो गये ? तुम इन वर्करों की साइकिलें चुराना

चाहते हो, क्यों !'

'वजह भी बताऊंगा, लेकिन अभी नहीं। सन यान, बाई गॉड, मैं जो कह रहा हूं, तुम्हारे भले के लिये कह रहा हूं। मुझ पर भरोसा रखो।'.

(१०७)

तीव्र अनिच्छा प्रकट करते हुए सन यान चुप हो गई ।

उन दोनों ने चुपचाप दो साइकिलें उठाई और उन पर सवार होकर रात के अंधेरे में सियान की ओर जाने वाली सड़का पर आगे बढ़ गये।

'मिस्टर शेरमन !' सन यान जोर से बोली- यह सब क्या हो रहा है.?'

'सब मालूम हो जायेगा । फिलहाल साइकिल ज्यादा-से-ज्यादा तेज चलाने की ओर ध्यान दो ।'

'वापिस चलो, वर्ना हम किसी मुश्किल में फंस जायेंगे ।'

'वापिस जाने से ज्यादा बड़ी मुश्किल में फंस जायेंगे ।

ऊबड़-खाबड़ सड़क पर वे लोग साइकिल चलाते रहे । खड्डे में पहिया पड़ जाने की वजह से जेम्स बाण्ड दो बार साइकिल से उलटकर नीचे भी आ गिरा, लेकिन न तो रुकने का समय था और न चोट सहलाने का। उसने फिर साइकिल संभाली और उस पर सवार होकर आगे बढ़ चला ।

सन यान को शायद उस सड़क की बेहतर जानकारी थी । उसने भी ठोकरें तो बहुत खाई, लेकिन वह गिरी नही ।

पता नहीं यू ं ही कितना फासला कट गया ।

... तीसरी बार जब जेम्स बाण्ड साईकिल से नीचे गिरा तो सन यान ने उससे कह दिया या तो वह साइकिल चलाना बन्द कर दे, वर्ना वह अपनी जान से हाथ धो बैठेगा ।

जेम्स जाण्ड ने साइकिल संभाली और उसे लुढ़काता हुआ उसके साथ-साथ आगे बढ़ने लगा ।

'मिस्टर शेरमन !' सन यान प्रार्थनापूर्ण स्वर से बोली-'वापिस चलो।'

जेम्स बाण्ड ने उत्तर नहीं दिया। वह चुपचाप आगे बढ़ता रहा। वह जानता था कि क्योंकि सन यान उसे सेन्टर से बाहर लाई थी, इसीलिये वह उसके बिना वापिस नहीं जा सकती थी और जबरदस्ती वह उसे वापिस ले जा नहीं सकती थी ।

(१०८)

आगे चढ़ाई आ गई। जेम्प बाण्ड की सांस धौंकनी की तरह चल रही थी, लेकिन उसने अपने कदम नहीं रकने दिये । उसने अपनी कलाई पर बधी घड़ी पर दृष्टिपात किया । दो जब चुके थे, लेकिन उनके पास यह जानने का. कोई साधन नहीं था कि साढ़े चार घन्टे में वह सेन्टर से कितनी दूर निकल आये थे।

'मिस्टर शेरमन!'

'सन यान !' एकाएक जेम्स ब्राण्ड सतर्क स्वर से बोला -'अगर एकाएक तुम्हें किसी जोर के विस्फोट की आवाज सुनाई दे तो चाहे कुछ भी क्यों न हो जाये वापिस घूमकर मत देखना - एक क्षण के लिये भी वापिस घूमकर मतं देखना । साइकिल फेंककर फौरन किसी खड्डे में कूद जाना ।'

'तुम क्या कह रहे हो?' सन यान चहका।

'सब बताऊगा, लेकिन अभी नहीं। मेरी बात याद रखना । अगर कहीं विस्फोट की आवाज सुनाई दे, तो पीछे घूमकर हर्गिज भी मत देखना ।'

'लेकिन लेकिन विस्फोट कहां होने वाला है ?'

'बाद मैं बताऊंगा।'

'अभी बताओ, वर्ना मैं एक कदम भी आगे नहीं बढ़ाऊ ंगी ।

'चलती रहो, बताता हूं।'

सन यान साइकल धकेलती हुई उसके साथ चलती रही । 'आज रात कोई तुम्हारे रिसर्च सेंटर को उड़ाने वाला है ।

रिसर्च सेन्टर के साथ ही भीतर मंत्र एटमबम का भी विस्-फोट हो जायेगा। अगर हम एटमबम के विघटन से पहली सेन्टर से कम-से-कम पच्चीस मील दूर न निकल गये तो हस रेडियो एक्टिव तरंगों की लपेट में आकर या तो अपनी जानें खो बैठेंगे और या फिर हमारी हालत मुर्दो से भी बदतर हो जायेगी ।

'क्या बक रहे हो ?' सन यान अविश्वासपूर्ण स्वर में

बोली ।

'मैं ठीक बक रहा हूं। जेम्स बाण्ड बोला- 'आज रात कोई तुम्हारे रिसर्च सेन्टर को उड़ाने वाला है ।'

'कौन ? कौन ?'

'यह सब मुझे नहीं भालूम ।'

'लेकिन, अगर यह बात सच है तो तुम भाग क्यों रहे हो ? तुम्हें उन लोगों को चेतावनी देनी चाहिये थी ।'

'मुझे अपनी जान प्यारी है। अगर मैं किसी को चेतावनी देने को कोशिश करता तो डायरेक्टर वांग चुग याओ मुझे बिठा लेता और तफ्तीश आरम्भ कर देता। अभी वह कोई भी नतीजा हासिल नहीं कर पाया होता कि रिसर्च सेन्टर भक्क-से उड़ जाता और मेरा काम तमाम हो जाताः। तुम क्या समझती हो कि अगर मैं उन्हें यह चेतावनी देता तो वे मुझे कार पर बिठा कर सियान छोड़ जाते ?'

'तुम्हें यह बात किसने बताई है ?'

'सेन्टर के ही किसी आदमी ने बताई है, लेकिन मैं उसका नाम नहीं बताना चाहता ।'

'क्यों ?'

'मान लो, अगर हुआ कुछ भी नहीं, तो उस आदमी का नाम खामखाह मुसीबत में घसीटा जायेगा ।'

'और अगर कुछ न हुआ, तो तुम क्या करोगे ?'

'वापिस सेन्टर चले जायेंगे। साइकिलों के मालिकों को उनकी साइकिल लौटाकर माफी मांग लेंगे और छुट्टी ।'

'तुम मुझे साथ क्यों लाये ?'

'एक तो मैं तुम्हारी मदद के बिना सेन्टर से बाहर नहीं आ सकता था और दूसरे मैं नहीं चाहता था कि तुम पीछे रह जाओ और एटम् बम के विस्फोट में अपनी जान से हाथ धो बैठो।'

'तुम ऐसा क्यों नहीं चाहते थे ?

'क्योंकि मुझे तुमसे मुहब्बत हो गई है ।'

कई क्षण सन यान के मुँह से शब्द भी नहीं निकला ।'

'तुम जापानी कैमरे को क्या बात कर रहे थे ?'

'मैंने तुम्हारे कोट की सीवन में छुपा हुआ एक मिनी कैमरा देखा था ।'

'मेरी नौकरी में मुझे ऐसा कैमरा रखने की इजाजत है ।

'यानी कि तुम गाइड और दुभाषिया होने के अलावा भी कुछ हो ?'

सन यान ने उत्तर नहीं दिया ।

'तुम' चीनी सीक्रेट सर्विस की एजेन्ट हो और तुम्हें मुझ पर निगरानी रखने के लिए नियुक्त किया गया है।

'मिस्टर शेरमन्।' सन यान उसकी बात अनसुनी करती हुई बोली- 'बहुत मजाक हो चुका। अब वापिस लौट चलो । तुमने कहीं से यह चण्डखाने की गप्प सुन ली है कि रिसर्च सेन्टर में विस्फोट होने वाला है। वास्तव में ऐसा कुछ नहीं होने वाला है । ऐसा कुछ हो ही नहीं सकता है । आप नहीं जानते कि रिसर्च सेन्टर में सिक्योरिटी का कितना तगड़ा इन्तजाम है । विस्फोट तो दूर वहां तो कोई छोटी-सी शरारत भी सम्भव नहीं है। आप...।'

उसी क्षण जैसे प्रलय आ गई। जमीन यू कांप गई जैसे भूचाल आ गया हो। उन दोनों के हाथों से साईकिलें अपने आप निकल गई। सन यान न घूमकर पीछे देखने की कोशिश की, लेकिन जेम्स बाण्ड ने उसकी गरदन में अपनी बांह डाल दी। उसने स्वयं को सड़क की बगल में बने एक खड्डे में गिरा दिया और अपने साथ सन यान को भी घसीट लिया ।

उनके शरीरों के नीचे जमीन हिलती रही और कानों में ऐसी आवाज आती रही जैसे बेहद बरसने वाले बादल बड़ी गम्भीरता 'से गरज रहे हो। रेडियो एक्जिव तरंगें उन तक नहीं पहुंची थी। इसका मतलब था वे पच्चीस मील से आगे निकल आए थे ।

(१११)

हवा बिल्कुल बन्द थी। जेम्स बाण्ड सोच रहा था, अगर पच्चीस मील दूर भी उनके कानों में विस्फोट की आवाज बादलों के गर्जन की तरफ पड़ रही थी तो सेन्टर में तो न जाने क्या हो रहा होगा ?

पता नहीं कितनी देर वे यू ही खड्डु में पड़े रहे।

धीरे धीरे धरती का कम्पन बन्द हो गया । गर्जन की आवाज आनी बन्द हो गई ।

जेम्स बाण्ड लड़खड़ाता हुआ उठकर अपने पैरों पर खड़ा गया ।

सेन्टर की दिशा में आसमान इस्पात की भट्टी की तरह लाल हो गया था लेकिन इतने फांसले से लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। बातावरण में एक विचित्र सी शान्ति छा गई थी। आकाश में छाई लाली ही ऐसा आभास दे रही थी कि कुछ असाधारण' हो गया था।

सन यान भी उसकी बगल में आ खड़ी हुई थी । उसका चेहरा राख की तरह सफेद था और आंखें आतक से बाहर को फटी पड़ रही थीं ।

जेम्स वाण्ड ने उसकी बांह पकड़कर उसे घुमाया और जमीन से साइकिल उठाकर उसका हैंडल उनके हाथ में दे दिया । जेम्स बाण्डं ने दूसरी साइकिल उठा ली। उसने सन यान का साइकिल पर सवार होकर आगे बढ़ने का संकेत किया ।

चाबी लगे खिलौने की तरह सन यान साइकिल पर सवार हो गई।

वे फिर सियान की ओर बढ़ चले ।

भोर की पहली किरण के साथ ही उनके कानों में कई - मोटरकारों के इंजनों की संयुस्त आवाज पड़ी। वे सड़क से नीचे उतर गये और पेड़ों के पीछे छुप गए ।

कई कारें, कई एम्बूलेंस की गाड़ियां, कई मिलिट्री के ट्रक, कई आग बुझाने वाले इंजन, कई मोटरसाइकिल सवार तूफानी

रफ्तार से सेन्टर की ओर दौड़ गये ।

अब साइकिल पर सवार होकर सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं था। उसके विदेशी होने की वजह से उसे कहीं भी रोककर उससे कोई भी सवाल पूछा जा सकता था । उसने साइकिलें वहीं फेंक दी और सन यान

का हाथ थामें आगे बढ़ा ।

सामने धान के खेत थे ।

वे सड़क का रस्ता छोड़क खेतों में से होकर आगे बढ़ने लगे।

सूरज निकल आया।

थकान से निढ़ाल होकर वे एक पुआल के ढेर पर गिर पड़े ।

'कैसी हो ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

'ठीक हूं। वह भावहीन स्वर में बोली ।

'मैं तुम्हारी तारीफ करता हूं। तुम बहुत हौंसलामाद लड़की हो ।'

'मिस्टर शेरमन।'

जेम्स बाण्ड ने सिर उठाकर उसकी ओर देखा । सन यान की निगाहें सलाखों की तरह उसे अपने चेहरे पर चुभती दिखाई दी।

'मिस्टर शेरमन, क्या उस विस्फोट से तुम्हारा कोई सम्बन्ध था।'

'क्या बच्चों जैसी बातें कर रही हो मैं वह विस्फोट कैसे कर सकता था जिस समय विस्फोट हुआ था, उस समय मैं मीलों दूर था और तुम्हारे साथ था।'

'मैंने यह नहीं कहा है कि विस्फोट तुमने किया है। मैंने पूछा है कि क्या उस विस्फोट से तुम्हारा कोइ सम्बन्ध था ?'

तुमने यह कैसे सोच लिया कि मेरा विस्फोट से कोई सम्ब-न्धं हो सकता है?'

'क्योंकि तुम जिन्द। हो और अधिकारियों को विस्फोट की सूचना देने के

स्थान पर इस पुआल के ढेर में बैठे हो ।

'अभी किसी को सूचना देने की नौबत ही कहां आई है ?' अभी तो हमारे होश ही हमारे काबू में नहीं हैं और फिर हमने इस बात का भी कोई मुनासिब जवाब सोचना है कि हम जिन्दा कैसे बच गये ?'

सन यान ने कोई उत्तर नहीं दिया । वह बेहद चिन्तित दिखाई दे रही थी। फिर बिना एक शब्द भी बोले उसने अपना. कोट उतार लिया। उसने कोट को लपेटकर तकिये की तरह अपने सिर के नीचे लगा लिया और नेत्र बन्द कर लिये ।

तीन मिनट से भी कम समय में दोनों दीन-दुनिया से बेखबर सोये पड़े थे ।

शाम को चार बजे जेम्स बाण्ड की नींद खुली ।

पच्चीस मील साइकिल चलाने और पैदल चलने की वजह से उसका जिस्म तख्ते की तरह अकड़ा हुआ था ।

उसने करवट बदलकर अपनी दाई और देखा ।

खन यान अपने स्थान पर नहीं थी ।

जेम्स वाण्ड को एक झटका सा लगा, लेकिन शीघ्र ही उसे सन यान का कोट पड़ा दिखाई दे गया। उसने शान्ति की सांस ली। सत्त यान का अगर कौटकर आने का इरादा न होता तो वह अपना कोट जरूर अपने साथ ले गई होली ।

उसी क्षण सन यान लौट आई ।

उसके हाथ में एक छोटी सी पोटली थी ।

पोटली में चार उबले हुये अन्ड़े और थोड़े से उबले हुए चावल थे । उसने पोटली खोलकर जेम्सबांड के सामने रख दी ।

थैंक्यू !' जेम्सबांड क्रतज्ञतापूर्ण स्वर से बोला- 'भूख से जान निकली जा

रही थी।

(११४)

दोनों ने अन्ड़े और चावल खाए ।

'क्या समाचार है ?' खाने के बाद जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

'कोई समाचार नहीं है।' सन यान बोली- 'जिस किसान से मैं यह खाने का सामान लाई हूं, उस तक अभी तबाहीं का समाचार नहीं पहुंचा है ।'

जेम्स बांड कुछ क्षण चुप रहा और फिर बोला- 'सन यान, तुम तो टूरिस्ट ब्यूरो की कर्मचारी हो। चीन से तत्काल निकल भागने का कोई तरीका बताओ ।'

'मिस्टर शेरमन !' सन यान गम्भीर स्वर से बोली-'आप भूल रहे हैं कि मैं भी चीनी हूं और मुझे शक है कि रिसर्च सेन्टर तबाह हो जाने की वजह से मेरे देश का जो भारी अहित हुआ है, वह आपकी वजह से हुआ है। और इसे में अपना फर्ज समझती हूं कि मैं पहला मौका हाथ में आते ही आपको गिर-फ्तार करवा दू' ।'

'मुझे विश्वास है कि तुम ऐसा नहीं करोगी। अगर तुम्हारा ऐसा कोई इरादा होता, तो तुम मेरे जागने से पहले ही खाना लाने की जगह पुलिस को बुला करके लाई होती ।

'मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैं तुम्हें सच बोलने का एक और मौका देना चाहती थी ।'

'अगर तुम सचमुच यही समझती हो कि रिसर्च सेन्टर की तबाही में मेरा हाथ है, तो क्या तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता ? तुमसे पीछा छुड़ाने के लिये मैं तुम्हारी यह खूबसूरत गर्दन् भी तो मरोड़ सकता हूं।'

'मरोड़ सकते हो, लेकिन अगर तुम्हारा ऐसा इरादा होता तो यह काम तुमने बहुत पहले कर दिया होता। और मैं, जब तुम सोये हुए थे, तब पुलिस को इसलिये बुलाकर नहीं लाई, क्योंकि तुमने मेरी जान बचाई है और मैं इसके लिये दिल से तुम्हारी शुक्रगुजार हूं। अगर तुम मुझे लगभग जबरदस्ती घसीटकर सेन्टर

से दूर न निकाल लाए होते, तो मेरा काम तमाम हो चुका होता । मैं तुम्हारी मदद करना चाहती हूं, लेकिन साथ ही मैं यह भी चाहती हूं कि मुझे हकीकत की वाकफियत हो । मुझे मालूम होना चाहिये कि सारे बखेड़ से तुम्हारा कितना वास्ता है। इसी में मेरी सलामती है। अपनी वर्तमान स्थिति से अगर मैं अधिकारियों को सारी स्थिति की सूचना नहीं देती हूं, तो मैं इस तबाही में तुम्हारी सहयोगिनी समझी आऊंगी ।'

'लेकिन, अगर मेरा उस विस्फोट से वास्ता है भी तो कौन सिद्ध कर सकता है कि में जिम्मेदार हूं। सेन्टर के आस-पास के पच्चीस मील के क्षेत्रफल में आदमी तो क्या, कोई जानवर भी सलामत नहीं बचा होगा। कौन मेरे खिलाफ शहादत देगा ।'

'मैं। मैं जो जिन्दा हूं। मिस्टर शेरमन, मुझे शुरू से ही तुम पर शक था। मुझे शुरू से ही लग रहा था कि तुम वह नहीं हो, जो तुम अपने आपको जाहिर करते हो । लेकिन मैंने इस बांत की कल्पना नहीं की थी कि तुम इतना बड़ा हंगामा मचा सकते हो ।'

'तुम्हें मुझ पर शक था, इसीलिये तुम मुझे रात को बोदका में बेहोशी की दवा मिलाकर पिला देता थी ?'

'हां।'

'लेकिन, अगर तुम्हें मुझ पर शक था, तो तुमने अधिकारियों को मेरी रिपोर्ट क्यों नहीं की ?'

'मेरा इरादा ऐसा करने का था, लेकिन मैं इन्तजार कर रही थी कि तुम

कोई गलत हरकत करो और मेरा संदेह विश्वास मे बदल जाए । मुझे अफसोस है कि मैंने तुम्हारी रिपोर्ट करने में जरूरत से ज्यादा देर कर दी और इसकी वजह से मेरे राष्ट्र क़ा इतना जान और माल का नुकसान हो गया ।'

'अब तुम चाहती क्या हो ?'

'मैं चाहती हूं कि तुम हकीकत बयान कर दो ।'

'उससे मेरी स्थिति में तो 'कोई अन्तर आएगा नहीं, अगर

मैं यह कहूं कि सेन्टर की तबाही से मेरा कोई वास्ता नहीं, तो तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं होगा और तुम मुझे झूठ समझकर अधिकारियों को सौंप दोगी। अगर मैं यह कहूं कि सेन्टर मेरी ही वजह से तबाह हुआ है, तो तुम मुझे गुनाहगार जान कर अधिकारियों के हवाले कर दोगी ।'

'तुम सिर्फ सच बोलो और मैं तुम्हें विश्वास दिलाती हूं कि क्योंकि तुमने मेरी जान बचाई है, इसलिये मैं तुम्हारा कोई अहित नहीं करूंगी।'

'आल राइट । सुनो। तुम्हारा रिसर्च सेन्टर चांग कान चियांग की वजह से तबाह हुआ है। उसने ऐसा इसलिये किया, क्योंकि सैद्धान्तिक तौर पर वह यह पसन्द नहीं करता था कि चीन अणु--शक्ति के पीछे अपनी सहारक प्रवृत्तियों को बल देने के लिये पड़े । वह नहीं चाहता था कि चीन अपने आपको अणु-शक्ति सम्पन्न देश समझे और कोई एसी हरकत कर बैठे, जिसकी वजह से वह सारे संसार को तीसरे महायुद्ध की चौखट पर ला खड़ा करे। अपनी ओर से उसने एटमबम की तबाही का काम यह सोचकर किया था कि कम से कम चार-पांच साल चीन ताकत के नशे में अन्धा होकर कोई गलत और गैर जिम्मे-द्वाराना हरकत करने का विचार नहीं करेगा। रिसर्च सेन्टर को तबाह करने के लिये जो किया है, तुम्हारे ही एक देशवासी ने किया है। हमने केवल उसके लिये साधन जुटाये है।'

'तुम यह कहना चाहते हो कि हमारे ही एक देशवासी ने दस हजार निर्दोष चीनियों की जान ले ली और उसमें देश की भलाई समझी ।'

'हां।'

'मुझे तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं। लेकिन अगर तुम सच बोल रहे हो, तो चांग कान चियांग अपने होशो हवाश में नहीं था । वह जरुर पागल हो चुका था।

'हो सकता है ।

(११७)

'क्या मैं तुम्हारी बात पर विश्वास कर लू ?'

'इसमें अविश्वास की कोई वजह नजर नहीं आती ।'

'अब तुम्हारा क्या इरादा है ? तुमने यहां से निकल भागने का कोई तरीका तो सोचा ही होगा ?'

'मैंने कोई तरीका नहीं सोचा है। दरअसल चांग कान चियांग ने मुझे धोखा दिया है। उसने मुझे कहा था कि वह मुझे बहुते पहले बता देगा कि वह कब विस्फोट का सामान करने वाला है, लेकिन वह तो शायद यह चाहता था कि मैं भी उसके साथ ही स्वाह हो जाऊ । उसकी दगाबाजी की वजह से अपने बचाव का काई रास्ता सोचने का मुझे मौका ही नहीं मिला ।'

'आगे कहीं भी जाने के लिये तुम्हारा सियान पहुंचना तो हर हाल में जरूरी है।'

'राइट ।'

'चलो फिर ।'

'यानी कि तुम मेरी मदद करोगी ?'

'इसके सिवाय और चारा ही क्या है। मेरी सलामती इसी मे है कि तुम चीन से चुपचाप खिसक जाओ और लोग यही समझें कि रिसर्च सेन्टर के साथ तुम भी स्वाहा हो चुके हो ।'

'तुम अपने बारे में क्या सफाई दोगी, तुम कैसे बच गई ?'

'उसका जवाब मेरे पास है। तुम चलने की तैयारी करो।' जेम्स बांड तुरन्त पुआल के ढ़ेर से उठ खड़ा हुआ । ।

रात के अन्धेरे में वे सियान पहुंचे ।

सियान की सड़कों पर घबराये हुये और आतंकित लोग इकट्ठे हुये खड़े थे । प्रत्यक्ष था कि अणविक विस्फोट का समाचार वहां तक पहुंच चुका था ।

अपने यूरोपियन परिधान की बजह से जेम्स बांड लोगों की उत्सुक और संदिग्ध निगाहों का शिकार बन सकता था, इसलिये

सन यान उसे अपेक्षाकृत सुनसान रास्तों से गुजराती हुई एक इमारत के पिछवाड़े में ले आई। इमारत का पिछला दरवाजा खुला था । दोनों भीतर प्रविष्ट हुये और लकड़ी की चरमराती हुई सीड़िरों द्वारा दूसरी मंजिल पर पहुंचे। सन यान ने दूसरी मंजिल का एक बन्द दरवाजा खटखटाया ।

एक बेहद वृद्ध महिला ने द्वार खोला । दोनों भीतर प्रविष्ट हुये ।

वृद्धा ने एक उदासीन निगाह जेम्सवांड पर डाली और फिर उनके पीछे दरवाजा बन्द कर दिया ।

सन यान रूसी भाषा में उस वृद्धा से बातें करने लगी । वार्तालाप का एक भी शब्द जेम्सबाण्ड की समझ में नहीं आया ।

वृद्धा ने बिना एक शब्द बोले उन्हें भोजन कराया और फिर एक छोटे से कमरे में उनके सोने का इन्तजाम कर दिया ।

सुबह जब जेम्सबांड की नींद खुली, उस समय सूरज सिर पर चढ आया था। सन यान चाय बना रही थी और वृद्धा कमरे में नहीं थी ।

'वह वृद्धा कहां गई ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा।

'बाजार।'

'वह है कौन ?',

'मेरी दादी है।'

'तुम उससे रूसी में बात कर रही थी ।'

'हां । मैंने तुम्हें पहले ही बताया था कि मेरी मां चीनी है और बाप रूसी है।'

'वृद्धा को चीनी नहीं आती ?'

'आती है, लेकिन रूसी ज्यादा आती है। रूसी होने के नाते वे रूसी बोलना ज्यादा पसन्द करती है।'

'वृद्धा कितनी देर में वापिस आयेंगी ?'

'अभी तो गई है। एक घन्टे से पहले क्या लौटेगी ।'

'तो फिर यहां आओ न !'

'और चाय...।'

'चाय को गोली मारो !'

सन यान बिना हिचक उसके बिस्तर पर पहुंच गई। वह केवल एक सूती गाउन पहने हुए थी । जेम्स बाण्ड ने एक क्षण में उसे उसके नग्न शरीर से अलग कर दिया। सन यान उसकी बांहों में समा गई ।

'ऐसी मुश्किल की घड़ी में भी तुम्हें ऐसी हरकतें सूझती हैं ?' सन यान ने पूछा ।

'इसी घड़ी में तो ज्यादा सूझती हैं।' जेम्स बाण्ड अपनी दक्ष उंगलियां उसके नग्न शरीर पर फिराता हुआ बोला -जिन्दगी का क्या भरोसा है ? पता नहीं अगला पल जीने को मिलेगा या नहीं।'

सन यान चुप रही ।

कितनी ही देर बाद जब सौढ़ियों से चरमराहट की आवाज सुनाई दी तो वे एक दूसरे से अलग हुये। सन यान ने जल्दी से गाउन पहन लिया ।

ऽ वृद्धा सब्जी और कई बन्द पैकेट लेकर आई थी और साथ में एक चीनी भाषा का अखबार भी लाई थी ।

सन यान ने अखबार को एक सिरे से दूसरे सिरे तक पलट डाला।

विस्फोट का कहीं जिक्र भी नहीं ।

'क्या बात है ?' जेम्सबांड ने पूछा । सन यान ने उसे बता दिया ।

'शायद उस खबर पहले अखबार छप चुका हो ।' जेम्स ब्राण्ड बोला- 'रेडियो लगाओ ।"

सन यान न घड़ी में टाइम देखा और फिर एक आलमारी से छोटा सा ट्रांजिस्टर रेडियो निकल लाई। उसने पेकिंग लगाया। थोड़ी देर बाद खबर प्रसारित होने लगी। लेकिन खबरों में भी विस्फोट का कतई कोई जिक्र नहीं था ।

'कमाल है !' सन यान रेडियो बन्द करती हुई बोली ।

'लेकिन चीनी एटमबम के विस्फोट की खबर को छुपाकर नहीं रख सकते

।' जेम्सबांड बोला- 'अणु के विघटन से पैदा रेडियो एक्टिव तरंगों की पहुंच चीनी बार्डरों से पार के मुल्को तक जरुर होगी और फिर सारे संसार को मालूम हो जाएगा कि चीन में एटमबम का विस्फोट हुआ है।'

सन यान चुप रही ।

'और अब अगर मैं अपने आपको प्रकट भी कर दू, तो वे मेरा क्या कर लेंगे ? मैं तो कह दूंगा कि विस्फोट की चेतावनी मैंने वांग चु ंग याओ को और सेन्टर के अन्य अधिकारियों को दी थी, लेकिन किसी ने मेरी बात का विश्वास न किया था, इसीलिये अपनी जान बचाने के लिये मैं सेन्टर से खिसक आया था।'

'ऐसी गलती भूलकर भी मत करता। आखिरकार हो तो तुम विदेशी ही । जो हुआ है उसके बाद तुम्हारी कोई सफाई उन्हें विश्वास नहीं दिला पायेगी कि सारे बखेड़े में कोई तुम्हारा हाथ नहीं था। वे तुम्हें किसी इम्पीरियलिस्ट देश का एजेन्ट समझकर गिरफ्तार कर लेगे, जनता की अदालत में तुम पर मुकद्दमा चलेगा और तुम्हें मौत की सजा सुना दी जायेगी । इस-लिये ज्यादा होशियारी दिखाने का ख्याल छोड़ दो और यहां से चुपचाप खिसकने की बात सोचो ।'

जेम्स बाण्ड चुप रहा। सन यान सच कह रही थीं।

'इन पैकेटों में तुम्हारे लिये कपड़े हैं।' सन यान वृद्धा के लाये पैकेटों की ओर संकेत करती हुई वोली- 'इन्हें पहन लो । मैं जरा बाहर जा रही हूं। थोड़ी देर में लौटूगी ।'

जेम्स बाण्ड ने सहमति-सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

सन यान के जाने के बाद जेम्स बाण्ड ने वृद्धा से प्रार्थना की कि वह उसे सिगरेट खरीदकर ला दे। वृद्धा भी कमरे से बाहर निकल गई।

(१२१)

जेम्सबाण्ड ने जल्दी से सन यान का ट्रांजिस्टर संभाला और संसार के विभिन्न स्टेशन पकड़ने की कोशिश करने लगा ।

होनोलूलू से खबरें प्रसारित हो चुकी थीं। खबरें समाप्त होने पर जब एनाउंसर ने मुख्य खबरें फिर दोहरानी आरम्भ की तो जेम्सबांड के कान खड़े हो गये ।

समाचार के अनुसार चीन ने अपना चौथा अणु बम टैस्ट किया था। वह बम पिछले तीन बमों से बहुसे ज्यादा शक्तिशाली था और उसके विस्फोट का स्पंदन बहुत दूर-दूर तक अनुभव किया गया था। जापान से प्राप्त सीस्मोग्राफ अंकन से पता चला था कि इस बार विस्फोट सदा की तरह सिकियांग में नहीं, बल्कि सियान के आस-पास कहीं हुआ था । वाशिंगटन में हवा के नमूने इकट्ठे किये जा चुके हैं और उन्हें टैस्ट के लिये प्रयोगशाला भेजा जा चुका है। अन्त में संवाददाता ने बताया कि चीन सरकार ने इस विषय में कोई सरकारी वक्तव्य प्रसारित नहीं किया था ।

जेम्स बाण्ड ने रेडियो बन्द कर दिया ।

तो विस्फोट का समाचार बाहरी दुनिया को मिल चुका था और अब तक 'एम' को भी मालूम हो चुका होगा कि ऑपरेशन कामयाब रहा था ।

सन यान वापिस आई। उसके चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थीं । वह धम्म से एक कुर्सी पर बैठ गई ।

'क्या हुआ ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा.।

'बहुत तबाही मची है, मिस्टर शेरमन !' वह भरे गले से बोली -'दस हजार आदमी विस्फोट की लपेट में आ गये हैं। घायलों और मृत शरीरों को सियान में लाया जा रहा है। बाहर लाशों की कतारें लगी पड़ी हैं। जो जिन्दा हैं, वे मुर्दों से बद्तर हैं। कई विस्फाट की चमक से अन्धे हो गये हैं। कई धमाके से

बहरे हो गये हैं। कइयों के जिस्म से खाल यू ं झड़ गई है, जैसे दीवार से कलई झड़ जाती है। किसी के हाथ नहीं है। किसी के पांव नहीं है । कोई

जला पड़ा है। काई भुना पड़ा है । कोई मरने वाला है। कोई मर गया है. जिधर भी निगाह उठाओ, तबाही ही तबाही दिखाई देती है ।'

जेम्स बाण्ड चुप रहा उसका चेहरा स्लेट की तरह साफ था ।

'सियान से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं हैं।' वह बोली- 'सड़कों के रास्ते ब्लाक कर दिये हैं। हवाई जहाज और रेलें बन्द हो गई हैं। मौजूदा हालत में तुम सियान से बाहर कदम भी नहीं रख सकते ।'

'लेकिन मेरा यहां रहना तुम्हारे लिये और तुम्हारी दादी के लिये खतरनाक सिद्ध हो सकता है ।'

'और मैं स्वयं को अधिकारियों पर प्रकट कर आई हूं।'

'क्या ?' जेम्सबाण्ड चौंककर बोला ।

'मैं अभी अधिकारियों के पास गई थी। मैंने उन्हें बताया है कि कल शाम जब मैं तुम्हारा पासपोर्ट लेने के लिये शहर आई थी तो सेन्टर में वापिस नहीं गई थी। मुझे डायरेक्टर वांग चु ंग याओ ने फोन पर कहा था कि मैं सियान में ही रहूं। अगले दिन वह जेम्स बाण्ड को अपनी कार में सियान भेज देगा ।'

'वांग चु ंग याओ ने तुम्हें ऐसा कहा था ?'

'नहीं। लेकिन वह मेरी बात को गलत सिद्ध करने के लिये जिन्दा नहीं है। मैंने पहले ही पता कर लिया था कि सेन्टर में और उसके आस-पास दस मील के क्षेत्रफल में मौजूद एक भी आदमी जिन्दा नहीं बचा है।'

"अधिकारियों को तुम्हारी बातों पर विश्वास हो गया है ?',

'अभी वे मुझे सन्देह की निगाहों से देख रहे हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है, जल्दी ही वे मेरी कहानी पर पूरी तरह विश्वास कर लेंगे ।'

'आई सी ।'

'और मिस्टर शेरमन, जहां तक मेरा ख्याल है, अधिकारी इसे दुर्घटना ही समझ रहे हैं। अगर अधिकारी इसे किसी बाहरी आदमी का काम समझते होते तो अभी तक रेडियो पीकिंग ने अमेरिका और अन्य इम्पीरियलिस्ट देशों पर इलजाम लगाने आरम्भ कर दिये होते और उन्हें गालियां देनी आरम्भ कर दी होती। वे बात को इसलिये छुपा रहे हैं क्योंकि सारे विनाश के पीछे उन्हें कोई अपनी ही गलती या लापरवाही दिखाई दे रही है।'

'सम्भव है।'

'और आपने कपड़े नहीं बदले ?'

'अभी बदलता हूं ।"

जेम्स बाण्ड ने पैकेट खोलने आरम्भ कर दिये ।

थोड़ी देर बाद वह एक भूरे रंग क' माओ स्टाइल ढीला-थाला गोल कालर वाला कोट, उसी रंग की ढीली ढाली बद् शक्ल पतलून और पीले जूते पहने था ।

एक पैकेट में एक फर्स्ट एड बाक्स भी था ।

'मिस्टर शेरमन ।' सन याना फर्स्ट एड बाक्स खोलती हुई 'बोली- 'मैं तुम्हारे चेहरे और शरीर के अन्य खुले भागों पर पट्टियां लपेटने जा रही हूं। इससे तुम्हारी योरोपियन सूरत भी छुप जायेगी और लोग तुम्हें विस्फोट में घायल आदमी समझेंगे । इस प्रकार तुम कम से कम सियान से बाहर निकलने में कामयाब हो जाओगे ।'

'बड़ा अच्छा ख्याल है, लेकिन तुम तो कह रही थी कि रेलें वगैरह चल नहीं रही हैं।'

'घायलों को ले जाने के लिये रेलगाड़ी चल रही हैं।' शाम को छः बजे सन यान ने फिर एक बार पेकिंग रेडियो लगाया ।

पेकिंग रेडियो विस्फोट के बारे में अभी भी चुप था ।

(१२४)

'आखिर ये लोग कब तक चुप रह सकते हैं।' जेम्स बाण्ड बोला- 'बाहरी दुनिया को हकीकत मालूम हो जाने के बाद इन्हें स्याह सफेद कुछ तो करना ही होगा। अगर माओ ने सेन्टर की तबाही का इलजाम किसी बाहरी मुल्क पर लगाया और फिर कोई एक्शन नहीं लिया तो लोग माओ को कागजी पहल-वान ही समझेंगे और एक्शन वह ले सकता है ? अब क्योंकि वह यू एन ओ का मैम्बर बन गया है इसलिये बड़ी हद यह होगी कि वह वहां कोई होहल्ला मचा लेगा। जैसे वह आजकल अमे-रिका के साथ सम्बन्ध बना रहा है उससे हमें उम्मीद नहीं कि वह अमेरिका पर इलजाम भी लगाने की कोशिश करे। ऐसी हालत में निक्सन की चीन यात्रा खटाई में पड़ जायेगी और माओ ने इसे केवल एक दुर्घटना ही बताया तो सारी दुनिया उस पर हंसेगी कि अणु शक्ति के बारे में चीन खाक भी नहीं जानता, लेकिन उससे खिलवाड़ करने से बाज नहीं आता ।'

वे ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे। वे तो नकाड़े बजाकर सारी दुनिया को यह बतायेंगे कि उन्होंने एक और न्यूक्लियर टैस्ट को बड़ी सफलता से समाप्त कर लिया है।'

'और ये जो दस हजार लोग विस्फोट के शिकार हो गये हैं, इनको वे कहां छुपायेंगे ।'

'इसकी खबर चीन से बाहर नहीं जायेगी और चीनी जनता जो सोचती है, सोचती रहे। उनकी कौन परवाह करता है।

कोई इस बारे में जुबान खोलने की हिम्मत नहीं करेगा ।'

जेम्स बाण्ड चुप हो गया ।

सन यान ठीक कह रही थी ।

रात को आठ बजे सन यान जेम्स बाण्ड को रेलवे स्टेशन पर ले आई। उसे पता लगा था कि उस समय घायलों से भरी हुई

एक गाड़ी हानको जाने वाली थी ।

सन यान ने जेम्स की छाती, गरदन और सारे चेहरे को इस प्रकार पट्टियों से ढक दिया था कि केवल जेम्स बान्ड की एक आंख और होंठ का कुछ भाग ही पट्टियों से बाहर दिखाई दे रहा था । उसने जेम्स बाण्ड के हाथों पर भी कलाइयों तक पट्टियां लपेट दी थीं और उपर से उसे कोट पहना दिया था। फिर उसने एक कागज पर चीनी में एक वाक्य लिखा और कागज को ऑलपिन द्वारा उसके कोट पर जड़ दिया ।

'यह क्या है ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

'मैंने इस पर लिखा है कि तुम विस्फोट से जल गये हो और शायद रेडियो एक्टिव धूल का प्रभाव भी तुम पर है।'

'फ़ायदा?'

'फायदा यह है कि लोग तुम्हारे पास फटकने से कतरायेंगे, जो कि सुरक्षा के लिहाज से तुम्हारे हित में है।'

जेम्स बाण्ड ने सहमति से सिर हिलाया ।

सन यान् उसे स्टेशन पर ले आई ।

स्टेशन पर घायलों के लिये तम्बू लगे हुए थे और उन्हें तीमारदाी के लिये दूसरे शहरों में भेजने का इन्तजाम किया जा रहा था । जेम्स बाण्ड जैसे काफी घायल वहां थे लेकिन अधिकतर लोग स्ट्रेचर पर पड़े थे। वे या तो बेहोश थे और या अपने पैरों पर खड़े होने में असमर्थ थे। प्लेटफार्म पर एक लम्बी गाड़ी खड़ी थी। सफेद वर्दीधारी अर्दली घायलों को गाड़ी पर लाद रहे थे । सन यांन ने उसे एक अर्दली के हवाले कर दिया । अर्दली ने

उसे एक डिब्बे में चढ़ा दिया ।

डिव्या घायलों से खचाखच भरा हुआ था। घायल फर्श पर पड़े थे, सीटों के नीचे पड़े थे यहां तक कि क्लाकरूम में ही भरे हुये ये । जेम्स बांड बड़ी कठिनाई से एक बैंच पर अपने लिये जगह बना पात्रा ।

गाड़ी चलने तक सन यान बाहर भीड़ में प्लेटफार्म पर खड़ी रही ।

(१२६)

गाड़ी चली। उसने हाथ हिलाकर जेम्स बांड का अभि-वादन किया । जेम्स बाण्ड को भीड़ में उसकी आखिरी बार झलक दिखाई दी, फिर सन यान पीछे रह गई । प्लेटफार्म भी पीछे रह गया, उजड़ा हुआ रिसर्च सेन्टर पीछे रह गया ।

जेम्स बाण्ड ने नेत्र बन्द कर लिये। डिब्बे में मौजूद सैकडों घायलों और मरणासन्न आदमियों में वह अकेला स्वस्थ आदमी था इसलिये वह स्थिति उसके बर्दाश्त से बाहर थी ।

अगले दिन शाम को ट्रेन हानको पहुंची । बाहर प्लेटफार्म पर अस्पताल और रैडक्रॉस के कई आदमी खड़े थे और लाचार घायलों को अस्पताल ले जाने के लिये तैयार कई स्ट्रेचर पड़े थे ।

कम्पार्टमेंट के फर्श पर पड़े कई घायल रास्ते में दम तोड़ चुके थे । जेम्स बाण्ड बड़ी मुश्किल से मरे और अधमरे शरीरों पर से गुजरता हुआ कम्पार्टमेंट से बाहर निकल आया। प्लेट-फार्म पर आकर उसने पहली बार खुलकर सांस ली । कम्पार्टमेंट की बदबू और घुटन से उसका दिमाग भन्ना गया था ।

ट्रेन में से घायल और मृत शरीर उतारे जाने लगे । जेम्स बाण्ड क्योंकि अपने पैरों पर खड़ा था इसलिये किसी ने उसकी और ध्यान नहीं दिया। जेम्स बाण्ड भीड में से सरकता हुआ प्लेटफार्म के पृष्ठ भाग में पहुंच गया और वहां से चुपचाप बाहर खिसक जाने का कोई रास्ता तलाश करन लगा ।

उसी क्षण एक चीनी युवक उसके सामने आ खड़ा हुआ । उसकी आयु मुश्किल से बीस साल थी और वह अपने बाजू पर रेडक्रॉस का बिल्ला लपेटे हुए था। वह आगे झुककर सावधानी से जेम्स बाण्ड की छाती पर पिन से लगाया हुवा कागज पढ़ने लगा ।

(१२७)

जेम्स बाण्ड सतर्क हो गया। उसने धीरे-धीरे उस युवक से परे सरकना आरम्भ कर दिया ।

'डोट मूव ।' वह युवक अंग्रेजी में बोला । जेम्स बांड ठिठक गया ।

कुछ क्षण बाद युवक सीधा खडा हो गया । वह जेम्स बाण्ड के समीप सरक आया और फिर धीमे म्वर में बोला- 'मैं तुम्हारे ही इन्तजार में ही यहां खड़ा हूं।

'मेरे इन्तजार में ?' जेम्स बाण्ड हैरानी से बोला ।

'मुझे सन यान ने यहां भेजा है ।'

'ओह ! जेम्स बाण्ड ने शांति की सांस ली ।

'मेरे साथ आओ ।'

एकाएक उसके मन में एक संदेह उपजा ।

'लेकिन तुम्हें मेरी खबर कैसे हुई ?' उसने युवक से पूछा -'सन यान तो कहती थी कि सियान का बाहर से सम्पर्क बिल्कुल कटा हुआ। था । संचार के सारे साधन बन्द थे। फिर उसने मेरी सूचना तुम तक कैसे भिजवाई ?'

'हमारे पास साधन है।' युवक बोला- 'यह बहस करने का समय नहीं है, मिस्टर । फौरन यहां से निकल चलिये । अभी थोड़ी देर में स्टेशन पुलिस द्वारा घेर लिया जायेगा ।'

जेम्स बाण्ड ने प्रतिवाद के लिये मुंह खोला लेकिन फिर कुछ सोचकर चुप हो गया और तेजी से कदम बढ़ाते हुये चीनी युवक के पीछे चल दिया ।

लेकिन स्टेशन पहले ही पुलिस द्वारा घेरा जा चुका था । युवक एक क्षण के लिये हड़बड़ाया फिर वह स्टेशन के कम्पा-उन्ड में खड़ी कई एम्बूलेंसों में से एक के ड्राईवर से बातें करने लगा ।

कुछ क्षण वाद उसने जेम्स बाण्ड को संकेत किया । दोनों एम्बूलेंस में ड्राइवर के साथ बैठ गये। थोड़ी देर बाद दस बारह घायल शरीर एम्बूलेंस के पृष्ठ भाग में लाद दिये गये। एम्बुलैंस तुरन्त वहां से रवाना हो गई। पुलिस वालों ने एम्बूलेंस को

अपने घेरे से निकल जाने दिया ।

जेम्स बाण्ड की जान में जान आई। मन ही मन उसने सन यान का शुक्रिया अदा किया। अगर उसने उस युवक को उसकी मदद के लिये न भेजा होता तो उसकी हालत आसमान से गिर- । कर खजूर में लटकने जैसी होती ।

एम्बूलैस नगर के विभिन्न रास्तों से गुजरती हुई एक अस्प-ताल के सामने आ खड़ी हुई। जेम्स बाण्ड व्यग्रं हो उठा । युवक ने आश्वासनपूर्ण ढंग से उसका घुटना दबाया ।

जेम्स बाण्ड और युवक एम्बूलेंस से निकल कर नीचे आ खड़े हुये ।

अस्पताल में से स्ट्रेचर लिये अर्दली निकलने लगे और घायलों को स्ट्रेचर पर लादकर भीतर ले जाने लगे ।

एक नर्स जेम्स बाण्ड की तरफ बढी ।

'यह चल सकता है।' युवक नर्स से चीनी में बोला- 'मैं इसे खुद वार्ड में छोड़ आऊंगा ।'

नर्स ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया और अन्य घायलों की ओर बढ़ गई ।

जेम्स बाण्ड और वह युवक अस्पताल के भीतर की ओर बढ़े । एक खाली गलियारे में पहुंचकर युवक ने एकाएक जेम्स वाण्ड को एक बगल के दरवाजे के भीतर धकेल दिया और दर-वाजा भीतर से बन्द कर लिया। वह एक क्लाक रूम था । युवक ने उसका कोट उतार दिया और फिर एक छोटे से चाकू की सहायता से उसने जेम्स बाण्ड के शरीर पर बंधी पांट्टयां काटनी आरम्भ कर दीं। पांच मिनट में उसने जेम्स बाण्ड के शरीर से तमाम पट्टियां हटा दी और उन्हें टायलेट में डालकर ऊपर से फ्लश चला दी ।

जेम्स बाण्ड ने कोट पहन लिया और उसके गले तक के सारे बटन बन्द कर लिये ।

युवक ने दरवाजा थोड़ा सा खोलकर बाहर झांका ।

गलियारा खाली था।

उसने जेम्स बाण्ड को संकेत किया। दोनों गलियारे में आ गये और पिछवाड़े के एक रास्ते से अस्पताल से बाहर निकल आये ।

'पैदल चल सकते हो ?' युवक ने पूछा ।

'हां ।' जेम्स बाण्ड बोला ।

'तो फिर जल्दी-जल्दी कदम बढ़ाओ, हमें काफी दूर जाना है।'

दोनों तेजी से आगे बढ़े ।

'स्टेशन को पुलिस ने क्यों घेर रखा था ?' एकाएक जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

'ताकी स्थानीय लोगों को यह पता न लगे कि रिसर्च सेन्टर के विस्फोट ने

कितनी तबाही मचाई है।'

'तुम्हें रिसर्च सेन्टर के विस्फोट के बारे में मालूम है ?'

'मालूम है ।'

'सन यान से तुम्हारा क्या सम्बन्ध है ?'

'कोई सम्बन्ध नही है।'

'तुम मेरी मदद क्यों कर रहे हो ?'

'क्योंकि सन यान ने मुझे ऐसा करने के लिये वहा है।'

'बस ! इतनी वजह काफी है।'

'काफी है।'

'तुम जानते हो, मैं कौन हूं ?'

'मैं जानना नहीं चाहता। मैं केवल इतना जानता हूं कि मैंने आपको सुरक्षित निकल जाने का कोई मुनासिब इन्तजाम करना है ।'

'हम कहां जा रहे हैं ?'

'यूनीवर्सिटी ।'

(१३०)

'तुम वहां पढ़ते हो ?'

'हां।'

'तुम्हारा नाम क्या है ?'

'लिऊ।'

उसके बाद वार्तालाप का सिलसिला नहीं चला।

कम से कम तीन मील लगातार चलते रहने के बाद वे यूनीवर्सिटी पहुंचे ।

लिऊ उसे सीढ़ियों के रास्ते एक विशाल इमारत की छटी भजिल पर ले आया। उसने चाबी लगाकर एक छोटे से कमरे का दरवाजा खोला । दोनों भीतर प्रविष्ट हुये ।

'फिलहाल आप यहां रहेंगे। लिऊ बोला- 'और भगवान के लिये यहां मे बाहर एक कदम भी मत रखियेगा। मेरे पीछे दरवाजा बन्द कर लीजियेगा, और किसी भी सूरत में किसी को हरगिज-हरगिज भी दरवाजा मत खोलियेगा। यहां आपके भोजन के लिये काफी डिब्बाबन्द सामान मौजूद है। यह चावी आप रख लीजिये । मेरे पास और चाबी है।'

युवक चला गया । जेम्स बांड ने मजबूती से दरवाजा बन्द कर लिया और ताले की चाबी घुमा दी ।

अगले दिन युवक फिर वहां आया। उसने जेम्स बाण्ड से पूछा कि क्या वह फ्रेंच भाषा जानता है। जेम्स बान्ड ने बताया कि वह गुजारे लायक फ्रेंच बोल सकता है ।'

तीसरे दिन युवक अपने साथ एक छोटा सा सूटकेस लाया । सूटकेस में एक फ्रेंच ढंग का कटा हुआ सूट था। उसने जेम्स बांड को वह सूट पहनने के लिये कहा। जेम्स बाण्ड ने सूट पहन लिया। एक छोटे से कैमरे से युवक ने जेम्स बाण्ड की एक तस्वीर खीच ली ।

तीन दिन जेम्स बाण्ड को युवक के दर्शन नहीं हुये ।

सातवें दिन युवक वहां आया तो आते ही उसने जेम्स बांड'

के हाथ में एक पासपोर्ट रख दिया। वह एक फ्रेंच पासपोर्ट था और उस

पर जीन पाल बार्दा का नाम लिखा हुआ था । तस्वीर की जगह जेम्स बाण्ड की तस्वीर लगी हुई थी। पासपोर्ट में ही एक हानको से शंघाई तक का फर्स्ट क्लास का स्टीमर टिकट था ।

'स्टीमर रात को दस बजे हानको से चलेगा ।' युवक ने 'बताया--'यह पासपोर्ट किसी दूसरे आदमी का है । केवल उसकी तस्वीर के स्थान पर आपकी तस्वीर चिपका दी गई है।
शंघाई में यह आपको लौटाना पड़ेगा ।'

'किसे लौटाऊ ंगा मैं ?'

'कोई आपको शंघाई पोर्ट पर मिल जायेगा ।'

'मैं उसे पहचानूगा कैसे ?'

'वह आपको पहचान लेगा ।'

'कैसे ?'

'हमारे पास साधन हैं। वैसे ही स्टेशन पर मैने आपको पहचान लिया था ।'

'आई सी ।'

'आप तैयार रहियेगा। नौ बजे मैं आपको लेने आऊंगा।'

'मैं इन्तजार करूंगा।'

वह युवक चला गया।

जेम्स बाण्ड सुरक्षित शंघाई पहुंच गया ।

पुलिस कन्ट्रोल से भी वह सुरक्षित निकल आया ।

पोर्ट से बाहर ही उसे लिऊ की आयु का ही एक अन्य चीनी युवक मिल गया । उसके होठों में एक अधजला सिगरेट लटका था। उसने जेम्स बाण्ड से माचिस मांगी। जेम्स बाण्ड ने माचिस से उनका सिगरेट सुलगा

दिया ।

'थैंक्यू ।' वह बोला- 'आर यू मिस्टर जीने पान वार्को ?'

(१३२)

'हाँ।' जेम्स बॉन्ड ने कहा।

'मेरे साथ आइये ।'

जेम्स बाण्ड युवक के साथ हो लिया ।

नानकिंग रोड पूरी पैदल पार करने के बाद वे एक पतली गली में घुस गये । गली के सिरे के एक मकान के सामने युवक रूका । दोनों भीतर प्रविष्ट हुये। युवक उसे पहली मंजिल के एक कमरे में ले आया ।

कमरे में पहुंच कर युवक जेम्स बाण्ड की ओर घूमा और बड़ी मित्रतापूर्ण ढंग से उसने अपना हाथ जेम्स बाण्ड की ओर, बढ़ा दिया ।

जेम्स बाण्ड ने उसका हाथ थाम लिया ।

'मेरा नाम चाओ सु ंग सुई है। वह मीठे स्वर में बोला-' मैं यहां की स्टूडेंट यूनी'यन का प्रेसीडेट हूं।'

'प्लीज्ड टु मीट यू ।' जेम्स बाण्ड बोला । युवक ने उसका हाथ छोड़ दिया ।

'तुभ सन यान को जानते हो? जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

' 'जानता हूं। हमें उससे बहुत तगड़ा मार्ग निर्देशन मिलता है।

'वह ठीक है ?'

'ठीक है, क्या मतलब ?'

'वह सुरक्षित है ?'
- 'मैं आपकी बात नहीं समझ पा रहा हूं। पता नहीं आप क्या जानना चाहते हैं, लेकिन मैंने सन यान के बारे में कोई असाधारण बात नहीं सुनी है। वह इस समय पीकिंग में है और एकदम सकुशल है ।'

... जेम्स बांड ने शांति की सांस ली। इसका मतलब था कि सन यान की बात हकीकत के रूप में स्वीकार कर ली गई थी।

'मिस्टर 'शेरमन !' चाओ सुग हुई बोला- 'बहुत , दिन

पहले आप सियान में थे। क्या आप बता सकते हैं कि वास्तव में वहां क्या हुआ है !'

'क्या मतलब ?' जेम्स बाण्ड ने सतर्क स्वर से पूछा ।

'पिछले दिनों पेकिंग रेडियो ने घोषणा की थी कि सियान के रिसर्च सेन्टर में एक और सफल एँटामिक टैस्ट किया गया है और उसके बाद से रेडियो इस विषय पर एकदम चुप है, लेकिन हमें विश्वस्त सूत्रों से मालूम हुआ है कि वह टैस्ट सफलता पूर्वक नहीं हुआ था । उसकी वजह से रिसर्च सेन्टर में कोई दुर्घटना हो गई थी और परिणाम स्वरूप सैंकड़ों आदमी मारे गये थे। सरकार वास्तविक बात बता नहीं रही है। इस विषय पर रेडियो और अखबार बिल्कुल चुप हैं क्या आपको वास्तविक बात की कोई जानकारी है ?'

'वहां एक विस्फोट हुआ तो था ।' जैम्स बाण्ड सावधानी से शब्द चयन करता हुआ बोला- 'और उसमें काफी जानें भी गई थीं । सेंटर के क्योंकि सभी लोग मर गये हैं, इसलिये अधिका-रियों को विस्फोट का कारण मालूम नहीं हो सका है और शायद इसी वजह से वे चुप हैं

'लेकिन हमारे सुनने में तो आया है कि वह विस्फोट किसी दुर्घटना के कारण नही हुआ है बल्कि किसी की शरारत से ऐसा हुआ।'

ऐसी घटनाओं के बाद तरह-तरह की अफवायें फैलती ही हैं। लोग कह रहे

होंगे कि सेन्टर कीं तबाही में अमेरिका या इंगलैंड का हाथ है।'

'या रूस का ?'

'लेकिन रूस तो तुम्हारा दोस्त है ?'

'जनता रूस को दोस्त मानती है लेकिन माओ की सरकार अब रूस को दोस्त नहीं मानती ।'

'तुम विद्यार्थी रूस के हक में हो या उसके विरोधी हो ?'

"हम रूस के हक में है। और हमें रूस की भारी सहायता

(१३४)

प्राप्त हो रही है।'

'किस प्रकार की सहायता ?'

'धन-दौलत की सहायता । सन यान के प्रयत्नों से हमें रूस से बहुत धन मिलता है। हाल ही में सन यान ने दो लाख रुबल दिलवाये हैं।'

'सन यान ने ?'

'हां। वह सरकारी टूरिस्ट एजेन्सी में काम करती है इसलिये उसे विदेशियों से सम्पर्क बनाने के ज्यादा मौके मिलते हैं।' لعمل

'ऐसे धन का तुम करते क्या हो ?'

'जरूरतमन्दों को देते हैं। जैसे, पिछले दिनों हमने ढ़ेर सारा धन जकार्ता की स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन को दिया था ताकि वे सुकार्णों की डिक्टेटरशिप के खिलाफ लड़ सकें ।'

'आई सी ।'

'मिस्टर शेरमन, रिसर्च सेन्टर में हकीकत में क्या हुआ है आपको वास्तव

में उसकी कोई जानकारी नहीं ?'

'सॉरी। मैं उतना ही जानता हूं, जितना कि तुम जानते हो । तुम सन यान से बात करो । शायद वह तुम्हें कुछ बता सके।'

'आल राइट ।'

'मेरी यहां से निकासी के बारे में तुमने क्या सोचा है ? क्या मैं किसी तरह हांगकाग पहुंच सकता हूं?'

'कैन्टन तक तो जाना आसान है, लेकिन कैंटन से हांगकांग पहुंचना मुश्किल है। वहां चीनी और ब्रिटिश दोनों सरकारों की कड़ी निगरानी है। कैन्टन से हांगकांग जाने के लिये निकासी के परमिट की जरूरत होती है, जिस परं खुद प्राइम मिनिस्टर चाऊ एन लाई दस्तखत करता है।'

'ता फिर ?'

'सहूलियत का काम यही है कि किसी विदेशी जहाज के

कर्मचारी को रिश्वत देकर आपको उपर चढ़ा दिया जाये । चाहें तो आप खुद भी वाटर फन्ट पर जाकर किसी विदेशी सेलर को पटाने की कोशिश कर सकते हैं। शंघाई में योरोपियन बहुत हैं, इसलिये कोई आपको सन्देह की निगाह से नहीं देखेगा। हम भी कोशिश करेंगे। आप भी कोशिश करिए। कोई नतीजा तो निकलेगा ही ।'

बात जेम्स बाण्ड को भी पसन्द आई ।

* उसी रात को वह वाटर फ्रन्ट पर पहुंचा । पूछताछ करने पर मालूम हुआ कि एक इटली का जहाज उसी रात को वहां से रवाना होने वाला था, लेकिन उसके सारे कर्मचारी पहले ही जहाज पर पहुंच चुके थे। एक जापानी जहाज हार्बर पर खड़ा था, लेकिन जापानी भाषा न आने की वजह से वह उसके किसी कर्मचारी से बात नहीं कर सकता था अगला पूरा सप्ताह कोई अन्य विदेशी जहाज वहां नहीं आने वाला था ।

निराश सा जेम्स बाण्ड वापिस लौट पडा ।

रास्ते में उसे ख्याल आया, क्यों न दिदी मछियारे को पटाया जाए। अगर कोई मछियारा मान जाए को वह बड़ी सहू-लियत से उसे फारमोसा छोड़कर आ सकता था और वहां से स्वदेश लौटना आसान था। चाओ चुंग सुई स्टूडेन्ट लीडर था । कोई इंतजाम वह बड़ी सहूलियत से कर सकता था ।

'अपने ख्यालों में मगन चलते हुए जेम्सबाण्ड ने ज्यों ही मोड़ काटा यह सीधा किसी आदमी से टकराया। उसने सिर उठाकर उस आदमी की सूरत देखी ।

उसे अपने दिल की धड़कन रुकती महसूस हुई ।

सामने जेवरोस्की खड़ा था ।

जेम्सबाण्ड हक्का-बक्का सा उसका मुंह देखने लगा। उस के मुंह से बोल नहीं फूटा । जेवरोस्की आखिरी आंदमी था जिससे वहां मिलने की वह अपेक्षा कर सकता था ।

'ओह माई गॉड!' जेबरोस्की भी जेम्स बाण्ड जितना ही

हैरान था- 'शेरमन ! मैं तो समझा था कि तुम मर चुके हो।'

'लेकिन मैं जिन्दा हूं।' जेम्स बाण्ड के मुंह से इतना हो निकला ।

'वह तो दिखाई दे रहा है, लेकिन यह सम्भव कैसे हुआ ? 'तुम तो विस्फोट के शिकार हो चुके थे।'

'मैं उसी शाम सियान आ गया था ।'

"लेकिन तुम तो बहुत दिन बाद आने वाले थे । तुम्हारा तो अभी वहां कई

दिन का काम था ।'

'काम जल्दी खतम हो गया था।' जेम्सबाण्ड अपने स्वर को ज्यादा से ज्यादा अधिकार का पुट देने की कोशिश करता हुआ बोला ।

'बड़े तकदीर वाले हो, उस्ताद । ऐन मौके पर मौत के मुह से निकल आए।'

'ऊपर वाले की दुआ है।' फिर जेम्सबाण्ड विषय परिवर्तन की गर्ज से बोला- 'लेकिन तुम शंघाई में क्या कर रहे हो ?'

'अरे मुझे गोली मारो। तुम अपनी बात करो ।

'क्या बात करूँ ?'

'वहां हुआ क्या था ?'

'वहां ?'

'सेन्टर मे । वो भक्क से उड़ कैसे गया ?'

'मुझे क्या मालूम ? शायद जो बम वे टैस्ट कर रहे थे, वह फट गया था ।'

'लेकिन मैं ने तो सुना है वे कोई टैस्ट कर ही नहीं रहे थे । वह तो पूरे का पूरा सेन्टर ही उड़ गया था ।'

जेम्स बाण्ड चुप रहा ।

'सेन्टर की तबाही का समाचार सुनते ही पहला ख्याले मेरे दिमाग में यही आया था कि जरूर तुमने कोई शरारत की है।'

'पागल हो गये हो। मैं क्या शरारत कर सकता था ? और मुझे कोई शरारत करने की जरुरत क्या थी ?'

'यह सब मैं नहीं जानता, लेकिन तुमने कोई न कोई घोटाला किया जरुर है

। शेरमन, मुझे शुरू से ही तुम्हारे में कोई अस्वाभाविकता लग रही थी लेकिन...।'

'तुम्हारी अक्ल खराब हो गई है। अगर सेन्टर की तबाही में मेरा कोई हाथ होता तो क्या मैं अभी तक चीन में ही घूम रहा होता । मैं इंगलैंड न पहुंच गया होता ?'

'तुम्हारी यहां मौजूदगी की भी जरूर कोई वजह होगी या कोई मजबूरी होगी ।'

'नानसेंस ।'

'ठहरे कहां हो ?'

'बब्लिग वैल रोड के एक होटल में ।'

'और तुम्हारी वह खूबसूरत चीनी गाइड कहां है ?'

'अब मुझे उसकी जरूरत नहीं। वह पेकिंग में ही रह गई है।'

'यानी कि वह भी जिन्दा है। वह भी विस्फोट की चपेट में नहीं आई।'

'वही तो मुझे विस्फोट से पहली रात को पेकिंग लाई थी ।'

'आई सी, आई सी । बड़े तकदीर वाले हो, दोस्त ।'

'ओ० के०. जेबरोस्की । जेम्स बाण्ड ने चलने का उपक्रम किया- 'होप टु सी यू अगेन ।'

'सुनो, सुनो ।'

'क्या है ?'

'बड़ा घटिया सूट पहने हुए हो। तुम्हारे वे लन्दन के सिले हुये कीमती सूट कहां गये ।'

'वे भी हैं, और सूट इतना घटिया नहीं है जितना कि तुम इसे साबित करने की कोशिश कर रहे हो ।'

'हां । शायद ।' जेबरोस्की सन्दिग्ध स्वर में बोला-'लेकिन प्यारे, अगर किसी आदमी ने पहले तुम्हें देखा हो और वह तुम्हें

अब देखें तो वह यही समझेगा कि तुम कहीं से इतनी जल्दी में भागे हो कि तुम्हें अपना सामान उठाने का भी मौका नहीं मिला ।'

'मजाक अच्छा कर सकते हो ।'

'मैं मजाक नहीं कर रहा हूं ।'

'ऐनी वे । गुड नाइट, जेबरोस्की ।' और जेम्स बाण्ड आगे बढ़ गया ।

अगला मोड़ काटने से पहले उसने एक बार पीछे घूमकर देखा ।

जेबरोस्की अभी भी फुटपाथ पर खड़ा था और उसी की ओर देख रहा था। उसके चेहरे पर सन्देह और उलझन की स्पष्ट छाप थी ।

जेम्स ब्राण्ड सीधा अपने कमरे में पहुंचा ।

जेबरोस्की से उस अप्रत्याशित मुलाकात ने उसे झिंझोड़कर रख दिया था । जेबरोस्की सेन्टर से सम्बन्धित पहला आदमी था जिसे यह मालूम हुआ था कि जेम्सबाण्ड मरा नहीं था। अगर उसके माध्यम से यह बात अधिकारियों तक पहुंच गई तो वे उसकी तलाश में चीन का चप्पा-चप्पा छनवा देंगे ।

अब उसका जल्दी से जल्दी चीन से निकल जाना और भी जरूरी हो गया था ।

और सन यान को चेतावनी देना भी उतना ही जरूरी था ।

अगली शाम से पहले उनकी चाओ सु ंग सुई से मुलाकात नहीं हुई। वह जब कमरे में पहुंचा, तो वह बहुत उत्तेजित था।

'आई एम सॉरी, मिस्टर शेरमन !' जेम्स बाण्ड के कुछ कहने से पहले ही वह बोल पड़ा- 'कुछ ऐसी घटनायें घटित हो

गई हैं, जिनकी वजह से अगले दो तीन दिन मैं आपकी निकासी का इन्तजाम करने की दिशा में कुछ भी नहीं कर सकूगा । या तो आपको अपना इन्तजाम खुद करना पड़ेगा या प्रतीक्षा करनी पड़ेगी ।'

'क्या हो गया है ?' जेम्स बाण्ड ने आशंकित स्वर से पूछा।

- 'पेकिंग में विद्याथियों ने प्रदर्शन किया था, जिसकी वजह से बहुल गिरफ्तारियां हुई हैं और पेकिंग यूनिवर्सिटी के स्टूडेन्ट लीडर लू विंग को यूनिसिटी से निष्कासित कर दिया है।'

'इससे यहां शंघाई में आपको क्या फर्क पड़ता है ?' जेम्स बाण्ड का स्वार्थ बोल पड़ा ।

'फर्क क्यों नहीं पड़ता , मिस्टर शेरभन ! हम सारे चीन के विद्यार्थी स्वयं को एक इकाई समझते हैं और एक इकाई की तरह ही काम करते है।'

'तुम क्या करने वाले हो ?'

'कुछ काम हम करने वाले हैं और कुछ हमसे दबाव डालकर करवाया जायेगा।'

'क्या मतलब ?'

'मेरी बात समझने के लिये आपको चीन की वर्तमान राज-नीति की स्थिति समझनी पड़ेगी। हमारे राजनीति के स्टेज पर माओत्से तुग की कुर्सी हथियाने के लिये बहुत बड़ा ड्रामा चल रहा है। माओ बीमार आदमी है और

वह कभी भी मर सकता है। पार्टी पर से उसका कंट्राल ढीला पड़ता जा रहा है। उसकी 'कुर्सी हथियाने के लिये चार आदमियों में भारी होड़ लगी हुई है। एक हैं, चाउ एन लाई - हमारा प्रधानमन्त्री । दूसरा है, मार्शल लिन पियाओ- हमारा प्रतिरक्षामन्त्री । तीसरा है, पेंग चेन - पेकिंग का मेयर और चौथा है, तेंग सिओ पिंग पार्टी का सेक्रेट्री जनरल ।'

विद्यार्थी किसके हक में हैं ?'

(१४०)

'हम प्रधानमन्त्री चाउ एन लाई के हक में हैं। चाउ एन लाई अन्य लोगों के मुकाबले उदार प्रवृत्ति का आदमी है और बुद्धिजीवियों का मित्र है। हमें विश्वास है, उसके नेतृत्व में न केवल देश की हालत सुधरेगी, बल्कि बाहरी दुनिया से हमारे सम्बन्धों में भी बहुत सुधार अयेगा ।'

और अगर माओ का उत्तराधिकारी मार्शल लिन पिया बन गया तो ?'

'तो कम से कम विद्यार्थियों का तो बेड़ा गर्क हो ही जायेगा। वह माओ पर पहले ही दबाव डाल रहा है कि कम-से कम छः महीनों के लिये कालेजों में दाखिले बिल्कुल बन्द कर दिये जायें । वह चाहता है कि अधिकतर विद्याथियों को फौज में भर्ती कर दिया जाये और जो बच जायें, उन्हें कारखानों में भेज दिया जाए। पेकिंग यूनिसिटी के छात्र नेता लू पिंग का निष्कासन भी उसी ने करवाया है।'

'माओ का उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में भारी कौन पड़ 'रहा है ?'

'मार्शल लिन पियाओ। क्योंकि चीन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति सेना उसके पीछे है ।'

'और चाउ एन लाई के पीछे कौन है ?'

'विद्यार्थी, बुद्धिजीवी वर्ग और उसकी माओ से मित्रता ।

'मजदूर वर्ग किससे साथ है ?'

'अभी तक उन्होंने काई फैसला नहीं किया है। उन्हीं को अपने हक में करने के लिये हम अपनी पूरी शक्ति लगा रहे हैं। मार्शल लिन पियाओ यह बात जानता है । इसीलिये वह यूनिवर्सिटी बन्द कर के विद्याथियों को फौज और कारखानों में भेज देना चाहता है ?'

'मजदूरों को अपने हक में करने के लिये आप लोग क्या कर रहे हैं?'

'हम लोग उनके दिमाग में लिन पियाओ और उसके सह-
(१४९)

योगियों के प्रति अश्रद्धा उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं।'

'कैसे ?'

'अभी नमूना हाजिर करता हूं।

वह एक आलमारी में से एक छोटा सा प्रोजेक्टर और एक स्क्रीन निकाल लाया। दोनों चीजों को उचित स्थानों पर टिकाकर उसने कमरे की बत्ती बुझा दी और फिल्म चालू कर दी।

पहले एक मिलिट्री के फील्ड का दृश्य सामने आया । कुछ फौजी अफसरों से घिरा मार्शल लिन पियाओ खड़ा था ।

'मार्शल लिन पियाओ की बगल में खड़े उस मोटे फौजी अफसर को देख रहे हो, जिससे लिन पियाओ सबसे ज्यादा बात कर रहा है ?' चाओ सुंग सुई बोला । 1

'हां ।' जेम्स बाण्ड बोला ।

'यह मार्शल चेन सो लिन है। यह शंघाई एरिया का गवर्नर है और मिलिट्री का डिप्टी चीफ है। बाकी फिल्म में आपको यही-यही दिखाई देगा ।'

'अगले दृश्य में स्क्रीन पर एक खूबसरती से सजा हुआ कमरा दिखाई दिया । मार्शल चेन सो लिन एक विशाल डायनिंग टेब्ल के पीछे बैठा था। टेबल पर इतने भोज्य पदार्थ फैले हुए थे: जो दस आदमियों का पेट भरने के

लिये काफी थे। मार्शल बडी बेरहमी से उन पदार्थों पर हाथ साफ कर रहा था ।

'यह इतना माल उस मुल्क का फौजी हाकिम हड़प कर रहा है ।' चाओ सुंग सुई बोला- 'जहां अधिकतर मजदूरों को इतने रूखे चावल हासिल होते हैं कि उनका दो वक्त पेट भर सके ।'

'अगले दृश्य में मार्शल चेन सो लिन एक दीवान पर लुढ़का पड़ा था । उसकी मिलिट्री की यूनीफॉर्म एकदम अस्तव्यस्त हुई पड़ी थी और वह अफीम के कश लगा रहा था ।

उससे अगले दृश्य में मार्शल. उसी दीवान पर फिर दिखाई

दिया । इस बार उसकी गोद में एक खूबसूरत युवती बैठी हुई थी । उसकी आयु मुश्किल से सत्तरह साल थी और वह एकदम नग्न थी ।

चाओ सुग सुई ने प्रोजेक्टर बन्द कर दिया और कमरे की बत्ती जला दी ।

'मिस्टर शेरमन !' वह बोला- 'जब मजदूरों में इस फिल्म का प्रदर्शन किया जायेगा, तो कम से कम आधे मजदूर तो फौजी हुक्मरानों के खिलाफ हो ही जायेंगे ।'

'ऐसी फिल्म मार्शल चिन पियाओ की भी है आपके पास ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

'नहीं । अगर हम उसकी देसी फिल्म बनाने में कामयाब हो जायें तो मजा न आ जाये ! '

'वह लड़की कौन थी ? कोई पेशेवर ?'

'नहीं । हमारी ही एक साथिन थी। यूनिर्वासटी की स्टू-डेन्ट । वहीं मार्शल चेन सो लिन के कमरे में ऑटोमैटिक मूवी कैमरा ले गई थी ।'

'तुम लोग मजदूरों को यह फिल्म दिखाते कैसे हो ?'

'हर रात को मिलों के मजदूरों को जबरदस्ती ऐसे वृत्त-चित्र दिखाये जाते हैं, जिनसे उन्हें देश के लिये अधिक से अधिक प्रेरणा मिले। उन्हीं मिलों में यह फिल्म भी दिखाई जाती है। उदाहरणतया कल यह फिल्म सन यो टैक्स-टाइल मिल के मजदूरों को दिखाई जायगी। परसों इसका प्रदर्शन चापेई मशीन टूल प्लान्ट में किया जायेगा। इसी तरह यह फिल्म आगे से आगे पहुंचती रहती है।'

'फिल्म पकड़ी नहीं जाती ?'

'कौन पकड़ेगा फिल्म ? सब अपने ही संगी साथी होते हैं। और जहां फिल्म के पकड़े जाने का अन्देशा होता है, वहां हम इसे दिखाते ही नहीं ।'

'अधिकारियों को इसकी खबर है ?'

'उनको शक तो होता है, लेकिन जब तक वे चैक करते हैं, तब तक वह फिल्म कहीं की कहीं पहुंच चुकी होती है और कोई मजदूर वह स्वीकार करता नहीं कि उसने ऐसी कोई फिल्म देखी है। क्योंकि ऐसी फिल्म देखने के अपराध में ही उसे गोली से उड़ाया जा सकता है।'

उसी क्षण एक लड़की कमरे में आई। उसने चाओ सु ंग सुई के कान में कुछ कहा ।

'मैं चलता हूं।' वह बोला- 'मुझे कल विद्याधियों के एक प्रदर्शन का इन्तजाम करना है।'

'प्रदर्शन !' जेम्स बाण्ड बोला- 'किससे खिलाफ ?'

'पेकिंग यूनिवर्सिटी के छात्र नेता लू विंग के खिलाफ ।'

'क्या ?' तुम अपने ही एक सहयोगी के खिलाफ प्रदर्शन करोगे !'

'मजबूरी है । मैंने अभी थोड़ी देर पहले आपको बताया था कि कुछ काम हम पर दबाव डालकर करवाये जाते हैं। यह ऐसा ही एक कान है। मार्शल लिन पियाओ हम पर दबाव डाल रहा है कि इस शंघाई में ऐसा प्रदर्शन करें ! इस प्रदर्शन के लिये हो वह एक दिन के लिये यूनीवर्सिटी बन्द करवा रहा है ।'

'लेकिन आप मार्शल लिन पियाओ की ऐसी कोई बाल मानने के लिये बाध्य थोड़े ही है ।'

हम बाध्य तो नहीं हैं, लेकिन हमारा हित इसी में है कि हम ऐसी बात मान लें। अगर हम उसकी बात नहीं मानेंगे, तो वह यूनिवर्सिटी को एक महीने के लिये बन्द करवा देगा, एक साल के लिये बन्द करवा देगा। जबकि हमारा हित इसी में है कि यूनिर्वासटी सदा खुली रहे, वर्ना देश में या तो सिपाही होगे या मजदूर, बुद्धिजीवी कोई नहीं होगा।'

'लेकिन जब तुम सरकार के एक गलत काम के हक में जलूस. निकालोगे तो वे भजदूर क्या सोचेगे, जिन्हें आप अपने हक में करने की कोशिश कर रहे हैं ?'..

'यही तो हमारी ट्रेजेडी है। इसीलिये तो हम अपने ध्येय की ओर तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। हम बाद में मजदूरों को समझाने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग हमारी मजबूरी को समझ पाते हैं ।'

जेम्स बाण्ड चुप रहा ।

'मैं अब चलता हूँ। मैं परसों से आपके लिये कुछ करूंगा, `लेकिन तक तक आप अपने प्रयत्न जारी रखिये ।'

'सुनो !'

'यह कहना।'

'तुम सन यान तक मेरा एक संदेश पहुंचा सकते हो ?'

'पहुंचा सकता हूं ।'

'उसे कह दो कि मुझे यहां जेबरोस्की मिला था और वह संदिग्ध हो उठा है ।'

'बस ?'

'बस ।'

'आपका काम हो जायेगा ।'

चाओ सु ंग सुई लड़की के साथ वहां से विदा हो गया ।

अगली रात का जेम्म बाण्ड फिर अपने कमर से निकला और वाटर फ्रंट की ओर बढ़ा ।.

मोड़ पर एक कार खड़ीं थी ।

ज्यों ही जेम्स बाण्ड उसके समीप पहुंचा कार का पिछला दरवाजा खुला और एक विदेशी उसमें से बाहर निकला ।

'मिस्टर वांग चु ंग वाई का मकान कौन सा है ?' उसने बड़े नम्र स्वर से पूछा ।

'मुझे नहीं मालूम ।' जेम्स बाण्ड बोला और आगे बढ़ गया ।

अभी उसने एक कदम ही आगे बढ़ाया था कि कोई भारी चीज उसकी खोपड़ी के पृष्ठ भाग से टकराई ।

जेम्स बाण्ड की आंखों के सामने सितारे नाच गए। वह वहीं सड़क पर ढेर हो गया ।

जेम्स बाण्ड की आंख खुली। उसने सबसे पहले अपने सिर का पृष्ठ भाग

टटोला। सिर फटा तो नहीं था, लेकिन वहाँ क्रिकेट की गेंद जितना बड़ा गोला, निकल आया था और उसकी सारी खोपड़ी कच्चे जख्म की तरह दुख रही थी ।

उसने चारों ओर निगाह दौड़ाई ।

वह एक हस्पताल के कमरों जैसा कमरा था। कमरे का दरवाजा बन्द था । उसके सामने एक लोहे की कुर्सी पर एक पहाड़ जैसा आदमी बैठा था ।

'होश में हो ?' वह विशालकाय आदमी बोला ।

'मैं कहां हूं ?' जेम्स बाण्ड ने क्षीण स्वर से पूछा ।

'यानी कि तुम होश में हो।' वह बोला और फिर उठकर कमरे से बाहर निकल गया। जाती बार वह मजबूती से द्वार बन्द कर जाना न भूला ।

जेम्स बाण्ड सोचने लगा, कहीं यह जेबरोस्की की शरारत तो नहीं थी । कहीं ऐसा तो नहीं था कि उस की मुलाकात के बाद जैबरोस्की ने उसके कमरे तक उसका पीछा किया हो और उसे खबर भी न हुई हो ।

कमरे का दरवाजा फिर खुला और विशालकाय आदमी के साथ एक सुन्दर युवक ने भीतर कदम रखा । विशालकाय आदमी ने बड़ी सावधानी से अपने पीछे दरवाजा बन्द कर, लिया ।

'कैसी तबीयत है, मिस्टर शेरमन ?' युवक मधुर स्वर में बोला ।

'तो तुम मेरा नाम जानते हो ?' जेम्स बान्ड बोला ।

युवक विशालकाय आदमी द्वारा खाली की कुर्सी पूर आ बैठा ।

'मिस्टर शेरमन !' वह बोला- 'अगर तुम्हारी तबीयत ठीक हो तो हम मतलब की बात करें ?'

'कौन सी मतलब की बात..?'

'तुम कौन हो ?'

'मेरा नाम जानते ही हो। और क्या बताऊ । मैं इलैक्ट्रानिक्स इन्जीनियर हूं और लन्दन में रहता हूं।'

'और हाल ही में तुमने चीनियों को आई० बी ० एम० १७५० कम्प्यूटर बेचा था, जिसकी वजह से उनका सारा रिसर्च सेन्टर ही उड़ गया है।'

'यह झूठ है। मेरे कम्प्यूटर की वजह से रिसर्च सेन्टर को कुछ नहीं हुआ है ।

'तो जो हुआ है, वह तुम्हारी वजह से हुआ होगा।'

'मैं क्या कर सकता हूं ?

'तुम बहुत कुछ कर सकते हो। तुमने बहुत कुछ कर डाला है । अब तुम हमें यह बतओगे कि भविष्य में तुम और तुम्हारी आर्गनाइजेशन क्या कुछ करने वाली है ?'

'मेरी आर्गेनाइजेशन ?'

'हां, हा तुम्हारी आर्गेनाइजेशन। जो तुम लोगों ने साम्य -वादी देशों की अणु-शक्ति रोकने के लिये स्थापित की है।'

'मैं ऐसी किसी आर्गेनाइजेशन को नहीं जानता ।'

'झूठ मत बोलो ।

'मैं सच बाल रहा हूं। लगता है, जेबरोस्की ने तुम्हें कोई अलिफ लैला की कहानी सुना दी है।'

'जेबरोस्की ! कौन जेबरोस्की ?'

तुम जेबरोस्की को नहीं जानते ?'

'मैं किसी जेबरोस्की को नहीं जानता।'

युवक निश्चय ही सच बोल रहा था।

(१४७)

'तो फिर मेरे बारे में तुम्हें किसने बताया ?'

'हमारे अपने साधन हैं।'

एकाएक जेम्स बाण्ड के दिमाग में एक ख्याल बिजली की तरह कौध गया- 'तुम तुम रूसी हो। तुम्हीं लोगों ने वह कम्प्यूटर बिगाड़ा था, इसीलिये तुम मेरे और कम्प्यूटर के बारे में जानते हो ?

युवक चुप रहा। लेकिन चुप्पी ही स्वीकृति का लक्षण थी।

'तुम रूसी सीक्रेट सर्वास के० जी० बी० से सम्बन्धित हो ?'

'तुमने उल्टे हम से सवाल पूछने शुरू कर दिये, मिस्टर शेरमन !' युवक बाला - 'सवाल हमने तुमसे करने हैं।'

'मैं तुम्हारे मतलब की कोई जानकारी नहीं रखता ।'

'तुम बहुत जानकारी रखते हो। युवक कठोर स्वर में बोला - 'तुमने चीनियों का पूरा रिसर्च सेन्टर उड़ा दिया है, और, 'कहते हो कि तुम हमारे मतलब की कोई जानकारी नहीं रखते हो ?'

'मैं वाकई कुछ नहीं जानता ।'

'हमें सख्त तरीके इस्तेमाल करने पर मजबूर मत करो, मिस्टर शेरमन । यह मत भूलो कि तुम्हारी जुबान जबरदस्ती भी खुलवाई जा सकती है। मैं तुमसे सीधा सवाल कर रहा हूं और उसका सीधा जवाब चाहता हूं। मुझे इस बात में दिल-चस्पी नहीं है कि तुमने चीनियों का रिसर्च सेन्टर कैसे तबाह किया । मुझे तो सिर्फ इस बात में दिलचस्पी है कि वह काम तुमने

किया है मेरी दिलचस्पी तुम्हारी एण्टी न्क्लियर आर्गे- नाइजेशन में है जिसके कि तुम एक पुर्जे हो । तुम मुझे यह बताओगे कि वह आर्गेनाइजेशन कितनी बड़ी है और रूस में क्या कर रही है और रूस में तुम्हारे एजेन्ट कौन हैं, और कहां है ? मिस्टर शेरमन जितनी जल्दी तुम मेरे सवालों का जवाब दोगे

(१४८)

उतनी ही जल्दी तुम यहाँ से मुक्त हो सकोगे ।'

'लेकिन मैं तुम्हें कैसे विश्वास दिलाऊं कि मैंने जिन्दगी में कभी एण्टी न्यूक्लियर आर्गेनाइजेशन का नाम भी नहीं सुना और चीनी रिसर्च सेन्टर की तबाही में मेरा कोई हाथ नहीं है।'

'तुम दूसरे तरीके इस्तेमाल करने पर मजबूर कर रहे हो।'

'मैं तब भी तुम्हें कुछ नहीं बता पाऊंगा, क्योंकि मैं कुछ जानता ही नहीं हूं।'

'मिस्टर शेरमन, अगर हम तुम्हें चीनी अधिकारियों को सौंप दें तो जानते हो वे तुम्हारी क्या गत बनाएगे ?'

जेम्स बाण्ड चुप रहा ।

'चीनियों के हाथ पड़ने के मुकाबले में क्या तुम्हारे लिये यह अच्छा नहीं होगा कि तुम हमें सहयोग दो ?'

'लेकिन मैं तुम्हें क्या सहयोग दू ? जैसी बातें तुम मुझसे पूछ रहे हो उनके बारे में मैं कुछ भी नहीं जानता ।'

'तुम सब कुछ जानते हो । यह हो ही नहीं सकता कि जिसने चीनी रिसर्च सेन्टर तबाह किया हो, वह अपनी एण्टी 'न्यूक्लियर आर्गेनाइजेशन के बारे में कुछ न जानता हो ।'

'ओह माई गॉड, यह बात मुझे कितनी बार दोहरानी पड़ेगी कि रिसर्च सेन्टर की तबाही से मेरा कोई वास्ता नहीं है। और अगर तुम वाकई यह समझते

हो कि वह रिसर्च सेंटर मैंने तबाह किया है तो तुम्हें मुझे मैडल देना चाहिये । तुम्हारे चीन के साथ वर्तमान तनाव पूर्ण सम्बन्धों की राह में तो उनका रिसर्च सेंटर तबाह करके मैंने तुम्हारा भला हीं किया है।

'हम तुम्हें जरूर मैडल देते बशर्ते कि हमें यह विश्वास न होता कि ऐसी ही शरारत भरी हरकते तुम्हारा विभाग रूस में भी कर रहा है। नाऊ कम आन, मिस्टर शेरमन् ।

ओपन अप ।'

'मैं तुम्हारी कोई मदद नहीं कर सकता ।'

'यह तुम्हारा आखिरी जवाब है ?'

'यह मेरा सच्चा जवाब है ।'

'तुम्हारा दिमाग ठीक काम नहीं कर रहा है। एक पैग वोदका पियो । शायद तुम ज्यादा अक्ल की बातें सोचने लगे ।'

युवक के आदेश पर एक विशालकाय आदमी एक वोदका की बोतल और एक गिलास ले आया । उसने गिलास में शराब डालकर गिलास जेम्स बाण्ड को थमा दिया ।

'तुम नहीं पियोगे ?' उसने युवक से पूछा ।

'मैं ड्यूटी पर नहीं पिता ।' युवक बोला- ।

'तुम समझते हो कि वोदका पीकर मुझे नशा हो जायेगा और मैं नशे में और तरह की बातें बकने लगूगा ?'

'मुझे तुम वैसे आदमी दिखाई नहीं देते हो जो नशे में बक-झक करने लगते हैं ।'

'थैंक्यू !' जेम्स बाण्ड बोला और उसने एक ही घूट में गिलाम खाली कर दिया ।

शराब के उसके पेट से टकराने की देर थी कि उसकी चेतना लुप्त होने लगी। गिलास उसके हाथ से अपने आप निकल गया और वह पलंग पर ढेर हो गया ।

पता नहीं कितनी देर बाद जेम्स बाण्ड को होश आया । उसने आंखें खोलकर चारों ओर देखा ।

वही कमरा था । कुछ भी नहीं बदला था। केवल अब पलंग के पास पड़ी लोहे की कुर्सी पर एक अधेड़ आयु की नर्स बैठी थी, दरवाजा भीतर से बन्द था ।

नर्स ने भी उसे होश में आया देखा। मेज पर फूलदान के

(१५०)

पास अखबार से ढंका हुआ एक कटोरा पड़ा था। उसने कटोरा उठाकर जेम्स बाण्ड के हाथ में दे दिया और बोली- 'सूप है। पी लो !' 1

जेम्स बांड ने बड़े कृतज्ञतापूर्ण ढंग से नर्स की ओर देखा और फिर कटोरा खाली कर दिया। नर्स ने धीरे से कटोरा 'उसके हाथ से ले लिया।

जेम्स बाण्ड को फिर नींद या गई और वह सपनों की दुनिया में खो गया । नींद में उसे यू लगा जैसे कोई मीठे शब्दों में उससे बात कर रहा हो। कभी-कभी उसे ऐसा भी लगता जैसे दूसरा आदमी तो चुप थी लेकिन वास्तव में वह बोले जा रहा है।

पता नहीं कब उसकी दुबारा नींद खुली । उसी नर्स ने फिर सूप का कटोरा उसके हाथ में दे दिया । उन लोगों ने जेम्स ब्राण्ड की घड़ी उतार ली थी इसलिए उसे समय का कोई अनुमान ही नहीं था। पता नहीं कितने घन्टे गुजर गए थे । कितने दिन गुजर गए ।

उसकी फिर नींद खुली नर्स ने फिर सूप का कटोरा उसके हाथ में दे दिया

। लेकिन इस बार असावधानी में उसने जेम्स बान्ड की ओर पीठ फेर ली। जेम्स बांड ने तुरन्त सारा सूप फूलदान में डाल दिया और खाली कटोरे को मुंह से लगा लिया, कुछ क्षण बाद उसने कटोरा मुंह से हटाया नर्स ने कटोरा उसके हाथ से ले लिया ।

वह फिर पलंग पर लेट गया, और उसने आंखें बन्द कर लीं लेकिन इस बार उसकी चेतना लुप्त नहीं हुई ।

वह गहरी नींद में होने का अभिनय करते हुए प्रतीक्षा करने लगा।

थोड़ी देर बाद दरवाजा खुला। किसी के भीतर आने की आवाज आई। दरवाजा फिर बन्द हो गया । आगन्तुक ने नर्स

से रूसी में कुछ कहा। जेम्स बाण्ड वह आवाज फौरन पहचान गया। वह उस विशालकाय आदमी की आवाज थी जिसे उसने पहली बार कमरे में देखा था ।.

द्वार एक बार फिर खुला। शायद नर्स कमरे से बाहर चली गई थी क्योंकि मोटे के भारी कदमों की आवाज अभी भी कमरे में आ रही थी।

थोड़ी देर उसके कानों में ऐसी आवाजें आती रही जैसे टेप रिकार्डर चलाने की तैयारी की जा रही हो ।

फिर एक मीठी आवाज जेम्स बांड के कानों में पड़ी ।

'तुम मास्को में हो। तुम मास्को में हो। तुम मास्को में हो । तुम स्टालिन स्ट्रीट के अपने कमरे में बैठे हुये हो । थोड़ी देर में तुम यहां से निकलोगे और पैदल ही गोर्की स्ट्रीट पहुंचोगे,' वहां एक आदमी से तुम्हारी मुलाकात होगी। वह आदमी तुम्हारे साथ-साथ चलने लगेगा। रास्ते में वह आदमी तुम्हें एक चिट देगा और फिर तुमसे अलग हो जायेगा । उस आदमी से सम्पर्क स्थापित करने ही तुम मास्को आये हो । माम्को, मास्को, मास्को, मास्को आये हो। उस आदमी का नाम है -उस आदमी का नाम है उस

आदमी का नाम है तुम तो जानते ही हो उस आदमी का नाम । उस आदमी का नाम है... नाम है नाम है...।'

हे भगवान ! ये लोग तो नशीली दवाओं से उसका दिमाग कमजोर करके उसके अचेतन मस्तिष्क से जानकारी निकालने की कोशिश कर रहे थे और अभी तक पता नहीं बेहोशी में वह क्या कुछ बक चुका था । आखिर सूप तो उसे कई बार पिलाया गया था ।

.... उस आदमी का नाम है, नाम है नाम है नाम है -- है।'

(१५२).

टेप रिकार्डर पूर्ववत् चल रहा था।

'जोसेफ स्टालिन ।' जेम्स बांड होठों में बुदबुदाया ।

तत्काल एक क्लिक की आवाज से टेप रिकार्डर बन्द हो गया । एक भारी हाथ ने उसे गिरहबान से पकड़कर बैठा दिया, जेम्स बाण्ड ने नेत्र खोले ।

विशालकाय आदमी क्रोध से लाल भभूका हुआ उसके सामने खड़ा था ।

'तो तुम बेहोश नहीं थे ? वह क्रोधित स्वर में बोला ।

'मैं तो एकदम बेहोश था ।' जेम्स बाण्ड सहज स्वर में बोला ।

'कोई बात नहीं, बेटा । तुमं मुझे ज्यादा सख्ती का तरीका इस्तेमाल करने पर मजबूर कर रहे हो ।'

'लेकिन अब तक तो तुम्हें यह महसूस हो गया होना चाहिये था कि मैं वाकई कुछ नहीं जानता ।'

'तुम बहुत कुछ जानते हो लेकिन तुम जरा जरूरत से ज्यादा घिसे हुये आदमी हो । हमारी दवाइयां तुम्हारे दिमाग को ठीक से सुलझा नहीं पा रही है, फिर भी हमने तरक्की की है। कुछ महत्वपूर्ण बातें तुमने नींद में बकी हैं।'

'क्या ?' जेम्स बाण्ड ने चिन्तित स्वर से पूछा ।

'यह तुम्हें नहीं बताया जा सकता ।

'या शायद तुम ब्लफ ही मार रहे हो ।'

'वक्त आने पर सब पता लग जायेगा ।'

और उसने टेपरिकार्डर पैक करना आरम्भ कर दिया ।

'मैं कब से यहां हूं ? जेम्स बांड ने पूछा ।

'आज चौथा दिन है। वह बोला- 'दिल घबरा रहा है क्या ?'

'नहीं तो। मैं तो यहां एकदम आराम से हूं। सिर्फ खाना जरा स्टैण्डर्ड का नहीं है। बाकी तो.....

विशालकाय आदमी का चेहरा कानों तक लाल हो गया ।

उसने कहर भरी निगाहों से जेम्स बांड की ओर देखा ।

जेम्स बाण्ड के चेहरे पर अपार निर्लिप्तता के भाव थे ।

विशालकाय आदमी ने टेपरिकार्डर उठाया और कमरे से बाहर निकल गया । दरवाजा फिर बन्द हो गया था ।

जेम्स बाण्ड फुर्ती से पलंग से उठा और एक ही छलांग में द्वार के पास पहुंच गया । उसने हैंडल घुमाया। द्वार बाहर से बन्द था ।

जेम्स बाण्ड चौखट के साथ लगा प्रतीक्षा करने लगा ।

थोड़ी देर बाद उसे बाहर से ताले में चाबी घुमाने की आवाज आई ।

जेम्स बांड सावधान हो गया। उसने अपनी सांस रोक ली ।

दरवाजा खुला और नर्स ने भीतर कदम स्खा ।

जेम्स बाण्ड ने उसकी गर्दन दबोच ली और उसके मुह पर अपना हाथ रख दिया ।

कुछ ही क्षणों में नर्स बेहोश होकर उसकी बांहों में झूल रही थी।

जेम्स बाण्ड ने उसे पलंग पर डाल दिया और ऊपर से चादर ओढ़ा दी। उसने द्वार के पास आकर सावधानी से बाहर झांका, गलियारा खाली था। वह कमरे से बाहर निकल आया। उसने दरबाजा बन्द कर लिया। चाबी अभी भी ताले में मौजूद थी। उसने चाबी को ताले में घुमाया और चाबी अपनी जेब में डाल ली ।

जेम्स बाण्ड सावधानी से गलियारे में आगे बढ़ा ।

गलियार के सिरे पर सीढ़ियां थीं। जेम्स बांड सीढ़ियां उतरकर नीचे हाल में आ गया। हाल खाली पड़ा था । सामने मुख्य द्वार था । जेम्स बाण्ड धड़कते दिल से द्वार की ओर बढ़ा ।

उसका हाथ द्वार की चटकनी की ओर बढ़ा ।

'सैर करने जा रहे हो, मिस्टर शेरमन ?'

(१५४)

जेम्स बाण्ड को जैसे सांप सूघ गया। वह धीरे से वापिस घूमा । उसके पीछे वही विशालकाय आदमी खड़ा था । उसके होठों पर एक कमीनी मुस्कराहट थी ।

जेम्स बॉण्ड ने बिजली की फुर्ती से उसके पेट में एक भरपूर घूसा जमाया ।

उसके चेहरे से मुस्कराहट उड़ गई और उसका स्थान गहरी हैरानी ने ले

लिया ।

दूसरा प्रहार करने का मौका जेम्स बाण्ड को नहीं मिला। उसने जेम्स वाण्ड का हाथ रास्ते में ही थाम लिया और फिर उसके दायें हाथ के घूसे का वज्र -प्रहार जेम्स बाण्ड के चेहरे से टकराया। जेम्स बाण्ड भड़ाक से बन्द दरवाजे से टकराया। एक और घुसा भारी हथोड़े की तरह उसकी छाती से टकराया । उसे अपनी पसलियां पीठ में घुसती महसूस हुई। उसके पैरों के नीचे से जमीन निकल गई और वह फर्श पर ढेर हो गया । चेतना लुप्त होने से पहले उसे एक कीलों जड़े चमड़े के जूते वाला भारी पैर अपनी खापड़ी की ओर आता दिखाई दिया ।

जेम्स बाण्ड को होश आया ।

उसने एक कमरे के बीचों-बीच पड़ी एक लकड़ी की बांहों बाली कुर्सी पर स्वयं को बंधा पाया। उसकी बाहें चमड़े के पट्टों की सहायता से बड़ी मजबूती से कुर्सी के हत्थों के साथ 'बंधी हुई थीं। इसी प्रकार उसकी टांगें भी कुर्सी की टांगों के साथ बधी हुई थीं

उसकी कुर्सी की बगल में एक मशीन रखी हुई थी। मशीन पर एक बिजली का करेन्ट दिखाने वाला डायल लगा हुआ था
(१५५)

और कुछ लाल, नीली बत्तियां जल रही थीं। उस मशीन में एक कोने में से कुछ तारें बाहर निकल रही थीं, जो उस समय जमीन पर लटक रहीं थीं।

कमरे की छत के साथ, जेम्स बान्ड के सिर के एकदम ऊपर एक पांच सौ वाट का, तीखे प्रकाश का बल्ब जल रहा था । वल्व पर इस ढंग से शेड लगा हुआ था कि उसका अधिकतर प्रकाश जेम्स बान्ड पर ही पड़ रहा था ।

मशीन की बगल में एक स्टूल पर वही विशालकाय आदमी बैठा हुआ था, जिसकी वजह से जेम्स बान्ड उस कैद में से निकल भागने में असफल रहा था ।

उसी क्षण दरवाजा खुला और उस रुसी युवक ने भीतर कदम रखा, जिसने पहली बार जेम्स बान्ड से बात की थी और जो के० जी० बी० का एजेन्ट था। वह पूर्ववत् शान्त था। उस की सूरत से ऐसा नहीं लगता था जैसे उसने जेम्स बाण्ड की वहां से भाग निकलने की कोशिश को कोई महत्व न दिया हो।

'मिस्टर शेरमन !' वह शान्त स्वर में बोला- 'मैं स्वीकार करता हूं कि आपकी विरोध शक्ति वहुत तगड़ी है । हमारी नशीली दवाइयों का आप पर कोई असर नहीं हुआ है, जबकि किसी साधारण आदमी पर वे इतनी कारामद सिद्ध होती हैं कि तीन-चार खुराकों के बाद ही उसका दिमाग इतना निष्क्रिय हो जाता है कि उस सूरत में वह केवल सच ही बोल सकता है,' झूठ बोलने की शक्ति उसमें नहीं रहती। लेकिन आप पर हमारा यह प्रयोग असफल रही है। और इसी वजह से मुझे अब पूरा यकीन हो गया है कि आप कोई साधारण नागरिक नहीं हैं। आप कोई बेहद घिसे हुए इन्टेलीजेंस एजेन्ट हैं । इस लिये अब मैं आप पर यह दूसरा तरीका आजमाने जा रहा हूं।

और उसने मशीन की ओर संकेत किया ।

'यह क्या बला है ?' जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

के० जी० बी० एजेन्ट ने मशीन उसके समीप सरका दी ।

'मालूमी मशीन है ।' वह बोला- 'यह डायल है, जो बोल्टेज बताता है । यह स्विच् है, जो करेन्ट को ऑन करता है। ओर यह एक दूसरा स्विच् है, जो रियोस्टेट की तरह काम करता है अर्थात् इसको घुमाने से करेन्ट बढ़ता चला जाता है।'

'इससे क्या होगा ?'

'यह मशीन आपका मानसिक विरोध इस हद तक खतम कर देगी कि आप झूठ बोलने के काबिल नहीं रहेंगे ।'

'यानि कि आप इस मशीन के जरिये मेरे दिमाग को बिजली के झटके देंगे !'

'बहुत समझदार आदमी हैं आप। मिस्टर शेरमन, मैं यह गारंटी तो नहीं करता कि इस तरीके से हम आपकी जुबान खुलवाने में कामयाब हो जायेंगे, लेकिन इस ट्रीटमेंट का एक भारी फर्क आप पर जरूर पड़ेगा। जैसे नशीली दवाओं का असर खतंम होने पर आपका मस्तिष्क फिर सामान्य स्थिति में आ गया था, उसी प्रकार बिजली के झटके खा चुकने के बाद आपका मस्तिष्क सामान्य स्थिति में नहीं आ पायेगा । इस ट्रीट-मेंट के बाद किसी पागलखाने में हीं आपको राहत मिल पायेगी ।'

जेम्स बान्ड चुप रहा ।

'यह बात मैंने आपको इसलिये बताई है ताकि अगर आप अपनी जुबान खोलने के बारे में अपना इरादा बदलना चाहते हैं तो आप ऐसा अभी कर लें वर्ना बाद में तो बहुत देर हो चुकी होगी ।'

जेम्स बान्ड फिर भी चुप रहा।

'क्या ख्याल है, मिस्टर शेरमन !'

"मेरा कोई ख्याल नहीं है, क्योंकि मेरे ख्याल की कोई कीमत

नहीं है। मैं तो सिर्फ इतना जानता हूं कि आप एक निर्दोष नादमी को सता रहे हैं।

'आप निर्दोष आदमी हैं ?'

'और नहीं तो क्या ?'

आल राइट । अभी पता लग जाता है कि आप क्या बला हैं।'

उसने मशीन से निकलती हुई दो नंगी तारें पकड़ी और उन्हें टेप की सहायता से जेम्स बान्ड की खोपडी के पिछले भाग के साथ फिट कर दिया। फिर वह वापिस मशीन की ओर बढ़ा इसने मशीन का स्विच ऑन कर दिया। उसकी उ ंगलियां आगे बढ़ी और रियोस्टेट के स्विच पर स्थिर हो गई।

जेम्स बान्ड़ पसीने से नहा गया। उसकी उंगलियां मजबूती से कुर्सी के हर्थो पर कस कई, लेकिन प्रत्यक्षतः उसने अपने चेहरे पर भय आतंक का कोई भाव नहीं आने दिया ।

के० जी० बी० एजेन्ट बड़े, गौर से जेम्स बान्ड के चेहरे को देख रहा था ।

'मैं तुम्हें अपनी जुबान खोलने का आखिरी मौका दे रहा हूं मिंस्टर शेरमन ! वह बोला ।'

गो टू हैल !' जेम्स बान्ड होठों में बुदबुदाया ।'

'वैरी वैल ।' वह बोला और उसकी उंगलियां स्विच पर कस गयीं ।

जेम्स बान्ड़ का कलेजा मुह को आने लगा। बिजली के करेन्ट का धक्का अभी आया अंभी आया अभी आया।

लेकिन के० जी० बी० एजेन्ट को कोई जल्दी नहीं थी । उसने अपना हाथ स्विच से हटा लिया। उसने घंड़ी देखी, मन-ही-मन कुछ हिजाब लगाया और फिर बड़ी तन्मयता से डायल को देखते लगा ।

जेम्स बान्ड पागल हो गया। जितनी ज्यादा वह देर कर रहा था, उतनी ही जल्दी जेम्स कान्ड का हौसला उसका साथ

छोड़े जा रहा था के० जी० वी एजेन्ट भी शायद इसी वजह से जानबूझकर देर लगा रहा था, ताकि जेम्स बान्ड की हिम्मत टूट जाये और वह एकाएक बक पड़े ।

उसे निराशा ही हाथ लगी ।

जेम्स बान्ड ने अपना मुह मशीन से दूसरी ओर फेर लिया ।

उसने एक गहरी सांस ली और उसकी उंगलिया फिर रियोस्टेट के स्विच पर आकर टिक गई ।

उसी क्षण बाहर से किसी ने जोर से द्वार खटखटाया। टेंशन भरे उस वातावरण में द्वार खटखटाये जाने की आवाज ने तोप का गोला छूटने जैसा असर किया ।

विशालकाय आदमी हड़बड़ाकर स्टूल से उठ खड़ा हुआ और द्वार की ओर बढ़ा ।

के ० जी० बी० एजेन्ट ने भी स्विच से फिर अपना हाथ खींच लिया ।

एक आदमी ने कमरे में कदम रखा। उसने एजेन्ट से जल्दी "से कुछ कहा। एजेन्ट तत्काल उसके साथ कमरे से बाहर निकल गया ।

लेकिन जाती बार वह मशीन का स्विच ऑफ करना भूल गया और या जानबूझकर ही मशीन को ऑन छोड़ गया ।

जेम्स बाड की हालत खराब होने लगी। उसने बड़ी कठि-नाई से मानसिक और शारीरिक रूप से स्वयं को बिजली के झटके के लिये तैयार किया। लेकिन अब ज्यों-ज्यों देर होती जा रही थी, उसका आत्माविश्वास उसका साथ छोड़ता जा रहा था। अगर के० जी० बी० एजेन्ट बिजली का स्विन भी ऑफ कर जाता तो जेम्स बान्ड को थोड़ी राहत मिलती।

उसी क्षण वह विशालकाय आदमी मशीन के सामने आ खड़ा हुआ ।

....हे भगबान ! कहीं यह हाथी इस मशीन के साथ कोई

छेड़खानी न कर बैठे

'तुम्हारा साहब कहां गया है ?' जेम्स बान्ड ने उसका ध्यान मशीन से हटाने की खातिर उसे वार्तालाप में उलझाना चाहा ।

'क्यों ? 'उत्तर मिला- 'तुम्हारा उसके बिना दिल नहीं लग रहा ?'

'तुम्हारा साहब सूट बड़े शानदार पहनता है। मैंने तो सुना था कि साम्यवादियों में फैशन करने के लिये न तो धन होता है और न अक्ल होती है।'

'ऐसी बात नहीं है ।'

'लेकिन तुम्हें देखकर तो ऐसा ही लगता है। तुम तो बहुत घटिया सूट पहने हुए हो ।'

'मेरे पास एक बढ़िया सूट भी है।' वह जल्दी से बोला ।

'एक से क्या होता है ?' तुम्हारे जैसे शानदार, आदमी के पास तो दर्जनों बढ़िया सूट होने चाहियें, दर्जनों शानदार कमीजें जूते चमकदार कार ।'

'कार !' उसने होठों पर यू जुबान फेरी, जैसे चमक्दार कार तो क्या, कैसी भी कार उनकी कल्पना से परे की चीज हो ।

'हां । रोल्स रायस । जितना शानदार तुम्हारा व्यक्तित्व है और जैसे खूबसूरत तुम आदमी हो, अगर तुम शानदार सूट पहनकर, रोल्स रायस चलाते हुए एक बार लन्दन में कहीं से गुजर जाओ, तो सैकड़ों जवान और खूबसूरत लड़कियां तुम पर मर मटें ।'

'अच्छा !'

'और तुम चाहो तो मैं तुम्हें कार भी दिलवा सकता हूं सुन्दर परिधान भी दिलवा सकता हूं और लन्दन में रहने के लिये शानदार फ्लैट भी दिलवा

सकता हूँ ।'

'ऐसा क्यों करोगे तुम ??

(१६०)

'क्योंकि तुम, मुझे बन्धन मुक्त करोगे और फिर यहां से हम दोनों सीधे लन्दन पहुंचेंगे ।'

'लेकिन तुम्हारे दिमाग को बिजली का झटका देने की सहूलियत तो यहां ज्यादा है। वह नर्मी से बोला ।..

जेम्स बाण्ड चुप हो गया । खामखाह वक्त बरबाद कर रहा था । वह हाथी बहुत घिसा हुआ कम्युनिस्ट था। उसे किसी भी प्रकार के लालच में फंसा पाना असम्भव था ।

'बॉस के आने तक क्यों न थोड़ा में ही तुम्हारा अर्क निकाल कर देख' लूँ ।' वह बोला और मशीन के सामने आ खड़ा हुआ ।

'मशीन को हाथ मत लगाना । जेम्स बाण्ड बोला ।

'क्यों ?' वह विनोदपूर्ण स्वर में बोला ।

'क्योंकि 'तुम्हारा बॉस मुझे मरा नहीं देखना चाहता । तुम्हारी मशीन के साथ छेड़खानी से अगर मैं मर गया तो तुम्हारी बाकी जिन्दगी साइबेरिया में ही कटेगी ।'

वह तत्काल मशीन से परे हट गया ।

उसी क्षण के० जी० बी० एजेन्ट वापिस आया । उसने हाथी वो अपने साथ आने का संकेत किया ।

'कमरा खाली हो गया । भीतर केवल कुर्सी से बन्धा हुआ जेम्स बाण्ड रह गया ।

थोड़ी देर बाद हाथी वापिस लौटा। वह अकेला था । उसके हाथ में जेम्स बाण्ड के कपड़े थे । उन कपड़ों को स्टूल पर डाल दिया, जेम्स बाण्ड की खोंपड़ी से मशीन की तारें हटाई और फिर जेम्स ब्राण्ड को बन्धन मुक्त कर दिया ।

'अपने कपड़े पहन लो।' वह भावहीन स्वर से बोला -'और, जल्दी करो ।'

जेम्स बाण्ड ने कपडे पहनें औरम्भ कर दिये ।

'अब मेरा क्या करने वाले हो तुम लोग ?' उसने पूछा।

'शटअप !' हाथी गुर्राया ।

जेम्स बाण्ड ने कपड़े पहन लिए। उसने अपनी जेबों में हाथ डाला । जेबों में उसकी हर चीज मौजूद थी, यहां तक कि उस का ढेर सारा धन और फ्रेंच पासपोर्ट भी ।

'चलो ।' हाथी अधिकारपूर्ण स्वर से बोला । जेम्स बाण्ड उसके साथ हो लिया ।

वे इमारत के बाहर निकल आये । बाहर तीखी धूप निकली हुई थी ।

इमारत के सामने एक कार खड़ी थी , जिसकी ड्राइविंग सीट पर एक चीनी बैठा हुआ था ।

हाथी ने कार का पिछला दरवाजा खोला और जेम्स बाण्ड को भीतर प्रविष्ट होने का संकेत किया। जेम्स बाण्ड कार में बैठ गया। हाथी भी उसके साथ बैठ गया। कार तुरन्त आगे बढ चली ।

के० जी० बी० एजेन्ट ने जेम्स बाण्ड को दुबारा दर्शन नहीं दिये ।

जेम्स बाण्ड सोच में पड़ गया। कहीं यह हाथी सा आदमी उसे शूट करने

के लिये नगर के किसी उजाड़ इलाके में तो नहीं ले जा रहा ?

बेकिन एकाएक ऐसा इरादा क्यों ? और फिर दिन दहाड़े !

जेम्सबांड का दिमाग भन्ना गया । उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था ।

फिर एकाएक एक नया ख्याल उसके दिमाग में आया । कहीं ऐसा त्ते नहीं था कि रूसी उसे अपने लिये निकम्मा आदमी समझकर चीनियों को सौंपने से जा रहे हों।'

यह ज्यादा सम्भव था ।

तत्काल उसका खुराफाती दिमाग किसी किसी प्रकार से निकल भागने के बारे में सोचने लगा ।

(१६२)

उसने कनखियों से अपनी बगल में बैठे हाथी की ओर देखा ।

उसने दोनों हाथ अपनी जांघो पर रखे हुये थे और वह एक-दम सामने देख रहा था।

जेम्स बांड सावधानी से दरवाजे के और पास सरक आया । वह किसी मोड़ पर कार के धीमी होने की प्रतीक्षा करने लगा। अगर वह किसी मोड़ पर कार धीमी होने पर कार का दरवाजा खोलकर स्वयं को कार से बाहर गिरा दे तो उसके बच निकलने की काफी सम्भावनायें थीं। वह भीड़ से कहीं गुम हो सकता था। हाथी तत्काल उसके पीछे नहीं भाग सकता था। आगे जाकर कार रुकने और हाथी के उसके पीछे भागने में निश्चय ही काफी समय लगेगा ।

एक मोड़ पर कार धीमी हुई। जेम्स बाण्ड को अपना बहु प्रतीक्षित अवसर सामने दिखाई दिया। उसने बिजली की सी फुर्ती से दरवाजे का हेंडिल घुमाया और अपना कन्धा खुले दरवाजे के साथ भिड़ाकर स्वयं को बाहर की ओर धकेल दिया ।

लेकिन अपने भीमकाय शरीर के बावजूद वह हाथी जेम्स बान्ड से कहीं ज्यादा फुर्तीला था। उसके हाथ बढ़ाकर जेम्सः बाण्ड को कन्धे के समीप से थाम लिया और बड़ी सहूलियत से वापिस खींच लिया ।

'अभी जान से हाथ धो बैठे होते ।' वह शान्त स्वर से बोला- 'देख नहीं रहे हो पीछे कितना बड़ा ट्रक आ रहा है!'

जेम्स बाण्ड ने घूमकर पीछे देखा और उसका मुह सूख गया। अगर वह कार से बाहर कूदने में सफल हो गया होता तो वह निश्चय ही कार के एकदम पीछे आते विशाल ट्रक द्वारा रौंद डाला गया होता। जेम्स बाण्ड ने एक गहरी सांस ली।

उसने अपने हाथ पांव ढीले छोड़ दिये और अपना सिर सीट की पीठ से लगा दिया ।

कार नानकिंग रोड़ पर मुड़ गई ।

ड्राइवर ने एकाएक फुटपाथ के साथ लगाकर कार रोक दी ।

'आउट ।' हाथी बोला । जेम्स बाण्ड उसका मुंह देखने लगा । मेरा मुह क्या देख रहे हो ? कार से बाहर निकलो ।'

जेम्स बाण्ड ने कार से बाहर झांका। सड़क सुनसान पड़ी थी ।

उसने झिझकते हुए कार का दरवाजा खोला और कार से निकलकर फुटपाथ पर आ खड़ा हुआ ।

अब शायद कार से एकदम गोलियों की बौछार होगी । वह फुटपाथ पर पड़ा दम तोड़ रहा होगा और कार हवा से बातें करती हुई वहां से गायब जाएगी ।

लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। कार के खुले दरवाजे से बाहर हाथी ने कदम

भी नहीं रखा। इसके विपरीत कार का दरवाजा भड़ाक से बन्द हुआ और अगले ही क्षण कार यह जा वह जा ।

जेम्स बांड हक्का बक्का सा फुटपाथ पर खड़ा था ।

वह आजाद था और उसे विश्वास नहीं हो रहा था । उस समय वह वहीं खड़ा था जहां से उसे पकड़ कर वह रूसी ले गये थे ।

अन्त में उसने अपने सिर को जोर से झटका दिया और गली के उस मकान की ओर बढ़ा जिसके एक कमरे में चाओ सु ंग सुई ने उसे ठहराया था ।

गली के मोड़ पर पहुंचते ही वह ठिठक गया । जिस मकान में वह ठहरा था उसके परख्चे उड़े पड़े थे ।

मकान के सारे खिड़कियां दरवाजे टूटे पड़े थे और ढ़ेरों

फरनीचर, फटी हुई किताबें वगैरह का फुटपाथ पर ढेर लगा हुआ था ।

इमारत के सामने एक बैंच पर चार रायफधारी चीनी फौजी बैठे थे ।

जेम्स बाण्ड तत्काल ही वापिस घूम पड़ा और फिर नान-किंग रोड पर आ गया ।

'हैलो मिस्टर शेरमन !'

जेम्स बाण्ड ने चिहुंचकर पीछे देखा और फिर उसके नेत्र फैल गये ।

'सामने हमेशा की तरह तरोताजा और मुस्कराती हुई सन यान खड़ी थी ।

'तुम !' जेम्सबांड के मुह से निकला- 'तुम यहां !'

सन यान ने आगे बढ़कर उसकी बांह में बांह डाल दी और जल्दी से बोली-

'यहां से निकल चलो। रास्ते में बात करेंगे ।'

दोनों तेजी से आगे बढ गये ।

'उस इमारत को क्या हुआ है ।' एकाएक जेम्स बान्ड ने पूछा ।

'विद्यार्थियों की तकदीर ।' सन यान बोली- 'पता नहीं कैसे मार्शल चेन सो लिन को उस फिल्म की जानकारी हो गई जो विद्याथियों ने बड़ी मुश्किल से उसके विरुद्ध मजदूरों में प्रचार करने के लिये तैयार की थी। चा पेई मशीन टूल प्लान्ट में जब फिल्म का प्रदर्शन हो रहा था तो एकाएक मिलिट्री वहां पहुंच गई । आते ही उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। बेचारे कई निर्दोष मजदूर मारे गये, कई छात्र गिरफ्तार हो गये, फिल्म हथिया ली गई और फिर मार्शल के आदेश पर वह मकान तबाह कर दिया गया जो विद्याथियों का हैडक्वाटर था। चाओ सुग सुई भी गिरफ्तार हो गया है।'

'लेकिन तुम वहां क्या कर रही थी ।'

'तुम्हारा इन्तजार ! चायो सुग सुई ने बताया था कि तुम उसी इमारत के एक कमरे में ठहरे हुये हो ।

'वह तो ठीक है लेकिन मैं तो बहुत दिन पहले वहां से जा चुका था और जैसी स्थिति में मैं था इसमें मेरा यहां लौट कर आना असम्भव था।'

'लेकिन फिर भी तुम लौट कर आये हो।' सन यान चेहरे पर एक चित्ताकर्षक मुस्कराहट लाती हुई बोली- 'है या नहीं ?'

'लेकिन यह कैसे सम्भव हुआ कि मैं भी उसी समय यहां लौटा जबकि तुम मुझे यहां देखने आई थी ?'

'इत्तफाक ?'

'सिर्फ इत्तफाफ ?'

'और नहीं तो क्या ?'

'इत्तफाक क्या, इसे तो करिश्मा कहना चाहिये ।'

'करिश्मा कह लो । क्या फर्क पड़ता है। मतलब की बात तो यह है कि दोनों की फिर मुलाकात हो गई हैं।'

'लेकिन कमाल है।'

कई क्षण वे चुपचाप सड़क पर चलते रहे ।

'हम कहां जा रहे हैं ?' एकाएक जेम्स बान्ड ने पुछा ।

'एक सुरक्षित स्थान पर ।

'तुम शंघाई में क्या कर रही हो ?'

'जो तुम कर रहे हो ?'

'मैं ता शंघाई में इसलिये हूं क्योंकि मैं चीन से भाग निक-लना चाहता हूं ।'

'मैं भी।।

'तुम भी ! क्यों ? क्या उन्हें रिसर्च सेन्टर की तबाही के सिलसिले में तुम पर कोई शक हो गया है ?'

'उस सिलसिले में नहीं ।'

'तो फिर ?'

'कुछ गिरफ्तार हुये विद्यार्थियों पर दबाव डालकर मार्शल चेन सो लिन यह जानने में कामयाब हो गया है कि विद्यार्थियों की यूनियन को रूस से

आर्थिक सहायता मिलती है और उस सहायता को दिलवाने में किसी सरकारी ट्रैवल एजेन्सी के कर्मचारी का हाथ है। मुझे लग रहा है कि मुझमें रूसी रक्त के सम्मिश्रण की वजह से मुझ पर सन्देह जरुर किया जायेगा । इसलिले मैंने समय रहते वहां से भाग निकलना ही उचित समझा ।'

'तुम शंघाई कब आई ?'

'आज सुबह ।'

'और दोपहर को मेरे वहां आने से थोड़ी देर पहले ही तुम उस इमारत के सामने पहुंच गई ?'

.. 'इत्तफाक की बात है ।'

'मान लो मैं उस समय वहां न पहुंचता ?"

'तो मुझे और इन्तजार करना पड़ता ।'

'कब तक ?'

'जब तक तुम वहां न पहुंच जाते ।'

'और मैं वहां पहुंचने में कई दिन लगा देता ?'

'तो मैं कई दिन इन्तजार करती ।'

'और अगर मैं वहां कभी न पहुंच पाता ?'

'लेकिन वास्तव में तो तुम फौरन ही वहां पहुंच गए थे।'

'यही बात तो मेरे गले से नहीं उतर रही। मुझे तो ऐसा लग रहा है जैसे तुम्हें मालूम था कि कुछ ही क्षणों में मैं वहां प्रकट होने वाला था ।'

'ऐसी कोई बात सम्भव नहीं है। मुझे तो यह भी नहीं मालूम था कि वास्तव में तुम थे कहां?' मिस्टर शेरमन, यह महज एक इत्तफाक था कि मेरी तुमसे वहां मुलाकात हुई ।'

'करिश्मा था।'

(१६७)

'करिश्मा कह लो । क्या फर्क पड़ता है ?'

'सन यान, तुम बहुत रहस्यमयी युवती हो ।'

'तुम खामखाह एक मामूली बात को रहस्य का पुट दिये जा रहे हो हो ।'

'अब क्या प्रोग्राम है ?'

'हम तुरन्त शंघाई से कूच कर रहे हैं।'

'कैसे ?'

'हार्बर पर एक रूसी जहाज खड़ा है। मैं उसके कप्तान से बात कर आई हूं। वह हमें हांगकांग तक साथ ले चलने के लिये तैयार है ।'

'चोरी से ?'

'जाहिर है। वह तो मालवाहक जहाज है ।'

'कप्तान तुम्हारी बात कैसे मान गया ?'

'बस मान गया । तुम्हें आम खाने से मतलब है या पेड़ गिनने से ?'

'जहाज आज ही हांगकांग के लिये रवाना हो रहा है ?'

'हां ।'

और आज ही तुम्हारी मुझसे मुलाकात हुई है जबकि सफर का इन्तजाम तुम पहले ही कर चुकी थी ?'

'हां।'

'और अगर आज मैं वहां न पहुंच पाता ?'

'तो रुसी जहाज रवाना हो जाता, और हमें सफर का कोई और इन्तजाम करना पड़ता ।

'लेकिन...।'

'मिस्टर शेरमन । आप बहुत सवाल पूछते हैं। क्या आप कोई ऐसी बात कर सकते हैं जिसमें मेरा मनोरजन हो ?'

'वैसी बातें हम हांगकांग पहुंचने पर करेंगे ।'

'वैरी गुड ।'

'लेकिन हमारी मुलाकात...।'

'मिस्टर शेरमन । प्लीज !'

जेम्स बाण्ड बड़े अनिच्छापूर्ण ढंग से चुप हो गया ।

वे निर्विघ्न हांगकांग पहुंच गये ।

रूसी जहाज पर उनका विशिष्ट व्यक्तियों जैसा सम्मान हुआ । कप्तान तो लगभग सन -यान के कदमों में बिछा जा रहा था ।

जेम्स बाण्ड को यह बात बड़ी विचित्र लगी । उसने सन यान से इस विषय पर पूछा भी। सन यान ने बताया कि चीन स्थित रुसी दूतावास का एक उच्चाधिकारी उसका दूर का रिश्तेदार था। वह कप्तान का दोस्त था और उसी ने कप्तान को कहा था कि वह सन यान और उसके साथी को आराम से हांगकांग तक पहुंचा दे। कप्तान जो कर रहा था वह सन यान को प्रभावित करने के लिये नहीं कर रहा था बल्कि उस दूतावास के उच्चाधिकारी को प्रभावित करने के लिये कर रहा था ।

जेम्स बाण्ड को यह दलील बड़ी लचर लगी, लेकिन उसे स्वीकार कर लेने के अतिरिक्त कोई चारा नहीं था ।

हांगकांग के कोलून स्थित हार्बर से बाहर भी कप्तान ने ही अपने प्रभाव से निकलवाया। हालांकि सन यान जेम्स बाण्ड का वह पासपोर्ट अपने साथ ले आई थी, जो उसके सियान में आवास के दौरान अधिकारियों ने अपने पास रख लिया था, लेकिन चीन सरकार द्वारा दिया जाने वाला निकासी का परमिट न होने की वजह से कप्तान की सहायता के बिना उसका हार्बर से बाहर कदम रखना असम्भव था । उसे वापिस चीन भेजा जा सकता था ।

सन यान को ऐसी कोई मुश्किल पेश नहीं आई। वह पहले ही निर्विघ्न हार्बर से बाहर पहुंच गई थी ।

'अब ?' बाहर आकर जेम्स बाण्ड ने पूछा ।

'मालपानी की क्या पोजीशन है ? 'सन यान ने पूछा ।

'माल काफी है। चीनी येन भी हैं और इंगलिश पाउन्ड भी हैं।'

'वैी गुड । आओ सबसे पहले कुछ कपड़े वगैरह खरीदें वर्ना किसी अच्छे होटल में कोई हमें कदम भी नहीं रखने देगा ।'

उन्होंने एक डिपार्टमेन्ट स्टोर से ढ़ेर सारे शानदार बहूमूल्य परिधान खरीदे । अपने तन के कपड़े उतार कर उन्होंने नये कपड़े पहन लिये । सन यान ने एक बड़ा ही उत्तेजक फ्रेंच गाउन पहना था, जिसमें वह दस गुणा अधिक सुन्दर लग रही थी। उसने शीशे में अपनी सूरत देखी और उसके चेहरे पर शर्म की लाली दौड़ गई ।

उसके पृष्ठ वक्ष का आधा भाग गाउन से बाहर दिखाई दे रहा था ।

'डोंट बी एम्बरेस्ट डालिंग !' जेम्स बाण्ड उसके मन की बात समझकर बोला- 'ये फ्रेंच गाउन ऐसे ही. होते हैं।'

'इसमें से बाहर कैसे निकला जाता है ? 'मुझे तो ऐसा लग रहा है, जैसे मुझ पर गिलाफ चढ़ा दिया गया हो ।'"

'पीछे जीप लगी होती है। जल्दी ही तुम्हें ऐसे कपड़े पहनने की आदत हो जायेगी ।'

बाकी के कपड़े उन्होंने दो सूटकेसों में बन्द किये और टैक्सी पर सवार होकर होटल में पहुंच गये ।

होटल के एक शानदार सूट में वे ठहरे ।

होटल के ही एक रेस्टोरेन्ट में उन्होंने डिनर किया ।

'मेरे साथ इग्लैंड चलोगी ?' एकाएक जेम्स बाण्ड ने आशा-पूर्ण स्वर में पूछा ।

'क्यों नहीं !' सन यान मादक स्वर में बोली- 'कहीं तो मुझे जाना ही है। जहां ले चलोगे, चलू ंगी।'

'वैरी गुड ! मैं अभी होटल के ट्रैवल एजेन्ट को कहता हूं कि वह लन्दन के लिये हमारे दो प्लेन टिकट बुक करा दे ।'

'लेकिन लन्दन ले जाकर कहीं मुझे छोड़ तो नहीं दोगे ?'

'तुम्हें मुझसे यही उम्मीद है ?'

"नहीं ।' सन यान विश्वासपूर्ण स्वर से बोली । डिनर के बाद वे अपने आठवीं मंजिल पर स्थित सूट में आ गये । डिनर से पहले दोनों ने छककर शेम्पेन पी थी और अब दोनों की ही आंखों में मद के लाल डोरे चमक रहे थे ।

वे बाल्कनी पर आ गये ।

चांद निकला हुआ था । विक्टोरिया हार्बर की बिजलियां वहां से जुगनुओं की तरह चमकती लग रही थी ।

सन यान जेम्स बाण्ड की बांहों में थी ।

शेम्पेन और रोमांटिक वातावरण का प्रभाव दोनों पर दिखाई दे रहा था,

'एक मिनट...!' एकाएक सन यान मछली की तरह उसकी बांहों से निकल गई ।

जेम्स बाण्ड ने एक सिगरेट सुलगा ली और बाल्कनी की रेलिंग के साथ लगकर खड़ा हो गया ।

सन यान पर्दा हटाकर कमरे में चली गई ।

'शेरमन !' थोडी देर बाद बाण्ड के कानों में सन यान की धीमी आवाज पड़ी ।

जेम्स बाण्ड ने सिगरेट फेंक दी और पर्दा हटाकर भीतर प्रविष्ट हुआं ।

वह द्वार पर ही ठिठक कर खड़ा हो गया। उसका मुह सूखने लगा ।

..सन यान ने अपना गाउन उतार दिया था और अब वह ड्रेसिंग टेबल के सामंने एकदम वस्त्रहीन बैठी हुई थी और बाल खोल रही थी।

उसने शीशे में से जेम्स बाण्ड को देखा और धीरे से मुस्कराई ।

जेम्स बांड यू ं उसके समीप पहुंचा, जैसे नींद में चल रहा हो । कमरे में फैले कृत्रिम मखमली प्रकाश में सन यान अध्सरा-सी सुन्दर लग रही थी। उसका शरीर संगमरमर को तराश कर बनाया गया मालूम होता था ।

सन यान उठ खड़ी हुई। उसने अपनी बांहें जेम्स बाण्ड की ओर फैला दीं ।

जेम्स बांड ने बड़ी आतुरता से उसे अपनी बांहों में भर लिया ।

सन यान का शरीर लता की तरह उसके शरीर से लिपट गया ।

'शेरमन !' वह होठों में बुदबुदाई - 'आज की रात मुझे अपने से अलंग मत करना। शायद ऐसी रात मेरी जिन्दगी में फिर कभी न आये ।'

'ऐसी रात रोज आयेगी।' जेम्स बाण्ड बोला । उसने धीरे से सन यान को अपनी गोद में उठा लिया और फिर उसे लेकर पलंग की ओर बढ़ा । सन यान की बांहें अभी भी जेम्स बाण्ड के गले में थीं और उसके नेत्र बन्द थे ।

जेम्स बान्ड ने धीरे से उसे पलंग पर लिटा दिया ।

"बत्ती बन्द कर दू ?' उसने पूछा ।

'नहीं । क्या जरूरत है?' सन यान बिना नेत्र खोले ही बोली ।

जेम्स बान्ड ने भी कपड़े उतारे और पलंग पर उसकी बगल में पहुंच गया ।

एक घन्टे बाद सन यान ने आंख खोली और धीरे से बोली - 'प्यास लगी है।'

जेम्स बाण्ड ने शेम्पन के दो गिलास भरे और एक गिलास सन यान को थमा दिया। :

दोनों धीरे-२ शेम्पेन की चुस्कियां लेने लगे ।

'एक बज गया है।' जेम्स बान्ड बोला ।

'तो फिर क्या हुआ ?' सन यान बोली ।

'अब सोना चाहिये ।'

'मैं आज रात सोकर गंवाना नहीं चाहती ।'

'तुम तो ऐसी बातें कर रही हो, जैसे कल हम बिछुड़ने वाले हों।'

'यह बात नहीं है, लेकिन फिर भी मैं नहीं चाहती कि आज की रात कोई हसरत बाकी रह जाये ।'

'कल प्लेन का लम्बा सफर करना है।'

'कल प्लेन के लम्बे सफर में सो लेंगे ।'

सन यान ने अपना गिलास मेज पर रख दिया। जेम्स बांड ने भी अपना खाली गिलास उसकी बगल में रख दिया ।

सन यान समर्पिता-सी फिर उसकी बांहों में आ गई ।

फिर पता नहीं कब' उन्हें नींद आ गई ।

जेम्स बांड को केवल इतना याद रहा कि चार बजे तक वह जाग रहा था।

अगले दिन लगभग दोपहर हो चुकने के बाद जेम्स बान्ड की नीद खुली ।

सन यान उसकी बगल में नहीं थी ।

वह पलंग से उठा । उसने गाउन पहना और बाल्कनी में आ गया । बाहर चमकीली धूप फैली हुई थी ।

सन यान वहां भी नहीं थी ।

'डालिंग !' उसने बाथरूम की दिशा में मुह करके आवाज लगाई ।

उत्तर नहीं मिला ।

शायद वह नीचे चली गई थी। रात को वह हेयर स्टाइ-

लिस्ट के पास जाने की बात कर रही थी ।

जेम्स बान्ड ने टेलीफोन पर अपने और सन यान के लिये ब्रेक-फास्ट का आर्डर दिया ।

जेम्स बाण्ड बाथरूम में घुस गया ।

नित्य कर्म से निवृत होकर और नया सूट पहनकर जब वह बाथरूम से बाहर निकला, तब एक चीनी वेटर ब्रेकफास्ट की ट्राली कमरे में ले आया था ।

सन यान अभी भी वापिस नहीं लौटी थी । जेम्स बाण्ड ने वेटर को तगड़ी टिप दी ।

वेटर ने लगभग फर्श तक झुककर सलाम क़िया और फिर जेब से एक लिफाफा निकालकर जेम्स बाण्ड की ओर बढ़ाता हुआ बोला- 'डैस्क क्लर्क ने आपके लिये यह चिट्ठी दी है, साहब ! '

चिट्ठी देकर वेटर कमरे से बाहर निकल गया । जेम्स बाण्ड ने लिफाफा फाड़कर चिट्ठी निकाली ।

होटल के लेटर पैडपर लिखा हुआ वह एक छोटा सा पत्र था । लिखा था-

मेरे राजा,

कल की रात तुम्हारी बांहों में गुजरी मेरी आखिरी रात थी। मैंने तुम्हें पहले ही बताया था कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। मैं किसी दूसरे के हाथों की कठपुतली हूं, लेकिन फिर भी तुम्हारे संसर्ग का सावर्गिक सुख उठाने के लिये मैंने किसी प्रकार अपने आप-को चौबीस घण्टे के लिये बंधन मुक्त कर लिया था। उन चौबीस घन्टों में तुम मेरे शहंशाह और मैं तुम्हारी महारानी थी, लेकिन अब मेरा उधार लिया हुआ वक्त वापिस हो गया है और मैं फिर गुलामी की जिन्दगी जीने जा रही हूं। शेरमन, हमारी दुबारा मुलाकात

कभी नहीं होगी, इसलिये मुझे भूल जाना । मैं तुम्हारे जागने से पहले इसलिये जा रही हूं, क्यों कि मैंने तुम्हारी आंखों में मुहब्बत की वह चमक देखी थी, जो कभी नकली नहीं होती। मुझे विश्वास था कि अगर तुम्हें मेरे इरादे का पता लग गया तो तुम मुझे हरगिज नहीं जाने दोगे । दस्वीदानिया, मेरे राजा । मैं तुम्हें कभी नहीं भूल पाऊंगी ।

सन यान

जेम्स बाण्ड विक्षिप्तों की तरह टेलीफोन की ओर झपटा । उसने डैस्क क्लर्क को टेलीफोन किया और पूछा कि सन यान ने वह पत्र उसको कब दिया था ।

'नौ बजे ।' उत्तर मिला ।

'तो फिर वह पत्र मुझे फौरन क्यों नहीं भेजा गया ?' जेम्स बान्ड गला फाड़कर चिल्लाया ।

'लेकिन सर..!' क्लर्क हकलाया- 'मैडम ने निर्देश दिया था कि पत्र आपको बारह बजे से पहले न दिया जाये ।'

जेम्स बाण्ड ने सम्बन्ध विच्छेद कर दिया। उसने ट्रेवल एजेन्ट को फोन किया और पूछा कि तुरन्त चीन जाने का सबसे आसान तरीका क्या है ?
उत्तर मिला कि कोलून से कैंटन तक ट्रेन जाती है।
कितने बजे ? जेम्स बान्ड ने धड़कते दिल से पूछा ।
साढ़े ग्यारह बजे ।
यानी कि ट्रेन जा चूकी थी और न के मुसाफिरों के नाम जानने का कोई साधन नहीं था ।

जेम्स बान्ड ने हार्बर पर फोन किया

मालूम हुआ कि जिस रूसी जहाज पर वह हॉगकांग आया था, वह भी सुबह दस बजे सिंगापुर के लिये रवाना हो चुका था ।

उसने एयरपोर्ट पर फोन किया। वहां से भी निराशा ही हाथ लगी । किसी

भी फ्लाइट की पैसेन्जर सीट पर सन यान का

(१७५)

नाम नहीं था ।

पिंजरे में बन्द शेर की तरह वह कमरे में चहलकदमी करने लगा । जिन्दगी में पहली बार उसने अपने दिल में मुहब्बत की तड़प महसूस की थी । जिन्दगी में पहली बार उसके दिल में किसी लड़की के लिये सच्ची मुहब्बत का जज्बा पैदा हुआ था ।

कमरे में हर जगह उसकी मौजूदगी का आभास मिल रहा 'था । पलंग पर तकिये के ऊपर उसके बालों का एक पिन पड़ा था । नीचे वे नन्हें-नन्हें सुनहरी स्लीपर पड़े थे, जो वह कल पहने हुये थी । एक कुर्सी की पीठ पर उसका खूबसूरत गाउन पड़ा था । वार्ड गेज में वे सारे परिधान थे, जो उसने बड़े चाव से सन यान के लिये खरीदे थे ।

केवल एक चीज गायब थी ।

*सन यान की वह भूरे रंग की मिलिट्री जैसी वर्दी वहां नहीं थी, जिसमें उसने शुरु से ही उसको देखा था ।

जेम्स बान्ड धम्म से एक कुर्सी पर बैठ गया । उसने अपना सिर अपने हाथों में थाम लिया और नेत्र बन्द कर लिये ।

पिछली रात के बारे दृश्य अस्वचित्र की तरह उसके मानस पटल पर उभरने लगे ।

एक साल गुजर गया ।

'अब भी जेम्स बान्ड को कभी सन यान की याद आ जाती थी तो उसके दिल में कांटा सा चुभने लगा था ।

एक दौर में उसने सन यान का अता-पता तलाश करने की बहुत कोशिश की थी। यहां तक कि जिस तारीख को रूसी जहाज ने सिंगापुर पहुंचना था, उस तारीख से एक दिन पहले

ही वह वहां पहुंच गया था। जहाज आया। सन यान उसमें नहीं थी क्रियू के सदस्यों से पूछने पर मालूम हुआ कि हांग-कांग से उस जहाज पर कोई चीनी युवती सवार नहीं हुई थी ।

अन्त में जेम्स बान्ड इसी नतीजे पर पहुंचा कि सन यान वापिस चीन चली गई थी। उसने यह बात निश्चय ही झूठ कही थी कि मार्शल लिन पियाओ को उस पर सन्देह था और यह चीन से भाग रही थी। वह शायद जेम्स बाण्ड को सुरक्षित हांगकांग पहुंचाने की गरज से ही उसके साथ आई थी और फिर तुरन्त वापिस चीन चली गई थी ।

क्रिसमिस से एक दिन पहले उसे 'एम' ने बुलाया । नगर में एक आपेरा होने वाला था, जिसमें लन्दन स्थित सभी विदेशी दूतावासों के राजदूत आमंत्रित थे और स्वय महारानी एलिजा-बेथ भी आने वाली थी। 'एम ने एक पास जेम्स बान्ड को भी दिया ।

आपेरा की रात को ट्रैफिक में फंस जाने की वजह से जेम्स बाड समय पर थियेटर नहीं पहुंच पाया। आपेरा आरम्भ हो जाने के दस मिनट बाद वह वहां पहुंचा । अन्धकार में ही उसे 'एम' की बगल की सीट पर पहुंचा दिया गया ।

पहला एक्ट समाप्त हुआ। हॉल की सारी बत्तियां जल उठीं । जेम्स बांड ने हॉल के चारों ओर दृष्टि दौड़ाई । उसकी बगल में ही रॉयल बाक्स था, जिसमें महारानी एलिजाबेथ, ड्यूक ऑफ एडिनबरा और हाउस ऑफ लार्डस के कुछ सदस्य बैठे थे । उसके आस पास के बॉक्स राजदूतों के

थे। पहले में अमेरिकन, फिर भारनीय, फिर चीनी, फिर....

जेम्स बान्ड एकाएक अपनी सीट से उठकर खड़ा हो गया।

'क्या हुआ ?' 'एम ने पूछा ।

(१७७)

जेम्स बान्ड ने उत्तर नहीं दिया ।

वह एक-टक चौथे बॉक्स की ओर देख रहा था।

चौये बॉक्स में सन यान बैठी थी और सीधे उसी की ओर देव रही थी ।

जेम्स बान्ड का दिल जोर-जोर से उसकी पसलियों से टकराने लगा ।

'अरे, क्या उल्लुओं की तरह उधर देख रहे हो !' 'एम, झु ंझलाये स्वर से बोला ।

उत्तर देने के स्थान पर जेम्स बान्ड ने 'एम' की गोद में पड़ी दूरबीन उठा ली । उसने दूरबीन आंखों से लगा ली और उसे चौथे बॉक्स पर फोकस करने लगा ।

सन यान का सुन्दर चेहरा दूरबीन के माध्यम से एकदम उसके इतने समीप आ गया, जैसे वह हाथ बढ़ाकर उसे छू सकता हो । सन यान उसी ओर देख रही थी, लेकिन उसके चेहरे पर किसी प्रकार का कोई भाव नहीं था ।

वह अनिद्य सुन्दरी लग रही थी । अपना मोतियों जड़ा हरे रंग का गाउन वह इतने सजी के से पहने हुए थी कि जेम्स बान्ड को विश्वास हो गया। कि जब वह हांगकान में उससे पूछ रही थी कि ऐसे गाउन में से बाहर कैसे निकला जाता है, तो वह जरूर उसका मजाक उड़ा रही थी। उसके सुन्दर व.ल नवीनतम स्टाइल में संवरे हुए थे और उसके चेहरे का मेकअप एकदम दोष रहित था । गले में बह एक प्लेटिनम का नेकलेस पहने हुए

थी, जिसमें लाकेट के स्थान पर एक बड़ा-सा हीरा जगमगा रहा था। बॉक्स में उसके साथ केवल एक शानदार सूटधारी अधेड़ आयु वाला व्यक्ति और बैठा था ।.

'जेम्स !' 'एम, तीव्र स्वर से बोला ।

'सर...!' जेम्स बान्ड आंखों से दूरबीन हटाता हुआ बोला ।

'बैठ जाओ! यू' दूरबीन से शाही मेहमानों को घूरना बद्-तमोजी की बात होती है।'

जेम्स बान्ड अपनी सीट पर बैठ गया ।

'सर !' जेम्स बान्ड ने अपने स्वर को बेहद संतुलित करते हुए पूछा- 'उस चौथे बॉक्स में कौन लोग हैं ?'

'वह अधेड़ आदमी रूसी राजदूत है। अभी दो महीने पहले ही उसकी इंग्लैंड में नियुक्ति हुई है उसका नाम जनरल सोयोलोफ है। मुझे विश्वस्त सूत्रों से पता लगा है कि इंग्लैंड में राजदूत नियुक्त होने से पहले वह रूसी सीक्रेट सर्विस के० जी० * बी० का चीफ था।'

'और उसके साथ वह युवती कौन है ?'

'मुझे पहले ही शक था कि तुम्हारी दिलचस्पी जनरल में नहीं, बल्कि उस युवती में है। उसका नाभ लुडमिला पेशरीना है। वह जनरल सोयोलोफ की लड़की हैं। मुझे विश्वस्त सूत्रों से पता लगा है कि वह के० जी० बी० की एजेन्ट है। पिछले कुछ वर्ष उसने चीन में भी गुजारे हैं, जहां कि वह अवश्य रूसियों के लिये जासूसी करती होगी । तुम उसे जानते हो ?'

'नहीं ।' जेम्स बान्ड ने धीरे से कहा ।

उसी क्षण बत्तियां बुझ गई और फिर दूसरा एक्ट शुरु हो गया ।

'लेकिन जेम्स बान्ड का मन आपेरा में नहीं था ।

तो सन यान वास्तव में रूसी सीक्रेट एजेन्ट लुडमिला पेशरीना थी ।

कई बातें दिन की तरह स्पष्ट हो गई ।

इसीलिए उसने रूसी जहाज में इतनी आसानी से हांगकांग

यात्रा का इन्तजाम कर लिया था ।

इसीलिए वह बड़ी आसानी से चीनी विद्यार्थियों को रूसो आर्थिक सहायता दिलवा देती थी ।

"और उसी के निर्देश पर शंघाई के के० जी० बी० एजेन्ट ने उसे बिजली के करेन्ट का धक्का देने के स्थान पर उसे वापसि वहीं पहुंचो दिया था जहां से वह पकड़ा गया था वह उसका इन्तजार कर रही थी । और --

तो उन दोनो की शघाई के नानकिंग बाजार मैं मुलाकात कोई संयोग नहीं थी ।

और फिर उसके कोट की सीवन में छुपा मिनी कैमरा । और हांगकांग के होटल में उसने जो पत्र जेम्स बान्ड के लिए छोड़ा था उसके अन्त में उसने अलविदा के स्थान पर रूसी शब्द दस्वीदानिया लिखा था। जिसकी ओर तब जेम्स बान्ड का ख्याल नहीं गया था ।

जेम्स बान्ड बड़ी बेताबी से आपेरा समाप्त होने की प्रतीक्षा करने लगा ।

चौथा बाक्स खाली था।

दूसरा एक्ट समाप्त हुआ । बत्तियां जलीं । जेम्स बान्ड फुर्ती से थियेटर से बाहर निकल गया ।

उसी क्षण रूसी राजदूत की जीप गाड़ी स्टार्ट हुई । जेम्स बान्ड को पिछली सीट पर अपने पिता के साथ बैठी सन यान अर्थात लुडमिला पेशरीना दिखाई दी, और फिर कार मोड़ काटकर दृष्टि से ओझल हो गई ।

'यह रूसी राजदूत की गाड़ी थी न ?' जेम्स बान्ड ने गेट कीपर से पूछा ।

'यस सर ।' गेट कीपर बोला- 'क्या आप मिस्टर जेम्स बान्ड हैं ?'

'तुम्हें कैसे मालूम ?' जेम्स बान्ड हैरानी से बोला ।

'राजदूत के साथ जो महिला थीं, उन्होंने मुझे आपका हुलिया बताया था । उन्होंने आपके नाम यह पत्र छोड़ा है।'

और उसने एक पत्र निकालकर जेम्स बान्ड की ओर बढ़ा दिया ।

'मेरा नाम तुम्हें उसने बताया था ?' जेम्स बाड पत्र लेता हुआ बोला ।

'जी हां।'

'क्या ?'

'जेम्स बान्ड ।'

तो सन यान को उसका बास्तविक नाम भी मालूम था । शायद वह आरम्भ से ही जेम्स बान्ड की हकीकत जानती थी ।

जेम्स बान्ड ने लिफाफा फाड़कर पत्र निकाल लिया। लिखा था-

मेरे राजा,

उम्मीद नहीं थी कि जिन्दगी में तुम्हारी सूरत कभी दुबारा देखनी नसीब

होगी। शायद अब तक तुम जान भी गए होगे कि वास्तव में मैं कौन हूं। कहीं तुम थियेटर में या बाद में दूतावास में मुझसे सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश न करो, इसीलिये मैं यहां से जा रही हूं और प्रार्थना के तौर पर तुम्हें यह पत्र लिख रही हूं कि दूतावास में भी मुझसे सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश मत करना। अब तुम ज्यादा अच्छी तरह समझ गये होगे कि हम दोनों का मिलन क्यों सम्भव नहीं है। हम दोनों जिन हाथों की कठपुतलियां हैं वे. हर्गिज पसन्द नहीं करेंगे कि हमारा मिलन हो या भावनात्मक रिश्ता तक बने । खैर ! तुम्हारी

(१८१)

सूचना के लिये हमारे पास तुम्हारी कम्पलीट फाइल है और मैंने तुम्हें ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट जेम्स बाण्ड ००७के रूप में तभी पहचान लिया था जब तुम जेबरोस्की के साथ पीकिंग के हवाई अड्डे पर उतरे थे । लेकिन क्योंकि तुम्हारे सियान जाने में हम रूसियों का भी स्वार्थ निहित था इसलिए मैंने कुछ कहा नहीं था। मैं तुम्हारी सूरत देखते ही समझ गई थी कि अब चीनियों के रिसर्च सेन्टर में तबाही जरूर मचेगी इसलिये मैंने अपनी जुबान बन्द रखी थी। रिसर्च सेन्टस् तबाह हो गया । चीनी कम से कम पांव साल के लिये अणु-शक्ति की दौड़ में पिछड़ गये, जो कि हमारे लिये भी फायदे की बात थी । तुमने परोक्ष में हमारा भी भला किया था, इसलिये तुम्हें चीन से सुरक्षित बाहर निकालने की जिम्मेदारी मैंने अपने ऊपर ले ली। जब तुम शघाई से गायब हो गए तो मुझे यह जानने में जमीन आसमीन एक कर देना पड़ा कि वास्तव में तुम कहां गायब हो गए हो। मुझे यह स्वप्न में भी नहीं सूझा था कि तुम मेरी ही पार्टी के एजेन्टों के हाथ पड़ गये हो। फिर भी गनीमत है कि ऐन मौके पर मुझे पता लग गया और तुम्हारा कोई भारी अहित होने से पहले ही मैंने तुम्हें मुक्त करा दिया। नानकिंग रोड पर हमारी मुलाकात कोई इत्तफाक नहीं थी। मैंने ही उन लोगों को कहा था कि वे लोग तुम्हें वहां छोड़ जाए । मैं तुम्हारी ही प्रतीक्षा में वहां खड़ी थी । मुझे खुशी है कि मैं तुम्हें सुरक्षित चीन से निकाल लाने में सफल हो गई। जिस के. जी. बी. एजेन्ट के अधिकार में तुम शंघाई में थे वह तुम्हें छोड़ने के लिये तैयार नहीं था।

अगर उसे यह पता लग जाता कि तुम जेम्स बाण्ड हो तो वह तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े उड़ा देता । वह एजेन्ट मुझसे मुहब्बत करता है। वह इस शर्त पर तुम्हें आजाद करने पर तैयार हुआ था कि मैं कम से कम एक रात के लिये स्वयं को उसे सर्पित कर दू ंगी ।

और बहुत सी बातें लिखना चाहती हूं पर वक्त नहीं है । दूसरा एक्ट समाप्त होने वाला है और मैं उससे पहले ही यहां से निकल जाना चाहती हूं ।।

मेरे राजा, यह बात दोहराने की जरूरत नहीं कि अपने-अपने राष्ट्रों के हित में हमारा तुम्हारा रिश्ता कायम हो सकता है, और वह है दुश्मनी का रिश्ता शायद कल ऐस्त भी दिन आए जब तुम्हें खत्म करने का आदेश मिले या मुझे तुमको खत्म करने का आदेश मिले । इसलिये हमारा हित इसी में है कि हम आपस में कोई भावनात्मक रिश्ता कायम न होने दें ।

वादा करो कि तुम मुझसे सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश नहीं करोगे ।

एक बार फिर दस्वीदानिया !

इस बार पत्र के नीचे नाम नहीं था ।

उसने पत्र को सावधानी से तय करके कोट की भीतरी जेब में रख लिया और वापिस थियेटर में प्रविष्ट हो गया ।

***** समाप्त *****

sjeet